भोपाल, शुक्रवार
28
मार्च 2025

दैनिक
मध्य स्वर्णिम

सच्ची ख़बर, सबकी ख़बर...

वर्ष - 12 ▪ अंक-211 ▪ पृष्ठ-08 ▪ मूल्य-₹02

यह क्यूआर कोड स्केन कर हमें पाएं अपने स्मार्ट फोन पर...

Scan QR Code to Read ePaper

www.madhyaswarnim.com

प्रदेश की मेधावी बेटियों की बात सुनेंगे पीएम मोदी

भोपाल। मध्यप्रदेश की तीन मेधावी लड़कियां संसद के सेंट्रल हॉल में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सामने स्पीच देने का अवसर प्राप्त करेंगी। इनका चयन राज्य स्तरीय युवा संसद प्रतियोगिता में हुआ है, जिसे विधानसभा के मानसरोवर सभागार में आयोजित किया गया था। यह प्रतियोगिता 'विकसित भारत' थीम पर आधारित थी, जिसमें प्रदेशभर के युवा शामिल हुए थे। प्रतियोगिता में इंदौर की सजल जैन, भिंड की यति सिंह सिसोदिया और राशि त्रिपाठी का चयन हुआ है, जिनको संसद में प्रधानमंत्री के समक्ष अपने विचार रखने का मौका मिलेगा। राष्ट्रीय स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली इंदौर की छात्रा सजल जैन ने अपने भाषण में महत्वपूर्ण मुद्दे उठाए। उन्होंने कहा कि अधिकार और कर्तव्य की यात्रा में वर्तमान समय में अधिकार कहीं ज्यादा महत्वपूर्ण हो गए हैं, जबकि कर्तव्य पीछे रह गए हैं। उन्होंने यह भी कहा कि आज हमें अपने कर्तव्यों का पालन करने की आवश्यकता है ताकि समाज में सकारात्मक बदलाव लाया जा सके। उनके विचारों ने सभी को यह एहसास दिलाया कि केवल अधिकारों की मांग नहीं, बल्कि कर्तव्यों का भी पालन करना अत्यंत आवश्यक है। इस राज्य स्तरीय युवा संसद प्रतियोगिता में प्रदेश के विभिन्न हिस्सों से कुल 200 युवा भागी थे। प्रतियोगिता का उद्देश्य युवाओं को भारतीय संविधान, उनके अधिकारों, कर्तव्यों और प्रगति के बारे में जागरूक करना था।

प्रदेश अध्यक्ष को लेकर लगभग स्थिति हुई साफ, केंद्रीय नेतृत्व ने कर लिया फाइनल फैसला

'गजेंद्र' बनेंगे मप्र भाजपा के 'पटेल'

मध्य स्वर्णिम राजनीतिक खबर

ऋषिकांत सिंह (रजत) परिहार
मो. : 09425002527

*भारतीय जनता पार्टी के केंद्रीय नेतृत्व ने मध्यप्रदेश भाजपा के नए प्रदेश अध्यक्ष का नाम लगभग तय कर लिया है। अगर सब कुछ सही रहा तो बहुत जल्दी मुहर लगाने चुनाव अधिकारी और केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान भोपाल आ सकते है। वैसे तो प्रदेश अध्यक्ष का नाम ग्लोबल इन्वेस्टर समिट के बाद तय हो जाना था, लेकिन एक अनार और सौ बीमार जैसी स्थिति निर्मित होने के कारण मामला आगे बढ़ता गया। परन्तु हमारे अति विश्वसनीय सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार **'शाह दरबार'** में जो फाइनल हुआ है, उसके मुताबिक राष्ट्रीय महामंत्री भाजपा अनुसूचित जनजाति मोर्चा एवं खरगोन-बड़वानी सांसद गजेंद्र सिंह पटेल का नाम लगभग फाइनल हो गया है। **वे खरगोन लोकसभा सीट से दूसरी बार के सांसद है। इसलिए यह बात आज लिखने में कोई गुरेज नहीं है कि गजेंद्र बनेंगे मध्यप्रदेश भाजपा के पटेल...।***

हालांकि प्रदेश अध्यक्ष की दौड़ में रायसभा सांसद सुमेर सिंह सोलंकी, केंद्रीय राय मंत्री दुर्गादास उइके, पूर्व मंत्री और वर्तमान विधायक ब्रजेन्द्र प्रताप सिंह, पूर्व विधायक अरविन्द भदौरिया, नरोत्तम मिश्रा, पूर्व केंद्रीय मंत्री और वर्तमान मंडला सांसद फग्गन सिंह कुलस्ते, बैतूल विधायक हेमंत खंडेलवाल सहित अन्य लोगों के नाम शामिल थे। जिन पर **'शाह दरबार'** से खबर बाहर आने के बाद विराम सा लग गया है।

बताया जा रहा है कि मध्यप्रदेश भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष के चयन को लेकर कई बार राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा, गृह मंत्री अमित शाह और राष्ट्रीय संगठन महामंत्री बीएल संतोष के बीच में चर्चाएं हुई। जिसमें किसी भी एक नाम पर सहमति नहीं बन पाने के कारण चुनाव अधिकारी धर्मेंद्र प्रधान का भोपाल दौरा नहीं बन पाया। लेकिन अभी 72 घंटे पहले मध्यप्रदेश और उत्तर प्रदेश राय के नए प्रदेश अध्यक्ष को लेकर केंद्रीय नेतृत्व ने आखिरी दौर की चर्चा की। जिसमें मध्यप्रदेश के लिए गजेंद्र सिंह पटेल और उत्तरप्रदेश के लिए दिनेश शर्मा के नाम पर सहमति बनने की जानकारी सामने आ रही है। दोनों रायों को नया प्रदेश अध्यक्ष 5 अप्रैल के पहले मिल जायेगा। अगर किसी कारणवश विलंब हुआ तो फिर 20 अप्रैल तक राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव होने के बाद सीधे दिल्ली से घोषणा होगी।

अब तक यह रहे प्रदेश अध्यक्ष

2003 से अब तक भाजपा ने प्रदेश को चार मुख्यमंत्री दिए। इसमें उमा भारती, बाबू लाल गौर, शिवराज सिंह चौहान और डॉ. मोहन यादव के नाम शामिल हैं। वहीं, प्रदेश अध्यक्ष की बात करें तो प्रदेश अध्यक्ष का जिम्मा कैलाश जोशी, नरेंद्र सिंह तोमर, प्रभात झा, नंदकुमार सिंह चौहान, राकेश सिंह और वीडी शर्मा को मिला जो सभी स्वर्ण वर्ग से आते हैं। हालांकि कुछ समय के लिए बीच में शिवराज सिंह चौहान और सत्यनारायण जटिया को भी अध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी गई, लेकिन यह बहुत कम समय के लिए थी।

पानीदार प्रदेश बनने की ओर बढ़ता देश का हृदय प्रदेश

वर्षा जल की बूंद-बूंद बचाने का 'जल गंगा संवर्धन' महा अभियान होगा शुरू

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की दूरदर्शी सोच के साथ मध्यप्रदेश में वर्षा जल की बूंद-बूंद बचाने का 'जल गंगा संवर्धन' महा अभियान गुड़ी पड़वा के दिन 30 मार्च से शुरू होने जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव बाबा महाकाल की नगरी उज्जैन स्थित क्षिप्रा तट पर वरुण (जल देवता) पूजन और जलाभिषेक के साथ 'जल गंगा संवर्धन अभियान' का विधिवत शुभारंभ करेंगे। यह प्रदेशव्यापी अभियान ग्रीष्म ऋतु में 30 जून तक 90 दिन से अधिक समय तक लगातार चलेगा। इस दौरान मुख्यमंत्री डॉ. यादव हर दिन एक छोटी-बड़ी जल संरचना को लोकार्पित करेंगे।

उन्होंने कहा है कि जल संरक्षण के इस अभियान से प्रदेश में भूजल स्तर में सुधार आएगा। पानी की बूंद-बूंद बचाएं, तभी हमारी सांसें बचेंगी। मध्यप्रदेश सरकार जन, जल, जंगल, जमीन और वन्य प्राणियों के संरक्षण के लिए संकल्पित है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का जल संरक्षण अभियान देशभर में एक व्यापक जन-आंदोलन बना है।

राज्य सरकार भी 'खेत का पानी खेत में-गांव का पानी गांव में' के सिद्धांत पर जल संरक्षण की दिशा में अभियान चला रही है। हमारी धरा के कुल जल का केवल एक छोटा हिस्सा ही पीने योग्य स्वच्छ जल के रूप में उपलब्ध है। पृथ्वी के कुल जल का लगभग 97 प्रतिशत महासागरों में खारा जल है, जो पीने योग्य नहीं है। शेष 3 प्रतिशत मीठा जल है, लेकिन इसमें से भी अधिकांश हिमखंडों और बर्फ की चोटियों में जमा है। सिर्फ 0.5 प्रतिशत से भी कम पानी झीलों, नदियों और भूजल के रूप में उपलब्ध है, जिसे हम उपयोग कर सकते हैं। पृथ्वी पर स्वच्छ और पीने योग्य पानी की मात्रा बहुत ही सीमित है और इसे संरक्षित करना बेहद ज़रूरी है।

इसीलिए मध्यप्रदेश सरकार ने जल बचाने के लिए कदम बढ़ाये हैं।मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि 'जल गंगा संवर्धन अभियान' में जल संरक्षण को प्रोत्साहित करने के लिए वर्षा जल संचयन, जल स्रोतों का पुनर्जीवन और जल संरक्षण तकनीकों को अपनाने पर विशेष जोर दिया जा रहा है। प्रदेश सरकार का यह अभियान जल संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सभी संबंधित विभागों को निर्देश दिए हैं कि वे जल संरक्षण से जुड़ी योजनाओं को प्राथमिकता देकर अधिक से अधिक लोगों को अभियान से जोड़ें। उन्होंने कहा कि 'जल गंगा संवर्धन अभियान', प्रदेश में जल संकट को खत्म करने और भावी पीढ़ियों के लिए जल सुरक्षा सुनिश्चित करने में मील का पत्थर सिद्ध होगा। पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के प्रदेशव्यापी जल संवर्धन अभियान में जल संसाधन, नर्मदा घाटी विकास प्राधिकरण, पर्यावरण विभाग, नगरीय विकास एवं आवास, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी, स्कूल शिक्षा, उद्यानिकी एवं कृषि सहित 12 से अधिक अन्य विभाग एवं प्राधिकरण साथ मिलकर जल संरचनाओं के जीर्णोद्धार के कार्य करेंगे।

शहीद गौतम के परिवार के सदस्य को शासकीय सेवा में लिया जाएगा

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने निवास पर मऊगंज जिले के गौतम परिवार को व्यक्तिगत दुर्घटना बीमा के अंतर्गत एक करोड़ रूपये की राशि का चेक प्रदान किया। भारतीय स्टेट बैंक की पुलिस सेलरी पैकेज योजना में पुलिसकर्मियों को दी जाने वाली पूरक व्यक्तिगत दुर्घटना बीमा सुविधा के अनुसार परिवार को यह राशि प्रदान की गई। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शहीद गौतम के पात्र उत्तराधिकारी को शासकीय सेवा में लेने के निर्देश पुलिस महानिदेशक को दिए हैं।मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इस अवसर पर कहा कि कर्तव्य निवर्हन के दौरान अपने प्राणों को उत्सर्ग करने वाले पुलिस उपनिरीक्षक रामचरण गौतम की पत्नी श्रीमती पुष्पा को चेक प्रदान करते हुए कहा कि राज्य शासन ने स्व. गौतम को शहीद का दर्जा देते हुए उनके आश्रितों को एक करोड़ रुपए की सहायता राशि स्वीकृत की है।

संबल योजना की अनुग्रह सहायता आज जारी

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव 28 मार्च को मंत्रालय में संबल योजना में अनुग्रह सहायता के 23 हजार 162 प्रकरणों में 505 करोड़ रुपये सिंगल क्लिक से हितग्राहियों के खातों में अंतरित करेंगे। कार्यक्रम में श्रम, पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल एवं प्रदेश के विभिन्न स्थानों पर मंत्री एवं स्थानीय जन प्रतिनिधि भी उपस्थित रहेंगे। मुख्यमंत्री जनकल्याण (संबल) योजना, असंगठित क्षेत्र में कार्यरत लाखों श्रमिकों के लिए महत्वपूर्ण योजना है। योजना में अनुग्रह सहायता योजना अंतर्गत दुर्घटना में मृत्यु होने पर 4 लाख रुपये एवं सामान्य मृत्यु होने पर 2 लाख रुपये प्रदान किए जाते हैं।

2024 में अभियान को जबरदस्त सफलता

गत वर्ष 5 से 30 जून 2024 तक 'जल गंगा संवर्धन अभियान' चलाया गया था। इस अवधि में 1056 करोड़ की लागत से 38 हजार 851 कार्य किए गए। 302 करोड़ से अधिक राशि 21 हजार 577 जीर्णोद्धार/सुधार कार्यों पर खर्च की गई थी। वर्ष 2024 में 5672 पुरानी बावड़ियों एवं कुओं का जीर्णोद्धार किया गया। 93 करोड़ रुपए की लागत से 3751 नए कुएं निर्मित किए गए थे। साथ ही 7709 तालाबों के निर्माण एवं जीर्णोद्धार पर 616 करोड़ की राशि खर्च हुए थे। इसी प्रकार 2925 चेक डैम एवं स्टॉप डैम निर्माण एवं जीर्णोद्धार में 119 करोड़ रुपए की लागत आई। 7158 रिचार्ज पिट और रीचार्ज शॉफ्ट निर्माण एवं जीर्णोद्धार कार्य पूर्ण किया गया।

@खबर संक्षेप

विपक्षी गठबंधन के नेताओं ने ओम बिरला से की मुलाकात

नई दिल्ली। विपक्षी पार्टियों के एक प्रतिनिधिमंडल ने गुरुवार को लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला से मुलाकात की। इस मुलाकात में विपक्षी नेताओं ने लोकसभा में नेता विपक्ष को बोलने नहीं देने का आरोप लगाते हुए अपनी नाराजगी व्यक्त की। लोकसभा में कांग्रेस के उप-नेता गौरव गोगोई ने कहा कि इंडी गठबंधन, जिसमें कांग्रेस, सपा, टीएमसपी, डीएमके, केरल कांग्रेस, राजद, आईयूएमएल, आरएलपी और एमडीएमके के सांसद मौजूद रहे आज शून्य काल के दौरान लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला से मिले। गौरव गोगोई ने कहा कि 'हमने लोकसभा अध्यक्ष को पत्र सौंपा, जिसमें कई पार्टियों के नेताओं के हस्ताक्षर हैं। इनमें आरएसपी और शिवेसना यूबीटी भी शामिल हैं। हमने लोकसभा अध्यक्ष के सामने अपनी चिंता जाहिर की कि किस तरह से सत्ताधारी दल नियमों और परंपराओं का उल्लंघन कर रहा है।' कांग्रेस सांसद ने कहा कि 'लोकसभा अध्यक्ष ने नियम संख्या 349 का हवाला दिया, लेकिन उन्होंने किस घटना को लेकर ये हवाला दिया, ये स्पष्ट नहीं है। अब लोकसभा अध्यक्ष के बयान का राजनीतिकरण किया जा रहा है।' उल्लेखनीय है कि बुधवार को लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने नेता विपक्ष राहुल गांधी को सदन में मर्यादित आचरण करने और सदन के नियमों का पालन करने की नसीहत दी थी।

रामनवमी पर मोदी रामनाथस्वामी मंदिर में करेंगे पूजन

नई दिल्ली। रामेश्वरम स्थित रामनाथस्वामी मंदिर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 6 अप्रैल को रामनवमी पर पूजन करेंगे। इस दौरान वह नए पंबन ब्रिज का भी उद्घाटन करेंगे। इससे तमिलनाडु में रेल संपर्क को बढ़ावा मिलेगा। नया पंबन ब्रिज ब्रिटिश काल के पुराने पंबन ब्रिज का स्थान लेगा जो एक सदी से अधिक समय तक संचालित रहा। आधुनिक डिजाइन से युक्त इस नए पुल का 72.5 मीटर लंबा हिस्सा जहाजों के आवागमन के लिए ऊपर उठाया जा सकेगा, जिससे समुद्री नौवहन में सुगमता आएगी। इस परियोजना की आधारशिला प्रधानमंत्री मोदी ने नवंबर 2019 में रखी थी, जिसके बाद फरवरी 2020 में निर्माण कार्य शुरू हुआ। कोविड-19 महामारी के कारण इसमें देरी हुई, लेकिन अब इसे पूरा कर चालू करने की तैयारी है। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने नवंबर 2024 में सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में इसे भारत का पहला वर्टिकल लिफ्ट रेलवे समुद्री पुल करार दिया था।वैष्णव ने कहा था, 1914 में निर्मित पुराने पंबन रेल पुल ने 105 वर्षों तक मुख्य भूमि को रामेश्वरम से जोड़ा।

5वीं और 8वीं परीक्षाओं के परिणाम आज

भोपाल। राज्य शिक्षा केन्द्र, स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा मध्यप्रदेश में आयोजित कक्षा 5वीं और 8वीं की बोर्ड पैटर्न परीक्षाओं का परिणाम, शुक्रवार 28 मार्च 2025 को दोपहर एक बजे घोषित किया जायेगा। संचालक राज्य शिक्षा केन्द्र हरजिंदर सिंह ने बताया कि परिणाम शुक्रवार 28 मार्च को दोपहर एक बजे परीक्षा परिणाम पोर्टल पर जारी किया जायेगा। विद्यार्थी, अभिभावक एवं शिक्षकगण उक्त परिणामों को राज्य शिक्षा केन्द्र के वेब पोर्टल www.rskmp.in/result.asp& पर अपना रोल नम्बर/समग्र आईडी प्रविष्ट कर देख सकते हैं।

धार्मिक स्थलों पर शराबबंदी के निर्णय का हो रहा स्वागत

उज्जैन के सैकड़ों संगठनों ने कहा - धन्यवाद मोहन जी

उज्जैन। *मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा धार्मिक स्थलों पर शराब विक्रय का पूर्ण प्रतिबंध पर करने पर महिला संगठनों द्वारा कुछ दिनों पूर्व ही एक धन्यवाद यात्रा निकालकर मानव शृंखला बनाई गई थी और मुख्यमंत्री को इस ऐतिहासिक कदम के लिए धन्यवाद भी दिया गया था, लेकिन अब फिर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा लिए गए इस ऐतिहासिक निर्णय को लेकर धर्म प्रेमी जनता के साथ-साथ संत समाज, शहरवासियों और विशेष कर महिलाओं में हर्ष व्याप्त किया और मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद द्वारा आज धन्यवाद यात्रा एवं हस्ताक्षर अभियान की शुरुआत की गई। जो निरंतर स्वैच्छिक संगठनों के माध्यम से शहर के अलग-अलग स्थान पर हस्ताक्षर अभियान चलाकर की जा रही है।*

इसमें बड़ी संख्या में आम जनता ने सहभागिता निभाकर इस निर्णय के पक्ष समर्थन दिया है।जनअभियान परिषद के विकासखंड समन्वयक अरुण व्यास ने बताया कि शहीद पार्क से प्रारंभ हुई धन्यवाद यात्रा घास मंडी चौराहा,माधव नगर हॉस्पिटल, गुरुद्वारा एवं इंदिरा गांधी चौराहा होते हुए शहीद पार्क में हुई। यात्रा का शुभारंभ नगर निगम सभापति कलावती यादव ने झंडी दिखाकर किया। उन्होंने मुख्यमंत्री के निर्णय की प्रशंसा की और कहा कि शहर में धार्मिक वातावरण निर्मित होगा, साथ ही शराबबंदी से उज्जैन नगरी को धार्मिक नगरी मान्यता मिलेगी। बाबा महाकाल की कृपा से पूरे शहर में धार्मिक वातावरण निर्मित है और शराब बंदी के निर्णय से हम सब उत्साह और उमंग से भरे हुए हैं।

सनातन धर्म की रक्षा तथा लोगों में धार्मिक भावना का जागरण होगा। धन्यवाद यात्रा आयोजन में ब्रह्माकुमारी ईश्वरी विश्वविद्यालय, शासकीय नर्सिंग कॉलेज, आशा कार्यकर्ता, गायत्री परिवार, जन शिक्षण संस्थान, परिषद की नवांकुर संस्थाएं संकल्प समर्थ ऑर्गेनाइजेशन व ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति दताना, देवी अवंतिका सामाजिक युवा कल्याण संस्था, इनीशिएटिव समिति,संवाद शोध संस्थान, सुरभि जन कल्याण समिति, देव संजीवनी सामाजिक कल्याण संस्था, खेल एवं युवा कल्याण विभाग,शिप्रा उपभोक्ता संरक्षण संस्था, खादी ग्रामोद्योग महिला उत्थान समिति, मां हरसिद्धि समग्र उत्थान, हरि शरणम समिति ग्राम विकास प्रस्फुटन एवं मेंटर की अहम भूमिका रही।

अभियान

स्कूल शिक्षा विभाग ने कलेक्टर्स को जारी किये दिशा-निर्देश

प्रदेश में स्कूल चलें हम अभियान एक से 4 अप्रैल तक

भोपाल। प्रदेश में नवीन शिक्षण सत्र वर्ष 2025-26 की शुरूआत एक अप्रैल से स्कूल चलें हम अभियान के रूप में की जायेगी। अभियान के दौरान प्रदेश में एक से 4 अप्रैल, 2025 तक प्रतिदिन शालाओं में कार्यक्रम आयोजित होंगे। इस संबंध में स्कूल शिक्षा विभाग ने सभी जिला कलेक्टर्स और जिला शिक्षा अधिकारियों को दिशा-निर्देश जारी किये हैं।

अभियान के दौरान सरकारी स्कूलों में विद्यार्थियों के नामांकन पर विशेष ध्यान दिया जायेगा। प्रदेश में करीब 92 हजार सरकारी स्कूल हैं। इनमें प्रायमरी, मिडिल, हाई और हायर सेकण्डरी स्कूल हैं। इन स्कूलों में लगभग 85 लाख बच्चे अध्ययनरत हैं।स्कूल चलें हम अभियान का राज्य स्तरीय कार्यक्रम

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की उपस्थिति में होगा। कार्यक्रम के आयोजन की रूपरेखा स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा तैयार की जा रही है।

जिला-शाला स्तरीय प्रवेशोत्सव कार्यक्रम

प्रदेश में जिले के प्रभारी मंत्री जिला स्तरीय प्रवेशोत्सव कार्यक्रम में शामिल होंगे। यह कार्यक्रम चयनित शाला में होगा। कार्यक्रम में सांसद, विधायक एवं अन्य जन-प्रतिनिधि शामिल होंगे।

उपस्थित छात्र-छात्राओं को निःशुल्क पाठ्य-पुस्तकें वितरित की जायेंगी। स्कूल शिक्षा विभाग ने ऐसी व्यवस्था की है कि नये शैक्षणिक सत्र की शुरूआत में विद्यार्थियों को पाठ्य-पुस्तकें मिल जायें।

भविष्य से भेंट कार्यक्रम

स्कूल चलें हम अभियान के दूसरे दिन शालाओं में 'भविष्य से भेंट'' कार्यक्रम होगा। इस कार्यक्रम में समाज के विभिन्न क्षेत्रों के प्रसिद्ध, प्रबुद्ध और सम्मानित व्यक्तियों को एक प्रेरक की भूमिका में विद्यार्थियों से भेंट के लिये आमंत्रित किया जायेगा। इसी दिन स्थानीय स्तर पर विशिष्ट उपलब्धियाँ हासिल करने वाले खिलाड़ी, साहित्यकार, कलाकार, मीडिया, संचार मित्रों, पुलिस अधिकारी, राज्य शासन के अधिकारी को विशेष रूप से आमंत्रित किया जायेगा। आमंत्रित अतिथि उपस्थित बच्चों को पढ़ाई के महत्व और प्रेरणादायी कहानियाँ सुनायेंगे। इस दौरान सामाजिक संस्था एवं आमंत्रित व्यक्ति स्वैच्छा से विद्यार्थियों को शाला उपयोगी वस्तुएँ भेंट कर सकेंगे।

देश धर्मशाला नहीं, आने वालों पर नजर रखेंगे : अमित शाह

लोकसभा में आव्रजन विधेयक हुआ पारित

नई दिल्ली। लोकसभा में इमिग्रेशन एंड फॉरेनर्स बिल 2025 पर चर्चा के बाद गृह मंत्री अमित शाह ने बिल के प्रावधानों पर विस्तार से जवाब दिया। उन्होंने कहा कि भारत में आने के लिए वैध पासपोर्ट, वैध वीजा अनिवार्य होगा। बिना कागजात के भारत में प्रवेश करने पर कानून सम्मत तरीके से सख्त कार्रवाई की जाएगी। गृह मंत्री ने सख्ती से कहा, जाली दस्तावेजों के लिए कड़ी सजा के प्रावधान किए गए हैं। उन्होंने कहा कि वीजा की अवधि खत्म होने पर भी देश में रहने वालों को ट्रैक किया जाएगा।शाह ने विपक्ष को आड़े हाथों लिया और कहा कि जिस तरह के सवाल पूछे गए हैं, उनसे काफी हैरानी होती है।

उन्होंने कहा कि देश की जनता ने भाजपा को वोट दिया। हमने बहुमत की सरकार बनाई है। ऐसे में सरकार के पास विदेशी लोगों की घुसपैठ, भारत आने वाले लोगों के पास वैध कागजात हैं या नहीं, इसकी जांच करने का पूरा अधिकार है। गृह मंत्री अमित शाह के जवाब के बाद गुरुवार शाम करीब 6.20 बजे लोकसभा स्पीकर ओम बिरला ने विधेयक पारित होने का एलान किया।

मध्य स्वर्णिम ब्रीफ

सीएचओ को अनमोल एप के अपडेट वर्जन की दी जानकारी

परासिया(मध्य स्वर्णिम)। सिविल अस्पताल परासिया में गुरवार को अनमोल एप को लेकर प्रषिक्षण दिया गया। सीएएचओ को गर्भवती माताओं की जानकारी किस तरह एप पर अपडेट करे इसकी जानकारी दी गई। डीपीएम शैलेंद्र सोमकुंवर, जितेंद्र गजभिए सीपीएचसी बीएमओ डा शशि अतुलकर, बीपपीएम अनूप साहू ने प्रशिक्षण दिया। बडी संख्या में सीएचओ उपस्थित रही।

'नॉर्थ चांदामेटा में सड़क का हुआ भूमि पूजन ...'

परासिया(मध्य स्वर्णिम)। ग्राम पंचायत भमोडी में नार्थ चांदामेटा में लगभग 40 वर्षों बाद 350 मी. रोड का डामरीकरण का भूमिपूजन किया गया'। साथ ही रोड का कार्य चालू किया गया। यह मार्ग विगत कई वर्षों से क्षतिग्रस्त स्थिति में था । यहां से रमपुरी,जाटाछापर बस्ती एवं भमोडी के लोग रोजाना आवागमन करते हैं इस सड़क की मांग लंबे समय से हो रही थी'। 'क्षेत्रीय विधायक सोहनलाल बाल्मीक द्वारा इसे संज्ञान में लेकर वेकोलि के सी.एस.आर मद से इस सड़क का डामरीकरण के कार्य को स्वीकृत कराया है।'भूमि पूजन कार्यक्रम में अमित तिवारी,राज कैथवास,मो.असलम,धीरज श्रीवास्तव, आरिफ ताज,मो.मकबूल,अलकेश इवनाति,रियाज खान,पप्पू भाई,मो.सज्जन,मो.समीर,रवि वर्मा, मो.फ़ैजान, शेख शरीफ मो.तौफीक,बाया डेहरिया,विमल सिंगोतिया एवं ग्रामवासी उपस्थित रहे'।

कांग्रेस के जिला पंचायत अध्यक्ष संजय पुनहार के जाति प्रमाण पत्र की जांच की मांग

परासिया(मध्य स्वर्णिम)। कांग्रेस के जिला पंचायत अध्यक्ष संजय पुन्हार के जाति प्रमाण पत्र को लेकर भाजपा ने आज ज्ञापन सौंपा। भाजपा विधासभा प्रभारी ज्योति डेहरिया और जिला महामंत्री परमजीत सिंग विज के नेतृत्व में आज परासिया विधासभा के सभी भाजपा मंडल अध्यक्षों ने कलेक्टर शीलेंद्र सिंह से मुलाकात की और ज्ञापन सौंपा जिला पंचायत अध्यक्ष संजय पुनहार के जाति प्रमाण पत्र की जांच की मांग की गई।, इस मांग पर तत्काल संज्ञान लेते हुए कलेक्टर इस मामले में जांच अधिकारी बनाकर जांच सौंप दी है । गौरतलब है कि संयज पुनहार परासिया के रावनवाडा क्षेत्र से जिला पंचायत सदस्य है। भाजपा उन पर हमलावर हो गई है।

जनसमस्याओं को लेकर कांग्रेसी पार्षदों ने दिया ज्ञापन

परासिया(मध्य स्वर्णिम)। याप्त जनसमस्याओं को लेकर कांग्रेसी पार्षदों ने नेता प्रतिपक्ष वीर बहादुर सिंह के नेतृत्व में गुरुवार को कलेक्टर के नाम एसडीएम को ज्ञापन सौंपा और आंदोलन की चेतावनी दी। पेयजल वितरण और विभिन्न समस्याओं को लेकर आंदोलन की चेतावनी दी गई। पेयजल वितरण का समय घटाने और अन्य मांगों को लेकर कांग्रेसी पार्षदों ने हस्ताक्षर कर 7 सूत्री ज्ञापन सौंपा । बाजार वसूली की जांच की जानकारी सार्वजनिक करने, नगर पालिका की बैठक बुलाने सहित कई मांगे रखी गई। ब्लाक कांग्रेस अध्यक्ष कमल राय नगरपालिका नेताप्रतिपक्ष शहर कांग्रेस अध्यक्ष वीर बहादुर सिंह पार्षद प्रतिभा सोनी पार्षद सावित्री वर्मा पार्षद नीलोफर खान पार्षद प्रतिमा बैस पार्षद पूजा मरकाम युंका ब्लाक मुकुल दुबे पप्पू मरकाम उपस्थित थे ।तीन दिनों में आंदोलन का अल्टीमेटम दिया गया।

कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आपदा प्रबंधन संबंधी प्रशिक्षण सम्पन्न

रायसेन(मध्य स्वर्णिम)। कलेक्ट्रेट कार्यालय स्थित सभाकक्ष में आपदा प्रबंधन संबंधी प्रशिक्षण आयोजित किया गया। जिसमें बोरवेल में बच्चों के गिरने पर किस प्रकार त्वरित रूप से राहत और बचाव कार्य शुरू किया जाए, कौन-कौन सी सावधानियां बरती जाएं तथा बचाव कार्य के तरीकों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। प्रशिक्षण में अपर कलेक्टर श्रीमती श्वेता पवार, डिप्टी कलेक्टर श्री मनीष शर्मा, डिप्टी कलेक्टर श्रीमत सरोज अग्निवंशी, होमगार्ड डिस्ट्रिक्ट कमांडेन्ट श्री उमेश तिवारी, एसएलआर राजेश राम सहित एसडीईआरएफ, होमगार्ड, कोटवार आदि उपस्थित रहे।

समर्थन मूल्य पर गेहूँ उपार्जन हेतु पंजीयन 31 मार्च तक

रायसेन(मध्य स्वर्णिम)। समर्थन मूल्य पर गेहूँ उपार्जन के लिये किसान पंजीयन प्रक्रिया का निर्धारण कर दिया गया है। किसान भाई 31 मार्च तक पंजीयन करा सकते हैं। शासन द्वारा किसान पंजीयन की व्यवस्था को सहज और सुगम बनाया गया है।

नगर पालिका को हलाली ने कर्ज में डूबोया, नपा ने शहर को अंधेरे में डूबोया

बिजली कंपनी का साढ़े 3 करोड़ बकाया, शहर की स्ट्रीट लाइट काटी

रायसेन (मध्य स्वर्णिम)।

रायसेन नगर पालिका इन दिनों आर्थिक संकट का सामना कर रही है। बिजली कंपनी को नगर पालिका को साढ़े तीन करोड़ रुपए का भुगतान करना है। इसमें डेढ़ करोड़ रुपए स्ट्रीट लाइट का और दो करोड़ रुपए हलाली परियोजना का बकाया है। बिल भुगतान न होने के कारण शहर की स्ट्रीट चार दिन से लाइट बंद कर दी गई हैं। जिससे रात होते ही शहर की सड़कों सहित गलियों में अंधेरा छा जाता है।

बिजली कंपनी इन दिनों बकाया बिल वसूली के लिए सख्त कार्रवाई कर रही है। बताया जा रहा है की नगर पालिका हलाली परियोजना आर्थिक बोझ बन गई है। हलाली बांध से शहर तक पानी लाने वाली इस परियोजना ने शुरू से ही नगर पालिका की आर्थिक स्थिति को प्रभावित किया है। जिससे बिजली कंपनी का बकाया हर साल बढ़ता जा रहा है।

नपा पर डेढ़ करोड़ रुपए स्ट्रीट लाइट बकाया

रायसेन नगर पालिका पर स्ट्रीट लाइट का डेढ़ करोड़ रुपए बकाया होने पर बिजली बिभाग द्वारा स्ट्रीट लाइट काट दी गई है। जिससे नगर पालिका के सामने दोहरी चुनौती है। एक तरफ जल कर और संपत्ति कर की वसूली कर कर्मचारियों को वेतन देना है। वही दूसरी तरफ बिजली का बढ़ता बिल है। बिजली कंपनी के जूनियर इंजीनियर प्रांजल शर्मा ने बताया कि बकाया राशि नहीं चुकाने के कारण स्ट्रीट लाइट काटनी पड़ी है। उन्होंने कहा कि नगर पालिका पर डेढ़ करोड़ स्ट्रीट लाइट का और दो करोड़ हलाली परियोजना का बाकी है।

अब बेटी को 30 दिन तक मिलेगें कपड़े फ्री, जन्म प्रमाण-पत्र, पिता का आधार कार्ड जारूरी

रायसेन। अभी तक बेटी के जन्म लेने के 5 दिन और बाद में बेटी के परिजन के कभी भी आने या किसी भी रिश्तेदार को भेजने या आ जाने पर उनके द्वारा मौखिक रूप से बताए जाने पर बेटी के लिए फ्री कपड़े देकर उज्वल भविष्य की कामना दी जाती थी। लेकिन अब ऐसा नहीं होगा,बेटियों को जीने दो टीम के प्रमुख दीपसिंह कुशवाह ने बताया कि अब नए नियम के अनुसार जन्म लेने से 30 दिनों तक बेटी के जन्म पर बेटी को कपड़े फ्री दे तो दिए जाएंगे। लेकिन अब बेटी का जन्म प्रमाण-पत्र पिता का आधार कार्ड मोबाइल नंबर देना अनिवार्य होगा। यह निर्णय उनके द्वारा फ्री कपड़े बांटने से बढ़ते जा रहे आर्थिक खर्चे के कारण लिया गया है। क्योंकि उनके द्वारा 2 सितंबर 2021 से अब तक 1790 से अधिक बेटीयों को कपड़े निजी खर्चे से ही बांटे गए हैं। इसमें कभी-कभी न के बराबर या कहें एक प्रतिशत खर्च दोस्त या उनके संबंधित लोगों के द्वारा भी दिया गया है। देश के अन्य प्रदेश में भी यह नियम लागू रहेगा। बाहर भेजने के पार्सल का खर्च किसी थर्ड पार्टी के द्वारा दिए जाने पर ही बाहर पार्सल भेजा जाएगा।

पुरातात्विक सबूतों से राम वन गमन के मार्ग पर हुई चर्चा

मप्र के जिलों में है राम वन गमन के सबूत, पचमढ़ी में मिली 5100 साल पुरानी रॉक पेंटिंग्स

रायसेन (मध्य स्वर्णिम)।

साँची बौद्ध. भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय में भगवान राम के लंका जाने के मार्ग के पुरातात्विक प्रमाणों पर विशेष व्याख्यान आयोजित किया गया। बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय के भारत कला केन्द्र के डॉ देव प्रकाश शर्मा ने पुरातात्विक अवशेषों की तस्वीरें और मानचित्र दिखाकर राम वन गमन पथ को अपने व्याख्यान में साकार किया। मध्य प्रदेश में राम से संबंधित स्थलों से प्राप्त ऐतिहासिक अवशेषों की तस्वीरें और रॉक पेन्टिंग्स दिखाते हुए उन्होंने बताया कि राम का काल कृष्ण के काल से पहले का है। पचमढ़ी में मिली रॉक पेंटिंग्स के ज़रिए उन्होंने बताया कि ये तस्वीरें तकरीबन 5100 साल ईसा-पूर्व की हैं। उन्होंने तांबे के भाले,तीर,खुदाई करने में उपयोग होने वाले छेनी व अन्य हथियार तथा उपकरणों के फोटो दिखाए जो कि रामपथ गमन स्थलों से प्राप्त हुए हैं। उन्होंने पचमढ़ी से मिले रॉक पेन्टिंग्स में शिवधनुष उठाते राम,जटायु से मिलते राम, सीता से अनुमति लेते हनुमान,रावण के नये सिर निकलते और समुद्र पर पुल बनाते नल-नील की पेन्टिंग्स दिखाई जो रामायण की विभिन्न घटनाओं को दर्शाती है। साँची बौद्ध.भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रोण् वैद्यनाथ लाभ ने कहा कि राम वन गमन के 14 वर्षों पर गहन पुरातात्विक अध्ययन किया जाना चाहिए। उन्होने कहा कि आजादी के बाद एक विचारधारा के अंतर्गत राम और लक्ष्मण को मिथक बना दिया गया।

विष्णुपुरी कोयला खदान में एटक का क्रमिक अनशन जारी

तीसरे दिन क्रमिक अनशन पर बैठे कामगार

परासिया (मध्य स्वर्णिम)।

मजदूर संगठन एटक ने विष्णुपुरी कोयला खदान में क्रमिक अनशन तीसरे दिन भी जारी रखा। खदान की सुरक्षा, सपोर्ट, पीने का पानी, वेंटिलेशन जैसे मुद्दो के साथ एटक ने अनफेयर लेबर प्रेक्टिस का मामला भी उठाया है। तीसरे दिन गुरुवार को कामगारों को तिलक लगाकर बैठाया गया।

गुरुवार को चार बजे मजदूर नेताओं का खदान में जमावडा हुआ और प्रबंधन के खिलाफ नो लगाकर मजदूरों की समस्या से मुंह मोडने का आरोप लगाया। एटक के अध्यक्ष अरविंद यादव, महामंत्री रामकेरा यादव, विनोद सिंह,, शाखा अध्यक्ष राजेंद्र डेहरिया, धर्मेंद्र गौतम सचिव और अन्य पदाधिकारी खदान में पहुंचे। एटक के कामगारों ने बताया कि खदान में पानी, कालोनी में बिजली पानी, खदान में हवा वेंटिलेशन और सपोर्ट से संबंधित मांगे रखी गई है। कुछ समस्याएं कामगारों की व्यवक्तिगत भी रखी गई।

जंगल में लगी आग,ग्रामीणों वनकर्मियों ने पाया काबू, सूखे पत्तों के कारण बढ़ रहीं घटनाएं

रायसेन (मध्य स्वर्णिम)।

गर्मी की शुरु होते ही जंगल में आग की घटनाएं सामने आ रही हैं। बुधवार दोपहर को हकीम खेड़ी गांव के पास जंगल में आग लग गई। ग्रामीणों ने तुरंत पहुंचकर आग बुझाने की कोशिश की। लेकिन शाम को हवा चलने से आग ने विकराल रूप ले लिया। पोहरा गांव से हकीम खेड़ी की ओर जाने वाले रास्ते के पास जंगल की पहाड़ी के नजदीक किसानों के खेत हैं।

खड़ी फसलों को देखते हुए किसानों की चिंता बढ़ गई। बड़ी संख्या में लोग मौके पर जमा हुए और वन विभाग को सूचना दी। रेंजर प्रवेश पाटीदार के अनुसार वन विभाग की टीम को तुरंत मौके पर भेजा गया। वनकर्मियों, ग्रामीणों और चौकीदारों के संयुक्त प्रयास से रात साढ़े 12 बजे आग पर काबू पा लिया गया।

सूखे पत्तों के कारण बढ़ीं आग की घटनाएं: दीवानगंज के बालमपुर गांव की पहाड़ी पर भी आग लगी। ये आग धीरे-धीरे पहाड़ की ओर बढ़ती गई। आग बुझाने के लिए कोई कार्रवाई नहीं की गई जंगल में सूखी घास और पेड़ों के सूखे पत्तों के कारण आग की घटनाएं बढ़ रही हैं। बता दें कि दो दिन पहले भी इसी जंगल में आग लगी थी,जो बुधवार शाम तक जारी रही।

माथनी खदान से होंगे कामगारों के ट्रांसफर, प्रबंधन ने बुलाई बैठक

बिना तैयारियों के पहुंचा प्रबंधन, संगठनों ने मांगी रूपरेखा

परासिया (मध्य स्वर्णिम)।

माथनी खदान से कामगारों के ट्रांसफर को लेकर प्रबंधन ने आज बैठक बुलाई। इस बैठक में प्रबंधन बिना तैयारियों के पहुंच गया। मजदूर संगठनों ने इसको लेकर रूपरेखा मांगी। अब ईद के बाद पुन: बैठक आयोजित की जाएगी। गौरतलब है कि गैस के कारण माथनी खदान को बंद करने का निर्णय लिया गया है। अब इस खदान के कामगारों का ट्रांसफर किया जाना है। आज प्रबंधन और मजदूर संगठनों के प्रतिनिधि जीएम आफिस के सभाकक्ष में जुटे। इंटक के पेंच के अध्यक्ष मनोज तिवारी ने कहा कि प्रबंधन पूरा प्लान बताए। कहां किस खदान में किस डेजिगनेशन के कितने कामगार चाहिए। प्रबंधन कोई तैयारी के साथ बैठक में नहीं आया था। तय हुआ कि एक मीटिंग ईद के बाद और होगी उसमें पूरा प्लान रखा जाएगा। धनकशा खदान के सब एरिया मैनेजर ने अपना प्लान बताया। महादेवपुरी, नेहरिया में भी कामगारों के ट्रांसफर होंग। मजदूर संगठन इंटक ने कहा कि रिटायरमेंट के करीब लोगों का भी ध्यान रखा जाए।

प्रबंधन से जीएम अनपू हंजूरा, डिप्टी जीएम, एपीएम, खदानों के सब एरिया मैनेजर मजदूर संगठन बीएमएस से तेज प्रताप शाही, अच्छे लाल गुप्ता, इंटक पेंच के अध्यक्ष मनोज तिवारी, जितेंद्र प्रजापति, एटक से रामकेरा यादव, अरविंद यादव, एचएमएस से राजेश सूर्यवंशी, सीटू से अमरनाथ, मीर हसन उपस्थित रहे।

स्वामी विवेकानंद कॉलेज कें छात्र-छात्रों का किया स्वास्थ्य परीक्षण

रायसेन। मध्य प्रदेश उच्च शिक्षा विभाग के अंतर्गत उमंग हेल्थ एंड वेलनेस कार्यक्रम का आयोजन स्वामी विवेकानंद शासकीय कॉलेज में आयोजित किया गया। स्वास्थ्य शिविर का उद्घाटन महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ.किशोर जॉन द्वारा किया। शिविर में जिला चिकित्सालय के डाक्टरों द्वारा छात्र-छात्राओं और स्टाफ की स्वास्थ्य जांच की। शिविर में लगभग 170 विद्यार्थियों ने बीपी,शुगर,सीबीसी और नेत्र परीक्षण कराया। स्टाफ में कई लोगों का बीपी बढ़ा हुआ पाया गया,जिसके लिए चिकित्सकों ने उचित सलाह दी। शिविर में 32 छात्र-छात्रों के आयुष्मान कार्ड बनाए गए। कार्यक्रम में प्राध्यापक डॉ.दीक्षित,डॉ.युनुस,डॉ.इशरत खान, ,डॉण् पोरसए डॉ.वंदना,डॉ.सचिन सहित समस्त स्टाफ मौजूद रहा।

30 मार्च से शुरू होगा 'जल गंगा संवर्धन अभियान'

जिले में अभियान के सफल क्रियान्वयन हेतु कलेक्टर ने अधिकारियों को दिए दिशा-निर्देश

रायसेन। मप्र में वर्षा जल की बूंद-बूंद बचाने मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में 'जल गंगा संवर्धन' महा अभियान गुड़ी पड़वा के दिन 30 मार्च से शुरू होने जा रहा है। रायसेन जिले में भी जल गंगा संवर्धन अभियान के सफल और प्रभावी क्रियान्वयन हेतु कलेक्टर अरूण कुमार विश्वकर्मा द्वारा अधिकारियों को विस्तृत दिशा-निर्देश दिए गए हैं। यह प्रदेशव्यापी अभियान ग्रीष्म ऋतु में 30 जून तक 90 दिन से अधिक समय तक लगातार चलेगा। जल गंगा संवर्धन अभियान का प्रमुख उद्देश्य जन भागीदारी से जल संरक्षण और संवर्धन सुनिश्चित करना है। इस अभियान के अंतर्गत समाज की भागीदारी और विभिन्न सहभागी विभागों की समेकित पहल से मुख्यत- नवीन जल संग्रहण संरचनाओं के निर्माण, भूजल संवर्धन, पूर्व से मौजूद जल संग्रहण संरचनाओं की साफ-सफाई व जीर्णोद्धार/मरम्मत, जल स्त्रोतों में प्रदूषण के स्तर को कम करने,पौधरोपण हेतु आवश्यक तैयारियों के कार्य प्राथमिकता पर किए जाएंगे।

गरीब, युवा, अन्नदाता, महिलाओं का चहुमुखी विकास : रामपाल सिंह

जिला स्तरीय तीन दिवसीय किसान मेला एवं प्रदर्शनी का समापन

रायसेन (मध्य स्वर्णिम)।

किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग, द्वारा तीन दिवसीय किसान मेला एवं प्रदर्शनी का समापन हुआ। समापन अवसर पर पूर्व मंत्री रामपाल सिंह राजपूत, ,जिपंअध्याक्ष यशवंत मीणा, भाजपा जिलाध्याक्ष राकेश शर्मा,लोकेश मिश्रा एवं जनप्रतिनिधियों की मौजूद रहे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए ठाकुर रामपाल सिंह ने कहा कि केन्द्र व राज्य सरकार की विभिन्न योजनाओं के माध्यम से गरीब, युवा, अन्नदाता, महिलाओं का चहुमुखी विकास किया जा रहा है। कृषि विभाग, उद्यान विभाग, मत्स्य विभाग, पषुपालन विभाग की विभिन्न योजनाओं का लाभ लेकर कृषक खेती को लाभकारी बनायें व रायसेन जिले का प्रदेश व देश के स्तर पर ऊंचा नाम हो सके।

राकेश शर्मा ने कहा कि केन्द्र में नरेन्द्र मोदी एवं राज्य में डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में चलायी जा रही विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से सभी का सर्वांगीण विकास किया जा रहा है। वरिष्ठ वैज्ञानिक व प्रमुख डॉ. स्वप्निल दुबे द्वारा बताया गया कि जिले में बासमती धान लगभग 2,45,000 हैक्टेयर में खेती कर छह लाख मीट्रिक टन धान का उत्पादन किया जा रहा है।

जिले में 31 राइस मिल संचालित की जा रही हैं, जिनमें चावल की ब्रांडिग, श्री भोग, रिवाज एवं रेवा भोग के नाम से देष के विभिन्न क्षेत्रों में भेजी जा रही है। इस अवसर पर कृषि के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले कृषक बसंत कुमार,तुलाराम कुशवाह ,बेनी सिंह ठाकुर,भूरे सिंह, श्रीमती रामकली बाई, भंवर लाल, विष्णु मालवीय आदि को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया।

मध्य स्वर्णिम ब्रीफ

नाराज पत्नी एक साल बाद आई ससुराल, गुस्साए पति ने कुल्हाड़ी से किया हमला

भोपाल। नजीराबाद थाना इलाके में स्थित खेड़ली मजीदगढ में पत्नि के मायके से एक साल बाद वापस लौटने पर गुस्साए पति ने उसके पैर में कुल्हाड़ी मारकर गंभीर रूप से घायल कर दिया। घायल पत्नी का अस्पताल में उपचार जारी है। सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने आरोपी पति के खिलाफ मामला कायम कर लिया है। थाना पुलिस ने बताया कि खेड़ली मजीदगढ़ में रहने वाला जालम सिंह अहिरवार मेहनत-मजदूरी का काम करता है। उसके परिवार में पत्नी रामश्री अहिरवार (35) और तीन बच्चे हैं। जालम सिंह को शराब पीने की लत है। इसी बात को लेकर उसका अपनी पत्नि से आये दिन विवाद होता रहता था। विवाद के चलते पत्नि रामश्री करीब एक साल पहले अपने मायके चली गई थी। एक साल बाद बीती सुबह रामश्री वापस पति के घर लौटी। पत्नी के लौटते ही जालम सिंह उससे झगड़ा करते हुए कहने लगा की 1 साल बाद यहां क्यों और क्या लेने आई है। विवाद बढ़ने पर गुस्साये पति 11.30 बजे ने घर में रखी कुल्हाड़ी उठाकर पत्नि रामश्री पर वार कर दिया। कुल्हाड़ी के वार से रामश्री के पैर में गंभीर चोट आई है।

आर्थिक हालत खराब होने से परेशान युवक ने जहर खाय, इलाज के दौरान हुई मौत

भोपाल। निशातपुरा इलाके में रहने वाले एक युवक ने आर्थिक हालत खराब होने पर जहर खाकर खुदकुशी कर ली। बताया गया है कि इसी बात को लेकर आए दिन युवक का पत्नी से विवाद होता रहता था। घटना 5 मार्च की है, हमीदिया अस्पताल में इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, अरमान पिता आकिब (32), मूलरूप से ग्राम पडरिया जागीर थाना नटेरन जिला विदिशा का रहने वाला था। वह सेंटिंग लगाने का काम करता था। और यहां नवाब कॉलोनी में अपनी पत्नी और दो बच्चों के साथ रहता था। उसके घर की आर्थिक स्थिति ठीक नहीं होने के कारण अक्सर पति-पत्नी के बीच विवाद होता रहता था। बीती 5 मार्च को भी इसी बात को लेकर उनके बीच एक बार फिर विवाद हो गया था। पत्नी का कहना था, कि घर खर्च के लिए पैसे कम पड़ते हैं, वह अपनी कमाई बढ़ाए जिससे घर खर्च अच्छी तरह चल सके। इसी बात को लेकर उनके बीच विवाद बढ़ गया और कुछ देर बाद गुस्साये अरमान ने कोई जहरीला पदार्थ खा लिया। हालत बिगड़ने पर पत्नी ने पड़ोसियों की मदद से उसे इलाज के लिये हमीदिया अस्पताल में भर्ती कराया था। करीब 20 दिन चले इलाज के बाद मंगलवार को उसने दम तोड़ दिया। मर्ग कायम कर शव को पीएम के बाद परिजनो को सौंपते हुए पुलिस आगे की जांच कर रही है।

मायके गई पत्नी के ससुराल नही लौटने से पति ने खाया जहर, मौत

भोपाल। राजधानी के छोला मंदिर थाना इलाके में रहने वाले एक युवक ने जहरीला पर्दाथ खाकर खुदकुशी कर ली। परिवार वालो का कहना है कि मकर संक्रांति पर उसकी पत्नि मायके गई थी, लेकिन बाद में उसने पति के साथ ससुराल लौटने से मना कर दिया। करीब ढाई महीने तक पति और ससुराल वाले उसे को घर वापस लाने के प्रयास करते रहे। लेकिन वह लौटने को तैयार नहीं हुई। बुधवार को पति एक बाद फिर पत्नी को वापस लाने के लिये उसके मायके गया। लेकिन इस बार भी पत्नी ने वापस आने से मना कर दिया। इससे दुखी होकर पति ने बुधवार रात जहरीला पदार्थ खा लिया। उसे इलाज के लिये अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहॉ गुरुवार सुबह इलाज के दौरान उसने दम तोड़ दिया। हॉस्पिटल से मिली सूचना पर पहुंची पुलिस ने मर्ग कायम कर आगे की जांच शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार शिव नगर फेस-3 छोला में रहने वाला प्रेम साहू (30) पुत्र गुलाब साहू लोडिंग ऑटो चलाता था। करीब 6 साल पहले प्रेम की शादी रंजना से हुई थी। दोनों की कोई संतान नहीं थी। परिवार वालो का कहना है की 14 जनवरी को मकर संक्रांति पर उसकी पत्नि रंजना मायके गई थीं। इसके बाद वह वापस नहीं लौटी। प्रेम की मॉ और भाई कई बार उसे मनाकर वापस लाने के लिये उसके घर गए।

लेकिन वह आने को तैयार नहीं हुई। बुधवार को प्रेम अपने परिवार वालो से पत्नि को लाने का कहकर घर से गया था। लेकिन रात को अकेले ही लोडिंग ऑटो लेकर वापास घर आ गया। थोड़ी देर बाद ही उसे उल्टियां होने लगी। परिवार वालो के पूछने पर उसने बताया की पत्नि रंजना लौटने को तैयार नहीं है, और उसने जहरीला पदार्थ खा लिया है। इसके बाद परिवार वाले फौरन ही उसे इलाज के लिये डीआईजी हॉस्पिटल लेकर पहुंचे, वहां उसकी हालत देखकर उसे हमीदिया रेफर कर दिया गया।

भोपाल और इंदौर के मास्टर प्लान की ड्रॉफ्ट रिपोर्ट तैयार

जनता से दावे-आपत्ति मांगने जल्द करेंगे प्रकाशित

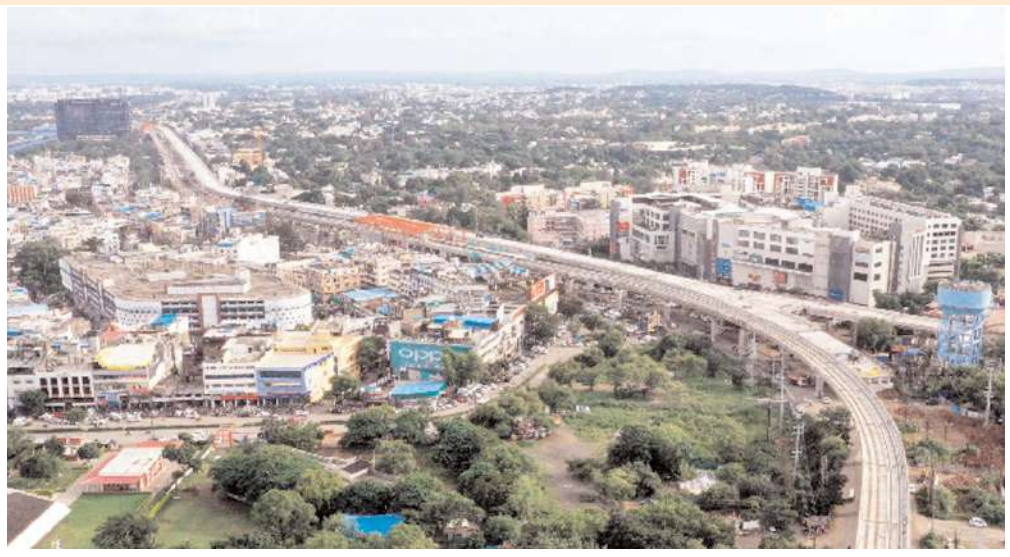

भोपाल। मध्य प्रदेश के भोपाल और इंदौर के मास्टर प्लान की ड्रॉफ्ट रिपोर्ट तैयार कर ली गई है। यह रिपोर्ट मार्च महीने के अंत तक जारी करने का एलान नगरीय विकास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय द्वारा किया गया था। अब विभाग के अधिकारी जनता के दावे-आपत्ति मंगाने के लिए इसे जल्द ही प्रकाशित करेंगे। इंदौर का मास्टर प्लान ड्रॉफ्ट पहले जारी किया जाएगा, उसके बाद भोपाल का ड्रॉफ्ट प्रकाशित किया जाएगा।

इस नए मास्टर प्लान में शहरों के विकास के लिए कई महत्वपूर्ण बदलाव प्रस्तावित किए गए हैं, जिनमें सड़क निर्माण और हरियाली के अलावा अब विभिन्न वाणिज्यिक और सार्वजनिक सुविधाओं के लिए जोनिंग का भी प्रावधान किया गया है। मास्टर प्लान के तहत कॉलोनियों में चौड़ी सड़कों के साथ हाइराइज बिल्डिंग्स, मॉल, शॉपिंग कॉम्प्लेक्स और आईटी हब जैसी सुविधाएं भी होंगी। इन बदलावों से शहरवासियों को बेहतर आवागमन और रोजगार की सुविधाएं मिल सकेंगी।

मास्टर प्लान का मुख्य उद्देश्य रोजगार आधारित विकास करना है, जिसमें नॉन-पॉल्यूटेड इंडस्ट्री और मल्टी-स्टोरी इंडस्ट्री के लिए जगह मिलेगी। कॉलोनियों में हरियाली को बढ़ावा देने के लिए पौधरोपण और ओपन स्पेस को महत्व दिया जाएगा। इसके साथ ही, जोन आधारित विकास के तहत नॉलेज जोन, आईटी जोन और मैकेनिकल मार्केट जैसे क्षेत्रों की पहचान की गई है। जल्द ही यह ड्रॉफ्ट रिपोर्ट दावे-आपत्ति के लिए प्रकाशित की जाएगी और लोगों से सुझाव लिए जाएंगे, ताकि मास्टर प्लान को और अधिक प्रभावी और लाभकारी बनाया जा सके।

19 साल से अटका है मास्टर प्लान

भोपाल का मास्टर प्लान 19 साल से अटका हुआ है। इस बीच चार बार भोपाल के मास्टर प्लान का प्रारूप जारी हो चुका है, लेकिन लागू होने के पहले ही कई बाधाएं सामने आ जाती हैं। ऐसे में बिना मास्टर प्लान के शहर का विकास हो रहा है। इससे आने वाले समय में जनता को परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। दरअसल, भोपाल का मास्टर प्लान 1995 में लागू हुआ था, जिसकी समय अवधि दिसंबर 2005 में समाप्त हो गई है। प्लान के लागू होने के समय शहर की आबादी 15 लाख के आसपास थी। ऐसे में उस समय के प्लान के अनुसार ही शहर में विकास हो रहा है।

भोपाल जिला पंचायत की चार महीने बाद हुई बैठक में जमकर हंगामा

पानी, सड़क, बिजली के मुद्दे पर दिखी नाराजगी

भोपाल। भोपाल जिला पंचायत की बैठक चार महीना बाद गुरुवार को आयोजित की गई। इस बैठक सदस्यों ने जमकर हंगामा किया। सभी सदस्यों ने अपने-अपने क्षेत्र की परेशानी को लेकर अधिकारियों को निशाने पर लिया। बैठक में स्वास्थ्य, शिक्षा, पीएचई, कृषि, पीडब्ल्यूडी, आदिम जाति, वन, महिला और बाल विकास समेत 15 विभाग के कामों की समीक्षा की गई। सदस्यों ने सबसे ज्यादा पीएचसी विभाग और जल निगम के अधिकारियों पर नाराजगी जताई।

जल जीवन मिशन के कार्य में हो रही देरी को लेकर अधिकारियों और सदस्यों के बीच तीखी बहस देखने को मिली। इससे पहले सामान्य प्रशासन समिति की मीटिंग भी हुई, जिसमें प्रतिनिधियों को एंट्री नहीं दी गई।जिला पंचायत की बैठक में अध्यक्ष रामकुंवर गुर्जर, उपाध्यक्ष जाट, सदस्य मेहर, विक्रम भालेराव, रश्मि भार्गव, बिजिया राजोरिया, चंद्रेश राजपूत, गंगाबाई मालवीय, रामकुंवर हाड़ा, जनपद अध्यक्ष प्रमोद सिंह राजपूत, विधायक प्रतिनिधि दीपक गुर्जर, सीईओ तिवारी समेत अन्य अधिकारी मौजूद रहे। इस बैठक में सबसे ज्यादा नाराजगी जल जीवन मिशन में हो रही देरी को लेकर सदस्यों ने जताई है।

पूरे गांव की काट रहे बिजली

बैठक में बिजली कंपनी के ईई पंकज यादव पर फंदा जनपद अध्यक्ष प्रमोद सिंह राजपूत मैं जिम का नाराजगी जताई। गांवों में बकाया राशि का हवाला देकर पूरे गांव की बिजली काटने पर नाराजगी जताते हुए राजपूत ने कहा कि आप यादव होने का फायदा उठा रहे हैं। आप पंकज बाद में और यादव पहले कहते हैं। आरोपों पर कार्यपालन यंत्री पंकज यादव ने कहा कि नियमानुसार ही कनेक्शन काटने का काम होता है। सदस्य विक्रम भालेराव के काम नहीं होने पर आपत्ति जताई और संबंधित अधिकारी पर नाराजगी जाहिर की। उन्होंने कहा कि गांवों में हैंडपंप बंद हो रहे हैं और अधिकारी काम नहीं कर रहे हैं। फिर कहते हैं कि हम विरोध कर रहे हैं। काम नहीं होने से हमारा गांवों में जाना मुश्किल हो गया है। लोग हमारा विरोध कर रहे हैं।

बैरसिया में नहीं है एक भी मेल डॉक्टर

भोपाल सीएमएचओ डॉ. प्रभाकर तिवारी ने स्वास्थ्य विभाग के बारे में जानकारी देना शुरू की तो सदस्य मेहर ने बैरसिया सिविल हॉस्पिटल में डॉक्टर की कमी होने की बात कही। सीएमएचओ ने भी डॉक्टर की कमी पर सहमति जताते हुए कहा कि सभी अस्पतालों में डॉक्टरों की कमी है। जिला अस्पताल में एक भी रेडियोलॉजिस्ट नहीं है।सदस्य मेहर ने यहां पर एक महिला और एक पुरुष डॉक्टर की नियुक्ति नियमित रूप से करने को कहा। सीएमएचओ ने स्वास्थ्य केंद्रों पर सभी व्यवस्था दुरुस्त होने की बात कही तो सदस्य चंद्रेश राजपूत ने कहा कि अब हम आपके लिए निगरानी का काम भी करें? ये तो आपको ही करना है। सदस्य भालेराव ने आयुष्मान के इलाज के दौरान अस्पतालों में मरीज को होने वाली परेशानी के बारे में बताया। बैठक में सरकारी स्कूलों की जर्जर बिल्डिंग का मुद्दा उठाया। वहीं, उपाध्यक्ष जाट ने शिक्षकों की प्रतिनियुक्ति पर कोई कार्यवाही नहीं होने पर नाराजगी जताई। सदस्य भार्गव, भालेराव ने भी शिक्षा, स्वास्थ्य, पानी को लेकर समस्या बताई। उपाध्यक्ष जाट ने कहा कि अधिकारी ठेकेदारों के साथ मिलकर काम कर रहे हैं। जनप्रतिनिधियों की कुछ भी सुन रहे हैं।

भाजपा विधायक ने नवरात्रि में मांस दुकानों को बंद रखने की मांग

कांग्रेस नेता का भाजपा पर पलटवार

भोपाल। मध्य प्रदेश में नवरात्रि के दौरान नौ दिनों तक मांस, मछली और चिकन की दुकानों को बंद करने की मांग जोर पकड़ रही है। भाजपा विधायक रामेश्वर शर्मा ने नवरात्रि के दौरान मांस दुकानों को बंद करने की मांग की है। उन्होंने कहा कि हिंदू-मुस्लिम एकता के लिए नवरात्रि के दौरान मांस दुकानों को बंद करना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि गंगा-जमुनी तहजीब की बात करने वाले दलों को हिंदू त्योहारों के महत्व को भी समझना चाहिए। शर्मा ने सवाल उठाया कि 'गंगा-जमुनी तहजीब केवल हिंदुओं पर ही क्यों लागू होती है? अगर मुस्लिम समुदाय हिंदू त्योहारों का सम्मान करेगा, तो हिंदू भी उनके पर्वों का सम्मान करेंगे।

कलेक्टर को भारत रक्षा मंच ने लिखा पत्र

इस मुद्दे को लेकर भारत रक्षा मंच ने कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह को पत्र भेजा है, जिसमें नवरात्रि के नौ दिनों तक मांस दुकानों को बंद करने की अपील की गई है। मंच का कहना है कि खुले में लटके मांस से नवरात्रि के दौरान हिंदू श्रद्धालुओं और उपवास करने वालों की भावनाएं आहत होती हैं। इसी मांग का समर्थन संस्कृति बचाओ मंच के संयोजक चंद्रशेखर तिवारी ने भी किया है, जिन्होंने कहा कि नवरात्रि के पूरे नौ दिनों तक मांस और मटन की दुकानों को बंद किया जाना चाहिए, क्योंकि यह समय माता की पूजा और उपासना का होता है।

बदमाशो को घर के सामने शराब पीने से मना करना भाजपा नेता को पड़ा भारी

कार पर डंडे बरसाये पत्थर से खिड़कियो के कांच फोड़े, सीसीटीवी कैद हुई वारदात

भोपाल। भोपाल के बागसेवनिया में बदमाशो को अपने घर के सामने शराब पीने से मना करना बीजेपी नेता को भारी पड़ गया। गुस्साये बदमाशो ने रात के समय उसके घर जाकर जमकर हंगामा कर दिया। आरोपियों ने घर में घुसकर तोड़फोड़ की और पत्थर मारकर घर के कांच फोड़ दिए। वहीं उसकी कार में भी तोड़फोड़ कर क्षतिग्रस्त कर दी। पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर सीसीटीवी के आधार पर आगे की कार्यवाही शुरु कर दी है। थाना पुलिस के अनुसार बागसेवनिया के अमराई में रहने वाले दीपक नायर (31) ने बताया वह भाजपा खेल प्रकोष्ठ के जिला सह संयोजक हैं। और टेंट हाउस संचालन के साथ ही केटरिंग का काम भी करते हैं। 24 और 25 मार्च की रात करीब साढ़े 12 बजे इलाके के 6 बदमाश डंडों से लैस होकर उनके घर के बाहर आए। पहले उन्होंने घर के बाहर खड़ी उनकी कार पर डंडे और पत्थर बरसाते हुए उसे बुरी तरह से तोड़फोड़ दिया। इसके बाद आरोपी उनके घर का चैनल गेट तोड़ कर भीतर घुस आए।

रनिंग ट्रैन से मुसाफिर का मोबाइल डंडा मारकर गिराया, यात्री ने ट्रैन से कूदकर किया पीछा

ट्रैक पर गिरने से फरियादी हुआ घायल, लेकिन पीछा कर एक बदमाश को दबोच लिया

भोपाल। राजधानी से गुजरने वाली ट्रेनों में मोबाइल झपटने की घटनाएं लगातार बढ़ती जा रही है। पातालकोट एक्सप्रेस में गेट पर खड़े एक यात्री का बदमाश ने मोबाइल झपट लिया। लेकिन यात्री भी चलती ट्रेन से ट्रैक पर कूद गया हालांकि इस चक्कर में वह घायल हो गया। लेकिन घायल होने के बाद भी उसने पीछा कर एक बदमाश को पकड़कर हबीबगंज पुलिस के हवाले कर दिया। पुलिस ने आरोपी को रानी कमलापति जीआरपी को सौंप दिया है। मिली जानकारी के अनुसार भोपाल निवासी दिव्य कौशल झा ने बताया की बीती 25 मार्च को वह पातालकोट एक्सप्रेस ट्रैन के के पीछे जनरल कोच में रेलवे स्टेशन इटारसी से रानी कमलापति स्टेशन का सफर कर रहे थे। ट्रेन के रानी कमलापति स्टेशन आने से पहले वह कोच के गेट पर आकर खड़े हो गए। इस दौरान उनका मोबाइल उनके हाथ में था। रानी कमलापति रेलवे स्टेशन आने से पहले गणेश मंदिर के सामने ट्रैन की स्पीड कम हुई इसी दौरान पटरी के पास दो लडको में से एक लडके ने दिव्य कौशल के हाथ पर झपट्टा मारकर मोबाइल नीचे गिरा लिया। मोबाइल गिरते ही दूसरे लडके ने उसे उठाया और दोनो वहां से भागने लगे। यह देख दिव्य कौशल भी चलती ट्रेन से नीचे कूद गए। जिससे उनकी नाक, दाहिने कंधे व दोनों पैरों के घुटनों में चोट आई हैं। लेकिन घायल हालत में भी उन्होनें लड़को का पीछा कर गणेश मंदिर के पीछे राहगीरों की मदद से एक लडके को दबोच लिया। जबकि उसका साथी चकमा देकर भाग गया। दिव्य उसे लेकर हबीबगंज थाने पहुंचे वहां से हबीबगंज पुलिस ने उसे थाना जीआरपी रानी कमलापति को सौंप दिया। फिलहाल आरोपी की पहचान सामने नहीं आई है।

शूटिंग के लिए मुंबई से आए मेकअप आर्टिस्ट की सीने में दर्द उठने के बाद मौत

भोपाल। फिल्म की शूटिंग के लिए मुंबई से भोपाल आए मेकअप आर्टिस्ट की सीने में दर्द होने के बाद अचानक ही मौत हो गई। उनके साथ आई टीम एमपी नगर इलाके के एक होटल में ठहरी हुई है। सूचना मिलने पर पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार मुंबई के रहने वाले सलीम शेख (55) मेकअप आर्टिस्ट थे। इन दिनो राजधानी में चल रही फिल्म 64 फिल्म की शूटिंग के लिए वह मुंबई से आई कलाकारों की टीम के साथ भोपाल आये हुए थ। टीम के 20 लोग एमपी नगर जोन वन रॉयल स्टॉर होटल में ठहरे थे। बताया गया है कि शूटिंग पर जाने के लिए टीम के सभी लोगो के साथ ही सलीम भी अलसुबह करीब 5 बजे उठ गये थे। बिस्तर छोड़ने के बाद वे बाथरुम की ओर जा रहे थे, अचानक ही वह बेसुध होकर फर्श पर गिर गए। उनके शरीर में कोई भी हलचल नहीं हो रही थी। उनके साथी फौरन ही उन्हें इलाज के लिये जेपी अस्पताल लेकर पहुंचे जहॉ डॉक्टर ने शुरुआती चेकअप के बाद ही उन्हें मृत घोषित कर दिया। डॉक्टरो का अनुमान है की उनकी मौत साइलेंट अटैक आने के कारण हुई है। अस्पताल से सूचना मिलते ही पहुंची पुलिस ने मामला दर्ज कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने बताया की मृतक सलीम शेख के परिवार वाले हादसे की सूचना मिलने पर भोपाल के लिये रवाना हो गए है। परिवार वालो के आने के बाद ही शव का पोस्टमार्टम कराया जाएगा। पुलिस का कहना है कि पीएम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत का सही कारण साफ हो सकेगा जिसके आधार पर आगे की जॉच की जायेगी।

रीवा से मुंबई जाने वाले यात्रियों के लिए चलेगी साप्ताहिक ट्रेन, नवरात्र में मैहर में रुकेंगी ट्रेनें

भोपाल। मध्य प्रदेश के रीवा शहर से मुंबई जाने-आने वाले यात्रियों के लिए राहत भरी खबर है। 10 अप्रैल से छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस-रीवा के बीच साप्ताहिक सुपरफास्ट स्पेशल ट्रेन 12-12 फेरे चलाने का निर्णय लिया गया है। यह स्पेशल ट्रेन पश्चिम मध्य रेल के रीवा स्टेशन से सतना, मैहर, कटनी, जबलपुर, नरसिंहपुर, गाडरवारा, पिपरिया, इटारसी एवं हरदा स्टेशनों से होकर गंतव्य को जाएगी।

स्पेशल ट्रेन में वातानुकूलित श्रेणी, शयनयान श्रेणी एवं सामान्य श्रेणी के कोच उपलब्ध रहेंगे। इसी के साथ चैत्र नवरात्र के दौरान यात्रियों की सुविधा के लिए प्रमुख देवी मंदिरों से गुजरने वाली ट्रेनों को ठहराव दिया गया है। इसमें पश्चिम मध्य रेलसे गुजरने वाली 15 जोड़ी ट्रेनों का मैहर स्टेशन पर 30 मार्च से 12 अप्रैल तक 5 मिनट का अस्थाई हॉल्ट प्रदान किया गया है।

प्रत्येक गुरुवार चलेगी यह गाड़ी

गाड़ी संख्या 02187 रीवा से छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस साप्ताहिक सुपरफास्ट स्पेशल ट्रेन प्रत्येक गुरुवार 10 अप्रैल और 26 जून 2025 तक रीवा स्टेशन से दोपहर 15:50 बजे प्रारम्भ होकर सतना 16:55 बजे, मैहर 17:25 बजे, कटनी 18:05 बजे, जबलपुर 19:40 बजे, नरसिंहपुर 20:48 बजे, गाडरवारा 21:18 बजे, पिपरिया 21:53 बजे, इटारसी 23:20 बजे और अगले दिन हरदा मध्य रात्रि 00:22 बजे पहुँचकर, भुसावल भोर 04:00 बजे होते हुए और शुक्रवार दोपहर 12:20 बजे छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस पहुंचेगी।

11 अप्रैल से चलेगी यह ट्रेन

गाड़ी संख्या 02188 छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस से रीवा स्पेशल ट्रेन प्रत्येक शुक्रवार 11 अप्रैल एवं 27 जून 2025 तक छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस स्टेशन से दोपहर 13:30 बजे प्रारम्भ होकर भुसावल रात 20:20 बजे पहुंचकर अगले दिन हरदा मध्य रात्रि 00:03 बजे, इटारसी 01:15 बजे, पिपरिया 02:13 बजे, गाडरवारा 02:48 बजे, नरसिंहपुर 03:23 बजे, जबलपुर भोर प्रात: 04:55 बजे, कटनी 06:10 बजे, मैहर 07:03 बजे, सतना 07:40 बजे और शनिवार को सुबह 09:45 बजे रीवा स्टेशन पहुंचेगी।

शमशान घाट में शव की परिक्रमा करते समय बदमाश ने चुराया पर्स

भोपाल। शहर के गौतम नगर थाना क्षेत्र में स्थित शमशान घाट में अंतिम संस्कार के दौरान एक शातिर चोर ने एक व्यक्ति का पर्स चोरी कर लिया। चालाक चोर ने वारदात को उस समय अंजाम दिया जब अंत्येष्टि के दौरान फरियादी लकड़ी देने के लिये शव की परिक्रमा कर रहा था। लोगो की नजर पड़ते ही उन्होनें बदमाश को धर दबोचा। लेकिन इस बीच आरोपी ने चोरी किया पर्स अपने साथियो को दे दिया जो उसे फरार हो गए। हालांकि भागते समय दोनो बदमाश वह वाहन नहीं ले जा सके जिससे वह यहॉ आये थे। लोगो ने तीसरे आरोपी को दबोचकर पुलिस के हवाले कर दिया। पुलिस ने इस आरोपी के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर उसे गिरफ्तार करते हुए वाहन को जप्त कर लिया है। पुलिस आरोपी के फरार साथियो की की तलाश कर रही है।

थाना पुलिस के अनुसार रातीबड़ थाना क्षेत्र के नीलबड़ में रहने वाले मोहन सिंह ठाकुर पिता शालिकराम ठाकुर (55) सब्जी का ठेला लगाते है। मोहन सिंह ठाकुर 26 मार्च की सुबह ग्यारह बजे गौतम नगर स्थित छोला विश्राम घाट में अपनी बड़ी सास भागवती बाई की गमी में आए हुए थे।यहां अंत्येष्टि के बाद सभी लोगो के साथ वह लाइन में लगकर लकड़ी दे रहे थे। इस दौरान शव की परिक्रमा करते समय एक व्यक्ति ने उनकी जेब में रखा पर्स चोरी कर लिया।

खाकी पर अपराधियों का रौब जगह-जगह पिट रही है पुलिस

सरकार को सोचना होगा, पुलिस बल का प्रभाव आम जनता के बीच में कम क्यों होता जा रहा है। आम जनता पुलिस के ऊपर हमले क्यों कर रही है। जिस पुलिस के डर और भय से लोग स्वयं नियंत्रित हो जाते थे, अब वही लोग पुलिस के ऊपर हमला करने से भी नहीं डरते हैं। हाल ही में दर्जनों स्थानों पर पुलिस के ऊपर हमले हुए हैं। वर्दी के पीछे पुलिस कर्मियों की वेदना उनके लिए असहनीय होती जा रही है। वह अपनी वेदना शारीरिक रूप से व्यक्ति भी नहीं कर सकते हैं। पुलिस के ऊपर जिस तरह से राजनीतिक दबाव बढ़ता जा रहा है। राजनीतिक दलों एवं धार्मिक संगठनों के नेता एवं भीड़ जरा-जरा सी बात पर हिंसक आंदोलन खड़े कर देते हैं। आक्रामक तरीके से सड़क एवं धार्मिक स्थलों पर प्रदर्शन करते हैं। विशेष रूप से दो समुदायों के बीच जिस तरह से आरोप प्रत्यारोप का दौर चल पड़ा है। उसके कारण सारे देश में कानून व्यवस्था की स्थिति लगातार खराब होती चली जा रही है। पुलिस बल का रौब भी खत्म होता चला जा रहा है। रमजान का महीना चल रहा है। मुस्लिम समुदाय के रोजा और नमाज को लेकर एक विशेष वर्ग द्वारा लगातार एक धार्मिक समुदाय पर दबाव बनाया जा रहा है। समुदाय विशेष के धार्मिक क्रियाकलापों के संदर्भ में जिस तरह की बातें हो रही हैं। वह कानून व्यवस्था बनाए रखने में पुलिस के लिए बड़ी चुनौती बन रही है। रमजान ओर रामनवमी पर्व एक साथ होने के कारण कुछ संगठनों का उग्र रवैया आग में घी डालने का काम कर रहा है। जिसके कारण कई राज्यों की कानून व्यवस्था की स्थिति दिनों-दिन बिगड़ती चली जा रही है। 300 साल के इतिहास में नागपुर में पहली बार दंगा हुआ। इसका कारण भी पूर्णतः एक वर्ग विशेष के खिलाफ आंदोलन और प्रदर्शन के बाद जिस तरह की स्थिति निर्मित हुई, उसके कारण दंगा हो गया। कर्फ्यू लगाना पड़ा। पुलिस को कानून व्यवस्था नियंत्रित करने के लिए स्वतंत्र रूप से काम करने का मौका नहीं मिलता है। सरकार के दबाव मे काम करना पड़ता है। दो वर्गों के बीच के विवाद में एक वर्ग के खिलाफ मुकदमे दर्ज कर कार्रवाई करनी पड़ती है। एक वर्ग विशेष के मकानों को बुलडोजर से पुलिस की उपस्थिति में तोड़ दिया जाता है। राजनीतिक हस्तक्षेप के कारण दूसरे पक्ष पर कोई कार्यवाही नहीं होती है। जिसके कारण पुलिस के खिलाफ एक गुस्सा पनपता है।

मुंबई में एक कॉमेडियन द्वारा एक कार्यक्रम में एक राजनेता के ऊपर व्यंग्य किया गया। उसके बाद एक वर्ग विशेष के लोगों ने कार्यक्रम स्थल पर तोड़फोड़ कर दी। राज्य सरकार और जिला प्रशासन कॉमेडियन के खिलाफ खड़ी हो गई। जिसके कारण मुंबई जैसे स्थान में देखते ही देखते कानून व्यवस्था की स्थिति खराब हो गई। कानून व्यवस्था को लेकर पुलिस के ऊपर कब कहां से मुसीबत आ जाएगी। पुलिस को इसका अंदाजा भी नहीं होता है। पुलिस का खौफ और रोब खत्म होता जा रहा है। पुलिस निष्पक्ष तरीके से कार्यवाही नहीं कर पाती है। एक पक्ष प्रताड़ित होता है, दूसरा पक्ष खुलेआम आक्रामक होकर घूमता रहता है। जिसके कारण पुलिस की स्थिति आम जनता के बीच वह नहीं रही, जो कुछ वर्षों पहले तक देखने को मिलती थी। राजनीति में जिस तरह से अपराधियों को संरक्षण मिल रहा है। राजनीति में अपराधियों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है। धार्मिक उन्माद भी अपराधों को बढ़ा रहा है। पुलिस चाहकर भी धार्मिक उन्मादियों पर कार्रवाई नहीं कर पाती है। जिसके कारण आम जनता के बीच में पुलिस के खिलाफ विद्रोह पनपने लगा है, जिसका खामियाजा पुलिस कर्मियों को भुगतना पड़ रहा है। अपराधियों को राजनीतिक एवं धार्मिक संरक्षण मिलने के कारण पुलिस की स्थिति दयनीय होती चली जा रही है। पुलिसकर्मियों के ऊपर लगातार हमले बढ़ रहे हैं। जगह-जगह पर सामुदायिक भीड़ तंत्र कानून व्यवस्था के लिए चुनौती बन रहा है। पुलिस स्वयं अपने कामकाज की जिम्मेदारी पूर्ण नहीं कर पा रही है। पुलिस बल अधिकांश मामले में भीड़ को नियंत्रित करने और नेताओं की सुरक्षा में लगा रहता है। जिसके कारण अपराधों की जांच और अपराधियों को पकड़ पाना पुलिस के लिए मुश्किल होता चला जा रहा है। पुलिस एक जांच एजेंसी है। पुलिस की उपस्थिति में लोगों के मन मे सुरक्षा का भाव होता है। लेकिन यह भाव अब धीरे-धीरे खत्म होता चला जा रहा है। पुलिस की मौजूदगी भी लोगों को सुरक्षित महसूस नहीं करा पा रही है। भीड़ के बीच में जब पुलिस ही सुरक्षित नहीं है। ऐसी स्थिति मे लोग पुलिस के ऊपर कैसे भरोसा कर पाएंगे। इसे आसानी से समझा जा सकता है।

रील्स और साहित्य

इन दिनों रील्स और उसके कंटेंट की अच्छे और बुरे कारणों से खूब चर्चा होती रहती है। आजकल रील्स देखना बहुत ही लोकप्रिय होता जा रहा है। चकित करने वाली बात यह है कि रील्स के विषयों का फलक इतना व्यापक है कि वो किसी को भी घंटों तक रोके रख सकता है। अब तो स्थिति यह हो गई है कि रील्स में दिखाई गई बातों को सत्य माना जाने लगा है। रील्स की दुनिया में भविष्यवक्ताओं की बाढ़ आई हुई है। कोई आपके नाम के आधार पर तो कोई आपके नाम में प्रयुक्त अक्षरों की संख्या को जोड़कर आपका भविष्य बता रहा है। कई महिलाएं भी भविष्य के बारे में बात करती नजर आएंगी। वो भी बता रही हैं। कि शुक्रवार को पति के साथ किस प्रकार का व्यवहार करने से लक्ष्मी प्रसन्न होती हैं। कोई महिला यह बताती है कि पत्नी को हर दिन पति के पाँव दबाने चाहिए, क्योंकि लक्ष्मी जी भी विष्णु जी के पांव दबाती हैं। कोई महिला यह बताती है। कि अमुक अंक लिखकर अपने घर की तिजोरी में रख दो या अमुक नंबर के नोट अगर आपने अपने घर में पैसे रखने के स्थान पर रख दिया तो आपके पास धन की कोई कमी नहीं होगी। इसके अलावा, स्वास्थ्य विषय पर भी इनके बहुत सारे रील्स हैं कि यह खाना चाहिए या फिर यह नहीं खाना चाहिए। इतना ही नहीं, रील्स की दुनिया में बिजनेस करने के तौर तरीकों और और जमाधन को दोगुना और तिगुना तक करने के नुस्खे भी बताए जाने लगे हैं। ये सब इतने रोचक अंदाज में बताया जाता है कि देखनेवाला मोबाइल से चिपका रहता है। आमतौर पर यह देखा जाता है कि अगर रील्स देखना आरंभ कर दें तो घंटे दो घंटे तो ऐसे ही निकल जाते हैं। कहना न होगा कि रील्स की दुनिया एक ऐसी मनोरंजक दुनिया है जो लोगों को बेहतर भविष्य का सपना भी दिखाती है। लोगों को पैसे कमाने से लेकर घर परिवार की सुख समृद्धि के नुस्खे बताती है। ये नुस्खे कितने सफल होते हैं यह पता नहीं, क्योंकि इस तरह का कोई रील देखने में नहीं आता है कि फलां नुरखे से उनका लाभ हुआ या इस तरह की कोई केस स्टडी भी अभी तक समने नहीं आई हैं कि फलां नंबर के नोट तिजोरी में रखने से उसकी आमदनी निरंतर बढ़ती चली गई। परंतु हां, इतना अवश्य है कि रील्स एक ऐसी काल्पनिक दुनिया में ले जाता है, जहां सबकुछ मोहक और मायावी लगता है। रील्स की दुनिया को हल्के-फुल्के मनोरंजन के तौर पर लिया जाना चाहिए। लिया जा भी रहा है। लेकिन इन दिनों साहित्य, कला और कविता से जुड़े कुछ ऐसे रोल्स देखने को मिले जो चिंतित करते हैं। हाल के दिनों में कई ऐसे रील्स देखने को मिले जिनमें सेलिब्रिटी कविता पढ़ते नजर आ रहे हैं। वो कविता किसी और की पढ़ते हैं और रील्स के डिस्क्रिप्शन में कवि का नाम लिख देते हैं। रोल में कहीं कवि का नाम नहीं होता है। सेलिब्रिटी की टीम उसको इंटरनेट मीडिया के विभिन्न प्लेटफार्म पर पोस्ट कर देती है और अश्वत्थामा हतौ नरौ.... वाली ईमानदारी के साथ वीडियो के डिस्क्रिप्शन में कवि का नाम लिख देती है। होता यह है कि सेलिब्रिटी की पढ़ी गई कविताओं का वीडियो इन प्लेटफार्म्स से डाउनलोड करके उनके प्रशंसक उसको फिर से उन्हीं प्लेटफार्म्स पर साझा करना आरंभ कर देते हैं। प्रशंसक अश्वत्थामा वाली ईमानदारी को समझ नहीं पाते और वो सेलिब्रिटी की कविता के नाम से ही उसे साझा करना आरंभ कर देते हैं। दिनकर जी जैसे श्रेष्ठ कवियों की कविताएं तो लोगों को पता है तो उसमें यह खेल नहीं हो पाता है, लेकिन कई नवोदित कवि की कविताएं सेलिब्रिटी के नाम से चलने लगती हैं। कवि को पता भी नहीं चलता और वह कविता सेलिब्रिटी के नाम हो जाती है। रील्स की दुनिया में इस बेईमानी से कई साहित्यिक प्रतिभा कुंद हो जा रही हैं। इसका निदान कहीं न कहीं बौद्धिक जगत को ढूंढना ही चाहिए। इंटरनेट मीडिया पर बाढ़ की तरह संचालित इन रील्स का एक और नुकसान जो साहित्य का हो रहा है, वह यह कि पौराणिक ग्रंथों से बगैर संदर्भ के किस्सों को उठाकर प्रामाणिक तरीके से पेश कर दिया जा रहा है। पिछले दिनों जब इलाहाबादिया का मामला सामने आया था तो उसके कुछ दिनों बाद एक रील मेरी नजर से गुजरा। एक बेहद लोकप्रिय व्यक्ति उसमें एक किस्सा सुना रहे थे। किस्से में वह बता रहे थे कि कालिदास अपना ग्रंथ कुमारसंभव पूरा क्यों नहीं कर पाए? उनके हिसाब से कालिदास जब कुमारसंभव में पार्वती और शंकर जी की रतिक्रिया के बारे में लिखने जा रहे थे, तब पार्वती जी को पता चल गया। उन्होंने सरस्वती जी को बुलाया और कहा कि यह कौन सा कवि है और क्या लिखने जा रहा है। इसे रोकना होगा। फिर किस्सागोई के अंदाज में यह प्रसंग आगे बढ़ता है।

शवाब पर है देश में वीआईपी संस्कृति

चैतन्य भट्ट

यह अनुभव सब की जिंदगी में आया होगा। जल्द कहीं पहुंचना है मगर ट्रैफिक वीआईपी के लिए रुका है। स्कूल बसें और यहां तक कि गंभीर मरीजों को लिए एंबुलेंसे तक इंतजार कर रही हैं। मंदिर में दर्शन के लिए कतार में हैं,और नेता बेधड़क आगे बढ़ता चला जा रहा है। यह वीआईपी संस्कृति की दुखदाई छवियां हैं। नेता,नौकरशाह और कितनी ही अन्य श्रेणियों के लोग विशेष व्यवहार का आनंद लेते हैं और आम आदमी को छोटा और महत्वहीन महसूस कराते हैं।

इसकी जड़ें औपनिवेशिक युग में बनीं जब अंग्रेजों ने अपने हितों के लिए अभिजात्यों का एक अलग वर्ग तैयार किया। आजादी के बाद यह परंपरा बहुत दिनों तक खत्म सी रही। मंत्री तो छोड़िए, प्रधानमंत्री और राष्ट्रपति तक बिना सुरक्षा जनता जनार्दन से घिरे नजर आ जाते थे। स्व. प्रधानमंत्री लालबहादुर शास्त्री की कार के साथ सिर्फ़ एक अतिरिक्त कार चलती थी और सड़क पर चलने वालों के लिए ये देखना आम था कि वे अपनी कार में फ़ाइलें पढ़ते हुए जा रहे हैं।

मगर सत्तर के दशक में अचानक लौटी यह संस्कृति अब शवाब पर है। मोदी सरकार ने 2017 में इसे खत्म करने की पहल की थी। नितिन गडकरी ने अपनी लाल बत्ती तत्काल निकाल फेंकी थी। मगर इस सराहनीय पहल ने वीआईपी पहलवानों के आगे दम तोड़ दिया। नेताओं ने धीरे धीरे इसे सुरक्षा से जोड़ दिया और गनमैन प्रतिष्ठा की पहचान बन गए। वोट के लिए गली कूचों में बिना किसी सुरक्षा व्यवस्था के घूमने वाले नेता चुनाव जीतते ही क्यूं इतनी सुरक्षा के पीछे छिपने लगते हैं, शोध का विषय है। स्वीडिश प्रधानमंत्री ओलेफ़ पाम की सिनेमा हॉल से पैदल लौटते समय हत्या हो गई थी। सितंबर 2003 में ही स्वीडिश विदेश मंत्री अना लिंड को भी ख़रीदारी करते हुए एक शख्स ने चाकू मार दिया था। इसके बावजूद महत्वपूर्ण व्यक्तियों की सुरक्षा को लेकर इन विकसित देशों में कोई जुनून नहीं देखा जाता।

नेताओं की सादगी के उदाहरणों से दुनिया भरी पड़ी है। डच प्रधानमंत्री मार्क रेते अपने घर से दफ़्तर साइकिल से जाते रहे हैं। ब्रिटिश प्रधानमंत्री टोनी ब्लेयर की कार लंदन की ट्रैफ़िक लाइट पर रुक कर बत्ती हरी होने का इंतज़ार करते पाई गई है। पूर्व ब्रिटिश प्रधानमंत्री डेविड कैमरन अपने प्रधानमंत्रित्व काल के आख़िरी दिन खुद अपने हाथों से ट्रक पर अपना टेलीविज़न लादते देखे गए थे। भारत में इस बात की कल्पना भी असंभव है। सार्वजनिक धन से बने राजमार्गों के टोल गेट पर सूचना टंगी रहती है कि भारत के राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्रियों और कनिष्ठ मंत्रियों को टोल शुल्क से छूट है। कारण संबंधी कोई स्पष्ट तर्क नहीं है। बस वीआईपी संस्कृति की एक विशिष्ट मान्यता है। टोल से निकलने में वरीयता तक ठीक है मगर भुगतान में छूट क्यों ? उचित यही होता कि सभी टोल का भुगतान करते या किसी को भी नहीं करना पड़ता। वीआईपी स्टेटस की यह दीवानगी मंदिरों में भी बदस्तूर जारी रहती है जहां इसका विचार मात्र भी देवत्व के खिलाफ है। साधारण भक्तों के साथ धक्का-मुक्की होती है जबकि वीआईपी को दर्शन और तस्वीरें लेने के लिए समय दिया जाता है। महाकुंभ में भी यह संस्कृति हावी रही। कितने ही धर्मस्थलों में भगवान के वीआईपी दर्शन खरीदे जाते हैं। सुप्रीम कोर्ट में इसके खिलाफ दायर याचिका में दलील दी गई थी कि वीआईपी दर्शन शुल्क लेकर देवता तक जल्दी पहुंचने की सुविधा समानता के सिद्धांत और वंचित वर्गों के साथ अन्याय है। कोर्ट ने याचिका पर विचार करने से इनकार करते हुए कहा कि इस मामले में मंदिर प्रशासन और समाज को ही निर्णय लेना चाहिए। यह जरूर कहा कि ऐसी सुविधा नहीं होनी चाहिए।

नेताओं के अलावा नौकरशाह, जज, सैनिक अधिकारी और यहाँ तक कि फ़िल्म कलाकार भी वीआईपी स्टेटस पाने की होड़ में शामिल हैं। अमिताभ बच्चन, आमिर खान, अक्षय कुमार और अनुपम खेर को एक्स सिक्योरिटी हासिल है। सलमान खान को वाई+ तो अंबानी परिवार को जेड+ श्रेणी की सुरक्षा मिली हुई है। सिक्योरिटी देने के मापदंड भिन्न हैं। आईबी या लोकल एजेंसी की रिपोर्ट पर सुरक्षा मिलती है। राज्य तो इन मापदंडों की परवाह भी नहीं करते। खतरा हो या नहीं रसूख के बल पर सुरक्षा मिल जाती है। आम आदमी के लिए भले पुलिस बल की कमी हो मगर नेता के काफिले के लिए पुलिस कर्मी इफरात में उपलब्ध रहते हैं। 12 हजार करोड़ रुपये से अधिक के सालाना खर्च पर लगभग 20 हजार वीआईपी सुरक्षित रहते हैं। सिर्फ दिल्ली में ही करीब 9 हजार जवान वीआईपी सुरक्षा में तैनात हैं। विडंबना यह है कि यह सारा खर्च भेदभाव का शिकार होने वाला आम आदमी ही उठाता है। यह वीआईपी संस्कृति समानता की मूल संवैधानिक अवधारणा के खिलाफ है और सच कहें तो लोकतंत्र पर धब्बा है। लोगों में अलगाव और आक्रोश की भावना पैदा करती है। बदलाव के इस युग में हमें एक मानवीय और समतावादी समाज की आवश्यकता है, जो विशेष लोगों का ही नहीं सभी नागरिकों के अधिकारों का सम्मान करे। वीआईपी संस्कृति के प्रतीकों और प्रथाओं को खत्म करने और यह सुनिश्चित करने के लिए ठोस सरकारी कदम उठाए जाने चाहिए ताकि सार्वजनिक सेवाएं सभी नागरिकों के लिए सुलभ और उत्तरदायी हों और पारदर्शिता, जवाबदेही व कानून के शासन के लिए प्रतिबद्ध हों। वीआईपी स्टेटस के प्रति नेताओं की दीवानगी देखकर कोई उम्मीद तो नहीं जगती। शीर्ष नेतृत्व ही कुछ ठोस पहल करे तो शायद बात बने।

सूर्य की रोशनी से सेहत से टूटता रिश्ता

विटामिन डी एक ऐसा पोषक तत्त्व है, जिसे अक्सर सनशाइन विटामिन भी कहा जाता है, क्योंकि यह प्राकृतिक रूप से सूर्य की रोशनी से प्राप्त होता है। हमारे शरीर में यह विटामिन हड्डियों को मजबूत कैल्शियम और फास्फोरस के संतुलन को दुनिया बनाने, बनाए रखने तथा प्रतिरक्षा प्रणाली को सुदृढ़ करने में महत्तवपूर्ण भूमिका निभाता है।

हाल के वर्षों में विटामिन डी की कमी एक गंभीर स्वास्थ्य समस्या के रूप में उभर कर सामने आई है। आधुनिक जीवनशैली, शहरीकरण, प्रदूषण और दफ्तर तथा घर के भीतर लगातार रहने के कारण बहुत से लोगों में विटामिन की कमी हो रही है। यह कमी न केवल शारीरिक स्वास्थ्य पर गहरा असर डालती है, बल्कि मानसिक और सामाजिक स्तर पर भी इसके दूरगामी प्रभाव देखने को मिलते हैं। सूर्य की किरणें हमारे जीवन का एक अनमोल उपहार हैं, लेकिन आज के समय में लोग कंप्यूटर, मोबाइल और अन्य इलेक्ट्रानिक उपकरणों के साथ इतने व्यस्त हो गए हैं कि वे बाहरी वातावरण में निकलने का समय ही नहीं निकाल पाते। परिणामस्वरूप उन्हें सूर्य की किरणों का लाभ नहीं मिल पाता।

कुछ बड़े शहरों में जहां वातावरण में प्रदूषक कण अधिक मात्रा में होते हैं, वहां सूर्य की किरणें धरती कम पहुंच पाती हैं। इसके अलावा लोग विटामिन डी के प्राकृतिक स्रोतों को समझने और अपनाने में असमर्थ रहते हैं, जिसके कारण उन्हें इस पोषक तत्त्व की कमी होती है। दरअसल, , हमारे शरीर को आवश्यक मात्रा में यह विटामिन प्राप्त करने के लिए सूर्य की रोशनी के साथ-साथ संतुलित आहार भी उतना ही अहम है। कुछ परिस्थितियों में डाक्टर की सलाह पर पूरक के रूप में भी उपयोग किया जाता जाता है, लेकिन यह ध्यान रखना आवश्यक है कि इसकी सही खुराक और सही तरीके से उपयोग ही लाभकारी होता है। आजकल के खानपान में पौष्टिकता की कमी हो गई है। जहां पहले लोग ताजे फल-सब्जियां और प्राकृतिक रूप से उगाए गए खाद्य पदार्थों का सेवन करते थे, वहीं अब फास्ट फूड और प्रसंस्कृत खाद्य का चलन ज्यादा ही बढ़ गया है। इन खाद्य पदार्थों में विटामिन डी की प्राकृतिक मात्रा नहीं होती, जिससे शरीर को इस विटामिन की कमी का सामना करना पड़ता है। इसके अलावा, कुछ लोग आहार में विविधता न होने के कारण आवश्यक पोषक तत्त्वों को संतुलित रूप से नहीं ले पाते, जिसके चलते उनकी सेहत पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। इस समय समाज में विटामिन डी की कमी के प्रति जागरूकता बढ़ाने की आवश्यकता है। जब लोगों को इस विटामिन की महत्ता का पता चलता है, तो वे अपनी जीवनशैली में आवश्यक बदलाव लाते हैं। यह आवश्यक भी है। मसलन, नियमित रूप से थोड़ी-थोड़ी देर के लिए बाहर निकलना, प्राकृतिक धूप का लाभ उठाना, संतुलित आहार लेना और आवश्यकतानुसार पूरक का सेवन करना इस कमी को दूर करने में सहायक हो सकते हैं।

जब हम इस कमी के सामाजिक और आर्थिक प्रभावों की बात करते हैं, तो हमें यह समझना होगा कि यह केवल व्यक्तिगत स्वास्थ्य तक सीमित नहीं है। जब बड़ी संख्या में लोग विटामिन डी की कमी से ग्रस्त हो जाते हैं, तो यह स्वास्थ्य सेवा प्रणाली पर अतिरिक्त बोझ डालता है। अस्पतालों में हड्डियों और मांसपेशियों से जुड़ी समस्याओं के इलाज में अधिक खर्च आता है और साथ ही लोगों की कार्य क्षमता में भी कमी आती है, जिससे समाज के आर्थिक ढांचे पर भी नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। इस प्रकार, विटामिन डी की कमी एक बड़ी समस्या बन चुकी है, जिसके प्रतिकूल प्रभाव को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। इस समस्या से निपटने के लिए व्यक्तिगत प्रयास के साथ-साथ सरकारी नीतियों और सामुदायिक प्रयासों का होना भी जरूरी है। स्वास्थ्य विभागों और सरकारी संस्थाओं द्वारा नियमित स्वास्थ्य जांच, विटामिन डी परीक्षण और पोषक तत्त्व मिलाए गए खाद्य पदार्थों के प्रचार-प्रसार के माध्यम से इस कमी को दूर करने की कोशिश की जा रही है। कई देशों में स्वास्थ्य जागरूकता अभियानों के माध्यम से लोगों को विटामिन डी की महत्ता और इसके स्रोतों के बारे में बताया जा रहा है। स्कूलों, कालेजों और कार्यस्थलों पर भी स्वास्थ्य से जुड़ी जानकारी साझा की जा रही है, ताकि युवा पीढ़ी इस कमी के प्रति सजग रहे। इसके अतिरिक्त, वैज्ञानिक अनुसंधान भी इस दिशा में निरंतर जारी है। अध्ययनों से स्पष्ट है कि इस विटामिन की कमी केवल हड्डियों तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका प्रभाव संपूर्ण शरीर की क्रियाओं पर पड़ता है। आधुनिक जीवनशैली में स्वास्थ्य के प्रति बढ़ती जागरूकता के बावजूद, कई कई लोग अब भी विटामिन डी की महत्ता को समझ नहीं पाए हैं। लोग अपनी दिनचर्या में व्यस्त रहते हैं और स्वास्थ्य की छोटी-छोटी समस्याओं को नजरअंदाज कर देते हैं।

वैज्ञानिकों ने खुलासा किया कि हम अपने शुरुआती वर्षों को क्यों याद नहीं कर सकते

शिशु मस्तिष्क चित्रण वर्षों से, वैज्ञानिक इस बात से हैरान हैं कि हम अपने शुरुआती वर्षों को क्यों याद नहीं कर सकते। 12 महीने के रूप में युवा यादों को एनकोड कर सकते हैं, सिद्धांतों का खंडन करते हुए कि स्मृति निर्माण शैशवावस्था में असंभव है। इसके बजाय, प्रारंभिक जीवन को याद करने में असमर्थता स्मृति हानि के बजाय पुनर्प्राप्ति विफलताओं से उपजी हो सकती है।

शिशु स्मृति के बारे में चुनौतीपूर्ण मान्यताओं एक नया एफएमआरआई अध्ययन लंबे समय से आयोजित विश्वास को चुनौती देता है कि शिशु यादें नहीं बना सकते हैं। शोधकर्ताओं ने पाया कि 12 महीने से कम उम्र के बच्चे यादों को एनकोड कर सकते हैं, यह सुझाव देते हुए कि शिशु भूलने की बीमारी, बचपन के शुरुआती अनुभवों को याद करने में असमर्थता, पहले स्थान पर यादें बनाने में असमर्थता के बजाय पुनर्प्राप्ति विफलताओं के कारण अधिक संभावना है। शिशु भूलने की बीमारी का रहस्य बचपन में तेजी से सीखने का समय होने के बावजूद, अधिकांश लोग अपने पहले तीन वर्षों के जीवन से घटनाओं को याद नहीं कर सकते हैं। इस घटना, जिसे शिशु भूलने की बीमारी के रूप में जाना जाता है, ने वैज्ञानिकों को वर्षों से हैरान कर दिया है। एक सिद्धांत से पता चलता है कि ऐसा इसलिए होता है क्योंकि एपिसोडिक मेमोरी के लिए आवश्यक मस्तिष्क क्षेत्र हिप्पोकैम्पस बचपन के दौरान पूरी तरह से विकसित नहीं होता है। हालांकि, कृन्तकों में अध्ययन इस विचार को चुनौती देते हैं, यह दिखाते हुए कि स्मृति चिह्न, या एंग्राम, शिशु हिप्पोकैम्पस में बनते हैं, लेकिन समय के साथ दुर्गम हो जाते हैं। शिशुओं को आश्चर्यजनक तरीकों से स्मृति दिखाते हैं मनुष्यों में, शिशु नकल, परिचित उत्तेजनाओं की मान्यता और वातानुकूलित प्रतिक्रियाओं जैसे व्यवहारों के माध्यम से स्मृति प्रदर्शित करते हैं। हालांकि, यह स्पष्ट नहीं है कि ये क्षमताएं हिप्पोकैम्पस या अन्य मस्तिष्क संरचनाओं पर निर्भर करती हैं या नहीं। इसकी जांच करने के लिए, ट्रिस्टन येट्स और सहयोगियों ने 4 से 25 महीने की उम्र के शिशुओं के दिमाग को स्कैन करने के लिए द्धरूऋ्ठ का उपयोग किया, जबकि उन्होंने एक मेमोरी कार्य पूरा किया। यह कार्य, आमतौर पर वयस्क अध्ययनों में उपयोग की जाने वाली विधि से अनुकूलित होता है, जिसमें चेहरे, दृश्यों और वस्तुओं के शिशुओं की छवियों को दिखाना शामिल होता है, इसके बाद तरजीही दिखने के आधार पर एक स्मृति परीक्षण होता है, सभी न्यूरोइमेजिंग के दौरान आयोजित किए जाते हैं। बच्चे व्यक्तिगत यादों को एन्कोड कर सकते हैं परिणामों से पता चला है कि लगभग 12 महीने तक, शिशु हिप्पोकैम्पस व्यक्तिगत यादों को एन्कोड कर सकता है। यह खोज मजबूत सबूत प्रदान करती है कि यादें बनाने की क्षमता शैशवावस्था में शुरू होती है। शोधकर्ताओं के अनुसार, इन यादों की अस्थायी प्रकृति के बावजूद मेमोरी एन्कोडिंग तंत्र की उपस्थिति, इस विचार का समर्थन करती है कि शिशु भूलने की बीमारी मुख्य रूप से यादों को बनाने में असमर्थता के बजाय पुनर्प्राप्ति विफलताओं के कारण होती है।

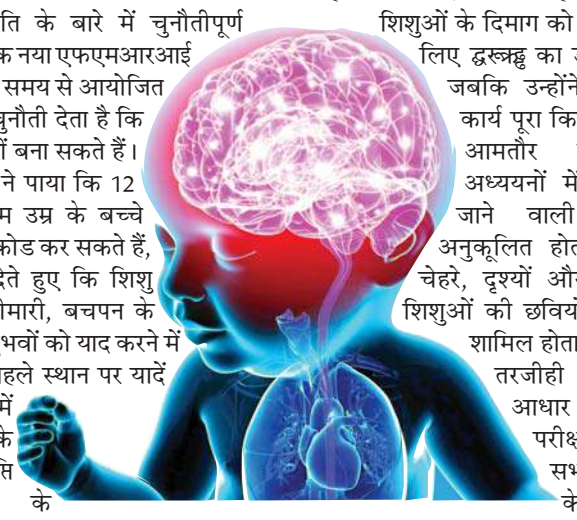

प्रतिस्पर्धात्मक शैक्षणिक संस्कृति में छिपे तनाव पहचानें

हाल ही में, आईआईटी कानपुर ने द आर्ट आफ़ लिविंग फ़ाउंडेशन के साथ मिलकर एक भलाई कार्यक्रम शुरू किया है। रिपोर्ट के अनुसार, फ़ाउंडेशन ने श्वास क्रिया, ध्यान और माईंडफुलनेस अर्थात संचेतना (आसपास की घटनाओं के प्रति सजग रहते हुए इनमें बहने से बचना) सहित विशेषज्ञ सत्रों की एक श्रृंखला आयोजित करने पर सहमति जताई है। इसका उद्देश्य है युवा छात्रों की मानसिक सहनशक्ति एवं तनाव प्रबंधन क्षमताओं को बेहतर बनाना।

समझा जा सकता है कि आईआईटी के अधिकारी अपने छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य को लेकर इतने चिंतित क्यों हैं। दरअसल, हाल ही में सूचना के अधिकार से मिली एक जानकारी से पता चला है कि पिछले पांच सालों में 37 विद्यार्थियों ने खुदकशी है, जिसमें 11 छात्र आईआईटी के थे। इसलिए, कोई हैरानी नहीं कि आईआईटी गुवाहाटी ने भी नैदानिक अभ्यासों की एक श्रृंखला चलाने की घोषणा की है ङ्क मसलन,परामर्श सत्र, संकाय सदस्यों के साथ सुबह की सैर और तनाव से मुक्ति कार्यशालाएं।

हालांकि,भारत में समकालीन शैक्षिक परिदृश्य के एक पर्यवेक्षक के रूप में, मुझे यह कहने में कोई संकोच नहीं है कि अलग-अलग परामर्श सत्र, श्वास क्रिया और संचेतना अभ्यासों का ऐसा कोई समुच्चय इन युवाओँ की बढ़ती दिमागी, मानसिक चिंताओं और अस्तित्वगत पीड़ा से निपटने के लिए अपर्याप्त होगा, जो पहले ही अत्यंत-प्रतिस्पर्धात्मक और सामाजिक डार्विनवाद जनित जीवन-हंता वायरस से बनी मारक रण भूमि में फंसे हुए हैं।

समस्या केवल किसी के आहत हुए स्व: की नहीं है,समस्या समाज की पूरी संरचना है - जिसमें संसाधनों की कमी और असमानता है या फिर किसी की योग्यता केवल प्राप्त किए गए बढ़िया नंबरों से आंकने वाली विचारधारा बनकर रह गई है। उस चूहा-दौड़ में शामिल होना,जिसे तकनीकी-पूंजीपति सफलता का प्रारूप ठहराते हैं। आप अपने अशांत स्व: को बाकी समाज के ताने-बाने से अलग नहीं कर सकते।

तीन कारणों के बारे में सोचें कि मानसिक तनाव या अकेलापन आईआईटी के माहौल में अंतर्निहित क्यों है। वास्तव में आप महसूस करेंगे कि किसी भी आईआईटी में प्रवेश पाने की प्रक्रिया ही स्वाभाविक रूप से तनावपूर्ण है। यह किसी महान शिक्षक के साथ चलकर सीखने जैसा न होकर विज्ञान और गणित की गूढ़ता को बनावटी बौद्धिक उत्साह और जिज्ञासा के साथ तलाशने जैसा है। इतना ही नहीं, कोचिंग सेंटरों के अत्याचार से लेकर, कभी न खत्म होने वाले अभ्यास परीक्षा तक की इस यात्रा में कोई रचनात्मक उत्साह या खुशी नहीं है। भाग्यशाली छात्र जब तक बाधाओं से पार पाते हैं - जेईई मुख्य परीक्षा से लेकर जेईई एडवांस उत्तीर्ण करने तक - तब तक उनमें से कई मनोवैज्ञानिक और आध्यात्मिक तौर से दरिद्र हो चुके होते हैं।दूसरा, यह मानना ??गलत है कि जब कोई आईआईटी में भर्ती पा लेता है तो उसकी जिंदगी वास्तव में भरपूर बन जाती है, और सब कुछ गुलाबी-गुलाबी हो जाता है। अतिशयी-प्रतिस्पर्धात्मक शैक्षणिक संस्कृति में छिपे तनावों का कोई अंत नहीं है। अच्छा ग्रेड पाने की लालसा, बाजार मांग के अनुरूप लगातार बदलते कौशल सीखते रहने का दबाव, और अंतिम नियति को लेकर निरंतर चिंता ङ्क जैसे कि, बढ़िया जगह पर नौकरी और वेतन पैकेज। ये सब एक ऐसा सामाजिक माहौल बना देते हैं, जिसमें कोई सच्चा दोस्त नहीं, कोई रचनात्मक उत्साह नहीं होता। हर कोई एक एकाकी व अहंकारी योद्धा भर है!

और तीसरा, चूंकि हमारे समाज में आईआईटी में दाखिला पाने का कुछ ज्यादा ही महिमामंडन किया जाता है, जिसकी कीमत में, हमारे अधिकांश कालेज और विश्वविद्यालयों का व्यवस्थित रूप से अवमूल्यन हो रहा है। इसलिए आईआईटी विद्यार्थी के लिए लोगों की नज़रों में चढ़ने से बचना बहुत मुश्किल बन जाता है। हम आईआईटी में पढ़ने वाले को एक मिथकीय उत्पाद के रूप में देखना शुरू कर देते हैं- एक अत्यंत-बुद्धिमान प्रौद्योगिकीविद्, वह जो सब कुछ हासिल कर ले, जिसकी सफलता को हम मिथक बनाना पसंद करते हैं। एक आकर्षक नौकरी, किसी तकनीकी-कार्पोरेट उद्यम में एक उच्च पद, लगातार विदेश यात्राएं और निरंतर सामाजिक/आर्थिक गतिशीलता! वास्तव में, हमारा समाज पागलों की तरह सफलता की कहानियों से ग्रस्त है। इसकी वजह से अगर आप एक आईआईटी वाले हैं, तो इस बात की संभावना बहुत कम है कि लोगबागङ्कआपके माता-पिता सहित - आपको सिर्फ़ एक इंसान के रूप में देखेंगे। आपको लगातार अपने अलौकिक गुणों को साबित करते रहना पड़ेगा। ऐसा लगता है मानो आपका आम होना ही आपका गुनाह है! वास्तव में, यह असंभव अपेक्षा उनमें से कईयों को अमानवीय अवगुण से भर देती है। निस्संदेह, यदि हम इन मुद्दों पर विचार कर हल नहीं निकालते तो हम इन एकाकी व तनावग्रस्त युवा प्रतियोगियों के अंदर केवल ध्यान, श्वास क्रिया और संचेतना अभ्यास करवाकर विवेक पैदा नहीं करवा सकते।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक राकेश व्यास द्वारा प्रदेश वॉच मीडिया ग्रुप , 11 प्रेस कॉम्प्लेक्स जोन -1 , एमपी नगर , भोपाल - 462011 (मप्र) से मुद्रित एवं प्लाट नम्बर 3, साई दिशा कॉम्प्लेक्स, जोन-1, एमपी नगर, भोपाल (म.प्र.) से प्रकाशित। प्रधान संपादक राकेश व्यास, मो : - 09977701999, समूह संपादक सुनील दत्त तिवारी, मो :- 9713 289999, संपादक- ऋषिकान्त सिंह (रजत) परिहार , मो :- 09425002527, फोन: 0755-4222349, ईमेल आईडी: madhyaswarnim@gmail.com समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार होंगे। आरएनआई रजिस्टर्ड क्रमांक:- MPHIN/2013/52452

जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत सभी जिलों मे हो प्रभावी कार्यवाही, 30 मार्च को अभियान का शुभारंभ

संभागीय आयुक्त खत्री ने जल गंगा अभियान के साथ ही पेयजल प्रबंधन के संबंध मे की समीक्षा

ग्वालियर (मध्य स्वर्णिम)।

जल गंगा संवर्धन अभियान का शुभारंभ 30 मार्च 2025 को वर्ष प्रतिपदा के दिन क्षिप्रा नदी के तट उज्जैन में राज्य स्तरीय कार्यक्रम के आयोजन से किया जायेगा। अभियान के तहत संपूर्ण मध्यप्रदेश में जल संरक्षण व संवर्धन के कार्यों का क्रियांवयन किया जायेगा। अभियान 30 जून 2025 तक चलेगा। अभियान के तहत सभी जिलों कि विस्तृत कार्य योजना तैयार कर जल संरक्षण व संवर्धन के कार्य किये जाये। संभागीय आयुक्त श्री मनोज खत्री ने गुरुवार को ऑनलाईन अभियान की समिक्षा के दौरान यह बात कही है। समिक्षा के दौरान ग्वालियर एवं चंबल संभाग के सभी जिलों के मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत ऑनलाईन शामिल हुए। संभागीय आयुक्त मनोज खत्री ने जल गंगा संवर्धन अभियान, आगामी गर्मी के मौसम को देखते हुए शहरी तथा ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल की उपलब्धता और सीएम हेल्पलाईन में दर्ज प्रकरणों के निराकरण के संबंध में विस्तार से समीक्षा की गयी। संभागीय आयुक्त खत्री ने कहा है कि जल संवर्धन एवं संरक्षण के लिये सभी जिलों में शहरी तथा ग्रामीण क्षेत्रों में कार्य योजना बना कर कार्य किये जाए। सभी कार्यों में तकनीकी अधिकारियों के सहभागिता सुनिश्चित की जाये। इसके साथ ही सभी जिलों में वृहद वृक्षारोपण के कार्य भी हाथ में लिये जाए। इन कार्यों में जल प्रतिनिधियों का सहयोग भी लिया जाये। संभागीय आयुक्त मनोज खत्री ने आगामी गर्मी के मौसम को देखते हुए पेयजल प्रबंधन के लिये भी सभी तैयारियां समय रहते करने के निर्देश दिए है। जिन ग्रामों में पूर्व में पेयजल परिवहन की आवश्यकता पड़ी है उन ग्रामों मे विशेष प्रयास किये जाए जिससे पेयजल परिवहन की स्थिति न बने। जिले में खेत तालाब , अन्य तालाबों के निर्माण कार्य भी हाथ में लिए जाए। शासन स्तर से प्राप्त लक्ष्य अनुरूप सभी कार्य हो यह भी सुनिश्चित किया जाये। सी एम हेल्पलाईन के तहत दर्ज प्रकरणों का निराकरण संतुष्टी के साथ किया जाये। सभी जिलों में एल-1 अधिकारियों का प्रशिक्षण भी आयोजित किया जाए। बैठक में सभी जिलों के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों ने अपने-अपने जिले में पेयजल प्रबंधन, सीएम हेल्पलाईन एवं जल गंगा अभियान के संबंध में विस्तार से जानकारी दी।

पुस्तकें और यूनिफार्म खरीदने बच्चों एवं अभिभावकों की दिनों दिन बढ़ रही संख्या

पुस्तक मेला का आयोजन जिला प्रशासन का सराहनीय कदम : पांडे

ग्वालियर (मध्य स्वर्णिम)।

स्कूली बच्चों को प्रतिस्पर्धी और न्यूनतम दरों पर पाठ्य पुस्तकें, कॉपियां और गणवेश उपलब्ध कराने गोलबाजार स्थित शहीद स्मारक प्रांगण में आयोजित किये जा रहे पुस्तक मेला बच्चों और उनके अभिभावकों को एक स्थान पर सभी शैक्षणिक सामग्री उपलब्ध करा रहा है, वहीं यहाँ रोज शाम प्रस्तुत किये जा रहे सांस्कृतिक कार्यक्रम बाल कलाकारों का मनोबल बढ़ाने के साथ मेले को भव्यता भी प्रदान कर रहे हैं। कलेक्टर दीपक सक्सेना की पहल पर लगाया गया बारह दिनों का यह पुस्तक मेला एवं गणवेश मेला 5 अप्रैल तक जारी रहेगा। रविवार और शनिवार को यह मेला दोपहर 12 बजे से रात 10 बजे तक तथा शेष दिनों में शाम 4 बजे से रात 10 बजे तक खुला रहेगा। स्कूली बच्चों और अभिभावकों को निजी स्कूलों तथा प्रकाशकों एवं बुक सेलर्स की साठ-गांठ से राहत दिलाने जबलपुर में लगातार दूसरे वर्ष पुस्तक मेला का आयोजन किया जा रहा है। पिछले वर्ष प्रदेश में सबसे पहले जबलपुर में ही पुस्तक मेला लगाया गया था। अपने उद्देश्यों में सफल रहे इस मेले की प्रदेश और देश में काफी चर्चा हुई थी तथा राज्य शासन ने प्रदेश के सभी कलेक्टरों को पत्र जारी कर जबलपुर की तर्ज पर अपने जिलों में भी पुस्तक मेला का आयोजन करने के निर्देश दिये थे।

मध्य स्वर्णिम ब्रीफ

संभागीय आयुक्त मनोज खत्री ने शिवपुरी के कार्यपालन यंत्री को किया निलंबित

ग्वालियर (मध्य स्वर्णिम)। संभागीय आयुक्त मनोज खत्री ने शिवपुरी जिले के कार्यपालन यंत्री, लोकनिर्माण विभाग खण्ड क्रमांक-1 धर्मेन्द्र सिंह यादव को वित्तीय अनियमितताओं में शामिल पाये जाने पर तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। निलंबन अवधि में यादव का मुख्यालय कलेक्टर कार्यालय शिवपुरी रहेगा। निलंबन अवधि नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ते की पात्रता होगी। संभागीय आयुक्त मनोज खत्री ने कलेक्टर शिवपुरी के प्रतिवेदन पर उक्त कार्यवाही की है। कलेक्टर शिवपुरी ने अपने प्रतिवेदन में बताया है कि कार्यपालन यंत्री , लोकनिर्माण विभाग खण्ड क्रमांक 1 धर्मेन्द्र यादव द्वारा वर्ष 2018-19 से 2022-23 तक कुल राशि 7 करोड़ 15 लाख 75 हजार 911 का कपटपूर्ण आहरण कर पाँच बैंक खातों मे अंतरित करना सूचित किया है। उक्त क्रम में जाँच समिति द्वारा प्रस्तुत प्रतिवेदन अनुसार उक्त अवधि में पदस्थ रहे कार्यपालन यंत्री, संभागीय लेखाधिकारी, सहायक वर्ग 3 एवं आउटसोर्स कंपनियों के ऑपरेटर्स के साथ चार अन्य व्यक्तियों की संलिप्तता पायी गई है जो मध्यप्रदेश कोषालय संहिता 2020, मध्यप्रदेश वित्तीय संहिता 2020 , मध्यप्रदेश वित्तीय संहिता एवं आहरण तथा संवितरण अधिकारी एवं आई एफ एम आई एस क्रियेटर्स के दायित्वों के निर्वहन में गंभीर वित्तीय लापरवाही परिलक्षित होती है। संभागीय आयुक्त द्वारा कलेक्टर शिवपुरी के द्वारा भेजे गए प्रतिवेदन के आधार पर कार्यपालन यंत्री लोकनिर्माण विभाग खण्ड क्रमांक 1 शिवपुरी धर्मेन्द्र सिंह यादव को तत्काल प्रभाव से निलंबित करने के आदेश जारी किये है।

टकार्यवाही में 42 हजार रूपये की मदिरा जब्त

जबलपुर (मध्य स्वर्णिम)। कलेक्टर दीपक सक्सेना के निर्देशन आज अवैध मदिरा निर्माण, विक्रय,संग्रहण एवं परिवहन प्रभावी अंकुश लगाये जाने के लिये सहायक आबकारी आयुक्त जबलपुर श्री संजीव दुबे व आबकारी नियंत्रण कक्ष प्रभारी परमानंद कोरचे के नेतृत्व में बड़ी कार्यवाही की गई। जिसमें ओमती थाना अंतर्गत मढ़ाताल के पास मदिरा के अवैध परिवहन की सूचना पर दबिश दी गई एवं मौके से 116.35 बल्क लीटर विदेशी मदिरा बियर बरामद की गई। जिस पर म.प्र. आबकारी अधिनियम 1915 की धारा 34(1)(क) एवं 34(2) के तहत प्रकरण पंजीबद्ध किया गया। जब्त मदिरा का कुल मूल्य लगभग 42260 रूपये है एवं जप्त वाहन का मूल्य लगभग 3 लाख रुपए है। इस सम्पूर्ण कार्यवाही के दौरान आबकारी उपनिरीक्षक श्री रवीन्द्र जैन , श्री आशीष जैन, सोनाली गुप्ता एवं आबकारी मुख्य आरक्षक एवं आरक्षक उपस्थित रहे।

संभागीय मिलेट्स फैस्टीवल सह कृषि मेला 29 एवं 30 मार्च को आयोजित

जबलपुर (मध्य स्वर्णिम)। शासन की कृषि संबंधी योजनाओं के प्रचार प्रसार व नवीनतम कृषि तकनीक के प्रति जागरूकता के लिये किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग द्वारा 29 एवं 30 मार्च को जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय जबलपुर में दो दिवसीय संभागीय मिलेट्स फैस्टीवल सह कृषि मेला का आयोजन किया जा रहा है। संयुक्त संचालक किसान कल्याण एवं कृषि विकास विभाग ने बताया कि मेले में 150 से अधिक स्टाल लगाए जायेंगे। जिसमें पशुपालन, उद्यानिकी, मत्स्य पालन, वन विभाग, दुग्ध संघ, मंडी बोर्ड, बीज निगम, एपीईडीए, ऊर्जा विकास निगम, उर्वरक, बीज, कीटनाशक, एसएचजी एवं एफपीओ आदि विभाग भी अपनी सहभागिता सुनिश्चित करेंगे। उन्होंने बताया कि लघु धान्य फसलों को आमजनों की थाली तक पहुंचाने के लिए मेले में फरूड कोर्ट भी लगाया जाएगा, जहां आगंतुक मिलेट से सम्बंधित स्वादिष्ट व्यंजनों का लुफ्त उठा सकेंगे। उन्होंने मेले के उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए बताया कि इसका उद्देश्य महिलाओं को अधिक से अधिक जागरूक करना है। क्योंकि महिलाएं यदि जागरूक होंगी तो वे अपने परिवार को स्वस्थ रखने के लिए भोजन में मिलेट्स खाद्यान्न का अधिक से अधिक उपयोग करेंगी, जिससे परिवार के सदस्य मानसिक एवं शारीरिक रूप से स्वस्थ रहेंगे।

ईद-उल-फित्तर पर कार्यपालिक दण्डाधिकारियों को दी कानून व्यवस्था बनाये रखने की जिम्मेदारी

जबलपुर (मध्य स्वर्णिम)। जिला दण्डाधिकारी एवं कलेक्टर दीपक सक्सेना ने जिले में पदस्थ सभी कार्यपालिक दण्डाधिकारियों को ईद-उल-फितर पर अपने-अपने क्षेत्र में कानून व्यवस्था बनाये रखने की जिम्मेदारी दी है। जिला दण्डाधिकारी सक्सेना ने सभी कार्यपालिक दण्डाधिकारियों को आदेश दिये हैं कि ईद-उल- फितर पर अपने क्षेत्र का लगातार भ्रमण कर कानून व्यवस्था पर नजर रखें। उन्हें क्षेत्र के पुलिस अधिकारियों से भी निरंतर समन्वय बनाये रखने के निर्देश दिये गये हैं तथा किसी भी प्रकार की सूचना से तत्काल अपर जिला दण्डाधिकारी एवं पुलिस कंट्रोल रूम को अवगत कराने कहा गया है। कार्यपालक दण्डाधिकारियों को नगर निगम एवं विद्युत विभाग के अधिकारियों से समन्वय स्थापित कर सफाई, पेयजल एवं प्रकाश के समय पूर्व समुचित इंतजाम सुनिश्चित करने की हिदायत भी कलेक्टर सक्सेना ने आदेश में दी है।

वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से निर्देश

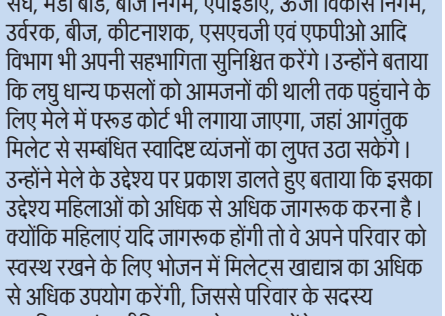

विदिशा (मध्य स्वर्णिम)। राजस्व विभाग के प्रमुख सचिव विवेक पोरवाल ने आज वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से राजस्व विभाग से संबंधित क्रियान्वित विभिन्न बिन्दुओं की समीक्षा कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए है। प्रमुख सचिव पोरवाल ने वन ग्राम से राजस्व ग्राम में परिवर्तित करने के मापदण्डो तथा राजस्व संबंधी पुराने अभिलेखो को अपडेट कर ऑन लाइन दर्ज कराने की प्रक्रिया की निर्धारित बिन्दुओं पर समीक्षा की है। विदिशा एनआईसी व्हीसी कक्ष में कलेक्टर रौशन कुमार सिंह, अपर कलेक्टर अनिल कुमार डामोर, संयुक्त कलेक्टर द्वय मोहिनी शर्मा, सु निकिता तिवारी, अधीक्षक भू-अभिलेख कृष्णा रावत मौजूद रहीं।

खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने अनियमितता मिलने पर दो फर्मों पर कार्यवाही कर सील किया

फर्म का संचालन कर रहे बृजेश शिवहरे पानी की बोतलों को पैक कर रहे थे

ग्वालियर (मध्य स्वर्णिम)।

खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने अनियमितताएं मिलने पर दो फर्मो को सील्ड कर दिया गया है । जिनमें एबी रोड ट्रांसपोर्ट नगर स्थित फर्म ग्वालियर इंटरप्राइजेज व ए ए इंटरप्राइजेज घास मंडी शामिल है। विभाग की टीम ने एबी रोड ट्रांसपोर्ट नगर स्थित फर्म ग्वालियर इंटरप्राइजेज का निरीक्षण किया गया।

मौके पर फर्म का संचालन कर रहे बृजेश शिवहरे के द्वारा पानी की बोतलों को पैक किया जा रहा था। फर्म संचालक के द्वारा थंडर, एक्वा न्यू एवं एजोरा नाम से फ्लेवर्ड प्यूरीफायर वॉटर पानी की बोतले पैक की जा रही थी। मौके पर फर्म संचालक ने फर्म का मालिक गायत्री शिवहरे को बताया और इस संबंध में फूड रजिस्ट्रेशन की कॉपी दी। खाद्य सुरक्षा अधिकारी सतीश कुमार शर्मा ने निरीक्षण करने पर विभिन्न नाम की एक्वा न्यू एवं एजारो नाम से पैक्ड की जा रही पानी बोतलों के संबंध में पूछताछ की तो उसने बताया की एक्वा न्यू की बोतलों को अनुबंध के द्वारा पैक किया जा रहा है।अनुबंध की कॉपी मांगे जाने पर फर्म संचालक बृजेश ने प्रस्तुत नहीं की। इसके अलावा पानी की बोतलों को संचालन के लिए अन्य आवश्यक दस्तावेज जैसे पानी की रिपोर्ट, कैलिब्रेशन रिपोर्ट, मेडिकल फिटनेस बी आई एस इत्यादि संबंधित दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किये ।मौके पर खाद्य सुरक्षा अधिकारी सतीश कुमार शर्मा ने फर्म संचालक से एक्वा थंडर फ्लेवर प्यूरीफाइड वॉटर का नमूना लिया जाकर शेष पानी की बोतलों की 500 एम एल और एक लीटर वाली 145 कार्टन को जिस की कुल कीमत 17280 है को नियमानुसार जप्त कर पानी की फैक्ट्री के कारोबार को बंद करते हुए सील्ड किया। खाद्य सुरक्षा विभाग की दूसरी टीम खाद्य सुरक्षा अधिकारी लोकेंद्र सिंह राजेश गुप्ता दिनेश निम एवं निरुपमा शर्मा की टीम पानी की बोतलों की पैकिंग करने वाली फर्म ए ए इंटरप्राइजेज घास मंडी ग्वालियर पर पहुंची जहाँ उक्त फर्म बंद मिलने पर टीम ने फर्म मालिक आकाश मित्तल को फर्म का निरीक्षण कराने के लिए आसपास के लोगों से मोबाइल नंबर लेकर कॉल कर सूचना देते हुए आने को कहा जिस पर मालिक ने 10 मिनट में आने की बोला ।लेकिन करीब एक घंटा इंतजार करने पर भी मालिक उपस्थित नहीं हुआ। जिस पर खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने उक्त फर्म को आगामी आदेश तक के लिए सील्ड किया।

नवीन शैक्षिक सत्र की तैयारी को लेकर प्राथमिक और माध्यमिक शिक्षकों की बैठक संपन्न

बैठक में प्रमुख रूप से संयुक्त संचालक लोक शिक्षण प्राचीश जैन उपस्थित रहे

जबलपुर (मध्य स्वर्णिम)।

नवीन शैक्षिक सत्र तैयारी को लेकर जिला शिक्षा अधिकारी घनश्याम सोनी द्वारा प्राथमिक व माध्यमिक विद्यालयों में कार्यरत शिक्षकों की बैठक पंडित लज्जा शंकर झा उत्कृष्ट शासकीय उच्चतर माध्यमिक मॉडल स्कूल में आयोजित की गई। बैठक में प्रमुख रूप से संयुक्त संचालक लोक शिक्षण प्राचीश जैन, जिला परियोजना समन्वयक योगेश शर्मा, बीआरसी, बीएसी, जनशिक्षक व शिक्षक उपस्थित रहे। बैठक में शिक्षकों को निर्देश दिए गए कि 1 अप्रैल को शालाओं में प्रवेशोत्सव कार्यक्रम उत्साहपूर्वक मनाया जाए। इस इसके लिये शिक्षक छात्रों की शतप्रतिशत उपस्थिति सुनिश्चित करें। कक्षा में नामांकन बढ़ाने, शाला त्यागी अप्रवेशी बच्चों शाला में प्रवेश दिलाने को के लिये छात्रों- अभिभावकों से संपर्क करें। अच्छी उपस्थिति वाले छात्रों-पालकों को सम्मानित करें। सभी शिक्षक प्रयास करें कि विद्यालय में पिछले वर्ष से नामांकन बढ़े। डीईओ ने कहा कि प्रवेश उत्सव कार्यक्रम में सम्मान पूर्वक स्थानीय जनप्रतिनिधियों को आमंत्रित किया जाए। साथ ही कहा कि प्रत्येक विद्यार्थी का पोर्टफोलियो रिकार्ड सभी शिक्षकों के पास हो, इसमें बच्चेवार अकादमिक जानकारी,स्तर, ग्रेड, पिछली कक्षा का अध्यापन स्तर के साथ छात्रों की समग्र आईडी, आधार कार्ड, अपारआईडी, छात्रवृत्ति, मैपिंग, अभिभावकों से संपर्क संबंधित अन्य जानकारियां भी हो।

दो दिवसीय जिला स्तरीय कृषि विज्ञान मेला का समापन हुआ

दोनों दिवस वृहद संख्या में पूरे जिले के कृषकों ने भाग लिया

विदिशा (मध्य स्वर्णिम)।

किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग द्वारा सिरोंज विकासखण्ड के ग्राम वीरपुर स्थित महामाई मंदिर परिसर में आयोजित दो दिवसीय जिला स्तरीय कृषि विज्ञान मेला का गुरुवार को समापन हुआ। कृषि मेले में दोनों दिवस वृहद संख्या में पूरे जिले के कृषकों ने भाग लिया।

मेले के द्वितीय दिवस पर गुरुवार को स्थानीय जनप्रतिनिधियों के अलावा धनराज सिंह दांगी सभापति, कृषि स्थायी समिति जिला विदिशा ने शासन की विभिन्न योजनाओं जैसे शून्य प्रतिशत ब्याज पर ऋण , स्वाईल हेल्थ कार्ड , प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना आदि के बारे में कृषकों को अवगत कराया तथा कृषकों से आव्हान किया कि वे कृषि वैज्ञानिकों एवं कृषि विभाग के अधिकारियों से सतत् संपर्क बनाये रखें, ताकि नवीन तकनीकी ज्ञान मिलता रहे। कृषकों से रासायनिक खेती के स्थान पर जैविक खेती करने के लिए भी आगृह किया गया।

कार्यक्रम में विशेष रूप से आये भोपाल संभाग के संयुक्त संचालक कृषि श्री बी.एल.बिलैया ने अपने उद्बोधन में मिलेट यानी कि श्रीअन्न खाद्यान्न जैसे कि रागी, ज्वार, बाजरा, कोदो, कुटकी आदि के उत्पादन, प्रसंस्करण एवं मानव जीवन में इनके महत्व के बारे में बताया। उन्होने बताया कि मिलेट अन्न के उपयोग से मानव जीवन को उत्तम पोषण प्राप्त होता है जिससे शरीर स्वस्थ तथा रोग मुक्त होता है जिससे अस्पताल एवं दवाईयों पर निर्भरता कम होती है और पैसों की बचत होती है।

शहर की बावड़ियों के जीर्णोद्धार का काम प्रमुखता से कराएं जल गंगा संवर्धन अभियान की तैयारी बैठक में दिए निर्देश

सभी विभागों को अभियान की गतिविधियों को प्रभावी ढंग से मूर्त रूप देने के दिए निर्देश

ग्वालियर (मध्य स्वर्णिम)।

शहर की बावड़ी व अन्य पुरानी जल संरचनाओं का जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत प्रमुखता के साथ जीर्णोद्धार कराएं साथ ही घर-घर में रेन वाटर हार्वेस्टींग प्रणाली प्रमुखता से स्थापित कराएं। शहर भर में प्रमुख स्थानों व बाजारों में ग्रीष्म ऋतु के दौरान सार्वजनिक प्याऊ भी खोलें। इस आशय के निर्देश कलेक्टर रुचिका चौहान ने जल गंगा संवर्धन अभियान की समीक्षा के दौरान दिए। राज्य शासन के दिशा निर्देशों के तहत वर्ष प्रतिपदा 30 मार्च से ग्वालियर जिले में भी जल गंगा संवर्धन अभियान शुरू होगा। कलेक्टर चौहान ने गुरुवार को बाल भवन के सभागार में संबंधित अधिकारियों की बैठक लेकर जिले के शहरी व ग्रामीण क्षेत्र में जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत आयोजित होने वाली गतिविधियों पर चर्चा की। साथ ही अभियान को सुव्यवस्थित ढंग से आयोजित करने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी विवेक कुमार व नगर निगम आयुक्त श्री संघ प्रिय सहित संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद थे।

कलेक्टर चौहान ने नगर निगम के अधिकारियों को निर्देश दिए कि भवन अनुमति के समय रेन वाटर हार्वेस्टिंग मद में जमा कराई गई धनराशि से जल गंगा संवर्धन अभियान के दौरान शहर भर में विशेष रूप से रूफ वाटर हार्वेस्टिंग संरचनाएं बनवायी जाएं। उन्होंने सरकारी भवनों में प्रमुखता के साथ ऐसी संरचनाएं बनवाने के लिए कहा। कलेक्टर ने शहर की पहाड़ियों पर ट्रेंच बनाकर वर्षा जल का संरक्षण करने के भी निर्देश दिए। साथ ही कहा कि वन विभाग की मदद से मिट्टी की सीड बॉल (बीज की गेंद) तैयार कर पहाड़ियों पर बनाई जाने वाली ट्रेंच में डालने के लिए कहा। उन्होंने पहाड़ियों को हरित क्षेत्र के रूप में विकसित करने के निर्देश दिए।

ग्रीष्म ऋतु में सुचारू पेयजल आपूर्ति के लिए पुख्ता रणनीति बनाएं, बस्तियों में पेयजल के विशेष इंतजाम करने पर दिया जोर

ग्वालियर शहर एवं ग्रामीण क्षेत्र की पेयजल व्यवस्था की समीक्षा बैठक में दिए निर्देश

ग्वालियर (मध्य स्वर्णिम)।

ग्रीष्म ऋतु के दौरान पेयजल आपूर्ति के लिये सुनियोजित रणनीति बनाएं। संधारण की पुख्ता व्यवस्था हो , जिससे नलकूप, विद्युत मोटर व पाइप लाईन इत्यादि खराब होने पर तत्काल ठीक कर पेयजल आपूर्ति सुचारु की जा सके। इस आशय के निर्देश कलेक्टर रुचिका चौहान ने ग्वालियर शहर की पेयजल व्यवस्था की समीक्षा के दौरान नगर निगम की जल प्रदाय व्यवस्था से जुड़े अधिकारियों को दिये। उन्होंने जिन बस्तियों मे पिछले वर्षों में पेयजल समस्या रही है वहाँ के लिये विशेष इंतजाम करने व पेयजल की शुद्धता पर भी बल दिया है। बैठक में नगर निगम आयुक्त श्री संघ प्रिय भी मौजूद थे। गुरुवार को बाल भवन के सभागार में कलेक्टर चौहान ने संबंधित अधिकारियों की बैठक लेकर शहरी व ग्रामीण क्षेत्र की पेयजल व्यवस्था की विस्तार में समीक्षा की। साथ ही पेयजल व्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिये दिशा -निर्देश दिए।

उन्होंने जल प्रदाय व्यवस्था से जुड़े अधिकारियों को निर्देश दिए कि शहर की पेयजल आपूर्ति के सबसे बड़े स्त्रोत तिघरा जलाशय में उपलब्ध पानी के आधार पर वैज्ञानिक तरीके से अध्ययन कर बताएं कि शहर को कब से प्रतिदिन पानी की आपूर्ति करना उचित रहेगा। वर्तमान में शहर मे एक दिन छोड़कर पेयजल की आपूर्ति की जा रही है। बैठक में जानकारी दी गयी कि तिघरा जलाशय में वर्तमान में 2702.88 एमसीएफपी पानी उपलब्ध है। पिछले साल इस अवधि में तिघरा में 1612 एमसीएफपी पानी उपलब्ध था। कलेक्टर चौहान ने कहा कि इस साल हुई अच्छी बारिश से जिले के जलाशयों मे पानी की उपलब्धता अच्छी है ,फिर भी पानी का अपवय न हो इसका विशेष ध्यान रखा जाए, जिससे आगामी मानसून में कम बरसात होने पर भी पेयजल आपूर्ति होती रहे।

विधायक बरकड़े ने किया स्वयं सहायता समूह की बहनों से आत्मीय संवाद

सशक्तिकरण को बढ़ावा देने आत्मनिर्भर बनने के प्रयासों की सराहना की

जबलपुर (मध्य स्वर्णिम)।

सिहोरा विधायक संतोष बरकड़े ने कुंडम एवं चौराई स्वयं सहायता समूह की बहनों से आत्मीय संवाद किया। इस अवसर पर उन्होंने महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देने और उनके आत्मनिर्भर बनने के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने समूह की बहनों के समर्पण और मेहनत की तारीफ करते हुए उन्हें आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।

विधायक बरकड़े ने लखपति दीदी योजना के तहत महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने की दिशा में सरकार द्वारा किए जा रहे प्रयासों पर विस्तार से चर्चा कर कहा कि यह योजना महिलाओं को स्वरोजगार और उद्यमिता की ओर प्रेरित कर रही है, जिससे वे अपने परिवार की आर्थिक स्थिति को मजबूत कर सकें। साथ ही कहा कि सरकार महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए स्वरोजगार के विभिन्न अवसर प्रदान कर रही है। स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से महिलाएं छोटे-छोटे व्यवसाय शुरू कर सकती हैं और धीरे-धीरे अपनी आमदनी बढ़ा सकती हैं। सरकार इस योजना के तहत ऋण, प्रशिक्षण और तकनीकी सहयोग भी प्रदान कर रही है ताकि महिलाएं अपने व्यवसाय को बेहतर तरीके से संचालित कर सकें। इस अवसर पर कई गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति रही, जिनमें जिला पंचायत सदस्य महेंद्र बरकड़े, राजेश साहू, विनोद मार्को सहित सीईओ जनपद पीएल यादव शामिल थे।

विधायक विक्रम मंडावी बोले- तेंदूपत्ता संग्रहण ठेकेदारी प्रथा से हो, हितग्राहियों को किया जाए नकद भुगतान

तेंदूपत्ता ग्रामीण आदिवासियों के आय का मुख्य स्रोत है, ग्रामीण साल भर इंतजार करते हैं

बीजापुर (एजेंसी)।

बीजापुर में गुरुवार को आयोजित हुई प्रेस वार्ता में विधायक विक्रम मंडावी ने कहा कि तेंदूपत्ता संग्रहण कार्य ठेकेदारी प्रथा से हो। विधायक ने कहा कि वर्तमान में बीजापुर जिले की भौगोलिक परिस्थिति को देखते हुए तेंदूपत्ता संग्रहण का कार्य सरकारी प्रथा से कराना संभव नहीं है, इसलिए इस वर्ष तेंदूपत्ता संग्रहण ठेकेदारी प्रथा से ही होना चाहिए। इसका ज्यादा से ज्यादा लाभ तेंदूपत्ता हितग्राहियों को मिलेगा। विधायक विक्रम मंडावी ने प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि बीजापुर जैसे आदिवासी जिले की भौगोलिक परिस्थिति और बैंकिंग सुविधाओं की कमी, आवाजाही के लिए परिवहन व्यवस्था की कमी को देखते हुए तेंदूपत्ता सीजन वर्ष 2025 का तेंदूपत्ता हितग्राहियों को नकद भुगतान हो और तेंदूपत्ता की दर को 5500 रुपये से बढ़ाकर 7000 रुपये प्रति मानक बोरा किया जाए और तेंदूपत्ता तोड़ाई कार्य संपादित करने में लगे फड़मुंशियों को 25000 रुपये प्रति वर्ष देने की मांग भाजपा सरकार से की है।

प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए विधायक विक्रम मंडावी ने भाजपा के 2023 के चुनावी घोषणा पत्र मोदी की गारंटी को याद दिलाते हुए कहा कि भाजपा ने 2023 के विधानसभा चुनाव में कहा था कि भाजपा की सरकार बनते ही तेंदूपत्ता हितग्राहियों को तेंदूपत्ता संग्रहण केंद्र में ही नकद भुगतान किया जाएगा, हर ग्राम पंचायत में नकद भुगतान करने के लिए बैंक खोले जाएंगे, लगातार 15 दिनों तक तेंदूपत्ता की कटाई व खरीदी की जाएगी और फड़मुंशियों को प्रतिवर्ष 25000 रुपये अलग से भुगतान किया जाएगा। विधायक विक्रम मंडावी ने आगे कहा कि भाजपा सरकार के बने डेढ़ साल होने को हैं, लेकिन भाजपा सरकार ने अपने चुनावी घोषणा पत्र %मोदी की गारंटी% में किए गए एक भी वादे को आज तक पूरा नहीं कर सकी। भाजपा सरकार अपने 2023 के चुनावी घोषणा पत्र %मोदी की गारंटी% में किए गए वादे के अनुरूप तेंदूपत्ता संग्राहकों को तेंदूपत्ता का नकद भुगतान करें, 15 दिनों तक तेंदूपत्ता की कटाई कराएं, हर गांव में तेंदूपत्ता तोड़ने की व्यवस्था करें और फड़मुंशियों को 25000 हजार रुपये प्रति वर्ष दें। प्रेस वार्ता में विधायक विक्रम मंडावी यह भी कहा कि तेंदूपत्ता ग्रामीण आदिवासियों के आय का मुख्य स्रोत है, जिसके लिए ग्रामीण साल भर इंतजार करते हैं, लेकिन भाजपा सरकार की गलत नीतियों के कारण ग्रामीणों को परेशानी होगी, जिस गांव में तेंदूपत्ता की कटाई नहीं हो पाती है तो उसका जिम्मेदार कौन होगा।

एएसपी अभिषेक माहेश्वरी के राजनांदगाव के सन सिटी मकान पर सीबीआई की दबिश

दस्तावेजों की तलाशी तेज, पूर्व मुख्यमंत्री समेत कई पर नजर

राजनांदगांव (एजेंसी)।

राजनांदगांव में दूसरे दिन गुरुवार को सीबीआई की टीम ने दबिश दी। शहर के सनसिटी स्थित मकान नंबर सी 28 में सीबीआई की टीम दो गाड़ियों में पहुंची। इससे पहले बुधवार को सीबीआई की टीम ने इसी मकान को सील किया था। इस मकान को एडिशनल एसपी अभिषेक माहेश्वरी का बताया जा रहा है। महादेव एप मामले में प्रदेश के अलग-अलग हिस्से में सीबीआई की टीम जांच कर रही है। इसके साथ ही एडिशनल एसपी अभिषेक माहेश्वरी के डोंगरगांव में रिश्तेदारों के घर भी सीबीआई की टीम की पहुंचने की बात सामने आ रही है। टीम लगातार छापे मार करवाई कर जांच कर रही है। सील को आज सीबीआई की टीम ने खोलकर घर में की कार्रवाई की। छापा मार कार्रवाई के दौरान सीबीआई आवश्यक दस्तावेजों को खंगाल रही है। बुधवार को पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, आईपीएस एसपी अभिषेक पल्लव, आईपीएस प्रशांत अग्रवाल, आनंद छाबड़ा सहित कई आईपीएस अधिकारी और अन्य के घर छापेमारी कार्रवाई की गई थी। लगातार सीबीआई की टीम प्रदेश के अलग-अलग हिस्सों में दबिश देकर जांच कर रही है।

भोरमदेव महोत्सव : हंसराज रघुवंशी की प्रस्तुति के समय मचा उत्पात

तोड़-फोड़ कर कुर्सियां उठा ले गए उपद्रवी

कबीरधाम (एजेंसी)।

छत्तीसगढ़ की ऐतिहासिक, पुरातात्त्विक और धार्मिक धरोहर भोरमदेव में 29वें भोरमदेव महोत्सव की बुधवार को शुरूआत हुई है। यह महोत्सव दो दिन तक चलेगा। पहले दिन बुधवार 26 मार्च को भजन संध्या में सुप्रसिद्ध भजन गायक हंसराज रघुवंशी ने देर रात करीब 10 बजे अपनी मधुर आवाज से शिव भक्ति की महिमा भजनों की शानदार प्रस्तुति दी। उनके भजनों से लोग झूमते नजर आए।

वहीं, इस महोत्सव के दौरान अव्यवस्था भी देखने को मिली। स्थिति ऐसी थी कि कार्यक्रम के दौरान मंच के अंतिम छोर में जमकर तोड़फोड़ हुई है। यहां पर उपद्रवियों ने उत्पात मचाया है। सैकड़ों कुर्सियां तोड़ दीं। इसके अलावा कई लोग कार्यक्रम के बाद कुर्सियां अपने घर ले गए हैं, ऐसे में कार्यक्रम के लिए ठेका लिए टेंट कंपनी को नुकसान का सामना करना पड़ा है। इस महोत्सव को लेकर जिला प्रशासन व पुलिस ने बेहतर व्यवस्था का दावा किया था, जो कि धराशायी होते दिखा है। हालात ऐसे थे कि कवर्धा से भोरमदेव करीब 15 किमी की सड़क में शाम सात से लेकर रात 12 बजे तक जाम की स्थिति बनी रही।

बालोद जिला ग्रंथालय में मूलभूत सुविधाओं की कमी से छात्र परेशान अधर में 1150 बच्चों का भविष्य,पीएससी का कोर्स भी बंद हुआ

छात्र यहां लोक सेवा आयोग की फ्री तैयारी करने आते थे, इंटरनेट सुविधा से भी परेशानी

बालोद (एजेंसी)।

बालोद जिले में संचालित एक मात्र जिला ग्रंथालय इन दिनों अपनी मूलभूत सुविधाओं की कमी से जूझ रहा है। यहां पर प्रोजेक्टर की कमी की वजह से पीएससी प्री की तैयारी करने वाले छात्र-छात्राओं के कोर्स को बंद कर दिया गया है। नगर पालिका द्वारा प्रोजेक्टर दिया गया था, जिसे अब वह वापस ले गए हैं। वहीं, भीषण गर्मी की शुरुआत हो चुकी है और यहां पर और कंडीशन के मेंटेनेंस नहीं होने से छात्र-छात्राओं को दिक्कतें हो रही हैं। वहीं, लगभग 1150 छात्र-छात्राएं यहां पर अध्यनरत हैं, लेकिन इस ईलाइब्रेरी में इंटरनेट की सुविधाओं को लेकर छात्र और छात्राएं काफी परेशान हैं। बालोद जिले में संचालित जिला ग्रंथालय में लगभग 1150 स्टूडेंट शिक्षा ग्रहण करने आते हैं। यहां पर इन छात्र-छात्राओं को मूलभूत सुविधाएं और एक ऐसा माहौल उपलब्ध कराना है, जहां वे स्वतंत्र रूप से अध्ययन कर सकें। यहां पर कई छात्र-छात्राएं लोक सेवा आयोग की फ्री की तैयारी करने आते थे, लेकिन यह ग्रंथालय प्रोजेक्टर के लिए नगर पालिका परिषद बालोद के ऊपर निर्भर था। अब नगर पालिका वाले यहां से प्रोजेक्टर ले गए तो लोक सेवा आयोग के परीक्षा की तैयारी कर रहे छात्र-छात्राओं के जीवन में मानो अंधेरा आ गया। लोक सेवा आयोग की तैयारी करना अब बंद कर चुके हैं, क्योंकि प्रोजेक्टर में ऑनलाइन माध्यम से यहां पर अध्ययन कराया जाता था। कुछ छात्र-छात्राओं ने बताया कि यहां के प्रभारी लोकेंद्र बघेल अक्सर कार्यालय से गायब रहते हैं, जिसके कारण कभी उन्हें किताब लेना हो तो कई सारी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है और किताब भी नहीं मिल पाती है। वहीं, यहां पर इंटरनेट तो लगा हुआ है, लेकिन जब उसे कनेक्ट किया जाता है तो नो इंटरनेट लिखता है। इस तरह की सारी दिक्कतें जिला ग्रंथालय में छात्र-छात्राओं को उठानी पड़ रही है। वैसे तो इस जिला ग्रंथालय में वन टाइम मेंबरशिप लेने के लिए 500 रुपए छात्र-छात्राओं को देना होता है, लेकिन यहां पर 500 रुपये के अलावा प्रति माह छात्र-छात्राओं से 50 रुपये लिए जाते हैं जो कि मेंटेनेंस के नाम पर लिए जाते हैं, लेकिन इस मेंटेनेंस राशि का उपयोग मेंटेनेंस में नहीं किया जाता।

भारतीय जनता पार्टी और सीबीआई का फूंका पुतला

छापेमारी को लेकर कांग्रेस में विरोध

रायपुर (एजेंसी)।

छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देश पर गुरुवार को जिला मुख्यालय बीजापुर में कांग्रेस पार्टी के कार्यकर्ताओं ने भारतीय जनता पार्टी और सीबीआई का पुतला दहन किया है। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के महासचिव एवं पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल और विधायक देवेंद्र यादव के यहां सीबीआई छापे को लेकर बीजापुर के कांग्रेस नेताओ ने कहा कि यह छापा सीबीआई का दुरुपयोग है। यह छत्तीसगढ़िया नेतृत्व को दबाने और डराने की कोशिश है। उन्होंने कहा की पूर्व में पूर्व मंत्री और आदिवासी नेता कवासी लखमा को झूठे आरोप में जेल भेजना, पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के यहां ईडी का छापा यह सिद्ध करता है कि छत्तीसगढ़ में वर्तमान भाजपा सरकार अपने मित्र उद्योगपतियों के लिए जगह और मौके तलाश कर रही है।

देश-विदेश

मध्य स्वर्णिम ब्रीफ

इकोलिंक पंजाब किंग्स के साथ ऑफिशियल पार्टनर के रूप में जुड़ा

नई दिल्ली । देश में आईपीएल 2025 के साथ क्रिकेट का जोश चरम पर पहुँच रहा है, तभी लाईटिंग में दुनिया की अग्रणी कंपनी, सिग्निफाई ने इकोलिंक और पंजाब किंग्स की पार्टनरशिप की घोषणा की है। यह पार्टनरशिप इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 के लिए की गई है। इस गठबंधन के अंतर्गत ये दोनों संगठन परफॉर्मेंस, इनोवेशन और ग्राहकों एवं फैंस को बेहतरीन अनुभव प्रदान करने की अपनी प्रतिबद्धता का प्रदर्शन करेंगे। गर्मियों की शुरुआत के साथ इकोलिंक और पंजाब किंग्स के बीच यह पार्टनरशिप इकोलिंक द्वारा इनोवेटिव फैन लॉन्च से पहले की गई है। पंजाब किंग्स की टीम जिस प्रकार क्रिकेट के मैदान में सबसे अच्छा प्रदर्शन करने का प्रयास करती है, उसी प्रकार इकोलिंक अपने भरोसेमंद और एफिशियंट उत्पादों द्वारा भारतीय परिवारों के जीवन में ताजा हवा का झोंका प्रदान करने के लिए समर्पित है। इसलिए इन दोनों के बीच यह साझेदारी स्वाभाविक है। आईपीएल 2025 के सीज़न में इकोलिंक को पंजाब किंग्स के प्रमोशनल कैम्पेन, डिजिटल एक्टिवेशन और स्ट्रेटिजक ब्रांड प्लेसमेंट्स में जबरदस्त विज़िबिलिटी मिलेगी।

क्लासिक 650 भारत में लांच

नई दिल्ली । मिडसाइज़ मोटरसाईकल सेगमेंट (250 सीसी से 750 सीसी) में ग्लोबल लीडर, रॉयल एनफील्ड ने भारत में क्लासिक 650 पेश की है। इसका मूल्य 3,37,000 से शुरू होता है। क्लासिक 650 क्लासिक रेंज की विरासत को आगे बढ़ाते हुए टाइमलेस सौंदर्य के साथ आधुनिक डिज़ाइन और सॉफिस्टिकेटेड कारीगरी का बेहतरीन मिश्रण पेश कर रही है, जो मोटरसाईक्लिंग की शुद्ध भावना के अनुरूप है। क्लासिक ने मोटरसाईकल की दुनिया में एक सांस्कृतिक क्रांति ला दी है। रॉयल एनफील्ड के इतिहास में समाई हुई क्लासिक की विरासत मोटरसाईक्लिंग के स्वर्णिम युग से चली आ रही है। क्लासिक 650 मोटरसाईकल में विरासत के साथ आधुनिकता, परंपरा के साथ इनोवेशन और पुराने समय की यादों के साथ आधुनिक कारीगरी का बेहतरीन मिश्रण पेश किया गया है। इसका हर कर्व, हर पॉलिश्ड मेटल एक्सेंट और हर सिग्नेचर डिटेल उस समय की कहानी सुनाती है, जब मोटरसाईकल आजीवन संभालकर रखने के लिए बनाई जाती थी।

लेविस पेश करते हैं सहज, आसान एवं आइकोनिक लूज़ फिट्स

नई दिल्ली । ब्राण्ड लेविस अपने नए कैंपेन लेविस इन इजी के साथ स्टाइल और संस्कृति की सीमाओं को पार करना जारी रखे हुए है। अपने ग्लोबल ब्राण्ड अम्बेसडर, म्युज़िक आइकन एवं फैशन ट्रेलब्लेज़र दिलजीत दोसांझ के साथ यह कैंपेन रिलेक्स एवं लूज़ फिट परिधानों को दर्शाता है जो आत्मविश्वास और आसानी से स्टाइल को सहज बना देते हैं। संस्कृति और स्टाइल का संयोजन यह साझेदारी सिर्फ स्टाइल के बारे में ही नहीं है। यह एक सांस्कृतिक पल है। आज के दौर में दिलजीत दोसांझ जैसे कुछ सितारे ट्रैंड्ज़ को नया आयाम दे रहे हैं। सोल्ड- आउट वर्ल्ड टूर से लेकर फिल्म एवं फैशन की तरफ़ दर्शकों को लुभाने तक, उनका प्रभाव सीमाओं से परे है। यह साझेदारी भारत में डेनिम हेरिटेज और आधुनिक स्टाइल के संयोजन के लिए ब्राण्ड की प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

बिन पानी सब सून : जल संकट की आहट , देश के प्रमुख जलाशयों में 45 प्रतिशत तक गिरा जल स्तर

मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार मार्च से मई के बीच झुलसा देने वाली गर्मी पड़ेगी

नई दिल्ली (एजेंसी)।

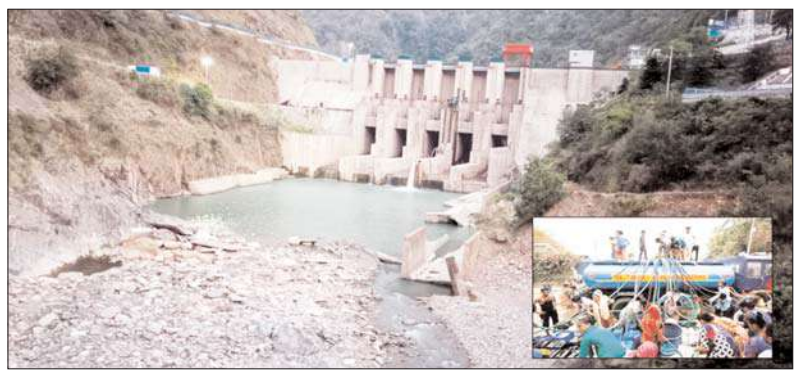

अभी तो ठीक से गर्मी की शुरुआत भी नहीं हुई कि जल संकट की आहट आने लगी है। केंद्रीय जल आयोग (सीडब्ल्यूसी) की रिपोर्ट के अनुसार, देश के ज्यादातर प्रमुख जलाशयों का जलस्तर उनकी कुल क्षमता का 45 फीसदी तक कम हो गया है। मौसम विज्ञान विभाग ने मार्च से मई के बीच झुलसा देने वाली गर्मी के दिनों की अवधि सामान्य से अधिक रहने की भविष्यवाणी की है। ऐसे में परेशानियां बढ़ने की आशंका है।

इस समय उत्तरी क्षेत्र के जलाशयों का जल स्तर उनकी कुल क्षमता का सिर्फ 25 फीसदी रह गया है। इनमें पंजाब, हिमाचल प्रदेश और राजस्थान के 11 जलाशय हैं। हिमाचल प्रदेश और पंजाब के जलाशयों में सामान्य से क्रमशः 36 और 45 फीसदी कम पानी है। इसी तरह पश्चिमी क्षेत्र के जलाशयों का जलस्तर उनकी क्षमता का 55प्रतिशत, मध्य क्षेत्र में 49 और पूर्वी क्षेत्र में 44 फीसदी है। देश की 20 नदी घाटियों में से 14 में मौजूदा जल भंडार उनकी क्षमता के मुकाबले आधे से भी कम है। इन नदी बेसिनों में से गंगा अपनी सक्रिय क्षमता के मुकाबले मात्र 50 फीसदी पर है, जबकि गोदावरी में 48, नर्मदा में 47 और कृष्णा में सिर्फ 34 फीसदी पानी ही शेष बचा है। ये जलाशय सिंचाई के साथ ग्रामीण और शहरी घरेलू जल आपूर्ति के लिए सबसे महत्वपूर्ण स्रोतों में से एक हैं। हालांकि, बढ़ते तापमान के साथ इन बहुमूल्य जल संसाधनों के अत्यधिक दोहन के कारण ऐसी स्थिति उत्पन्न हुई है। सीडब्ल्यूसी के अनुसार, देश के 155 प्रमुख जलाशयों में फिलहाल 8,070 करोड़ क्यूबिक मीटर (बीसीएम) पानी बचा है, जबकि इनकी कुल क्षमता 18,080 करोड़ क्यूबिक मीटर है। पानी का सबसे अधिक उपयोग खेती में होता है, इसके बाद औद्योगिक क्षेत्र और घरेलू आवश्यकताओं के लिए होता है। देश के कई हिस्सों में पहले ही तापमान सामान्य से बहुत अधिक है और मानसून आने में अभी दो महीने से ज्यादा का समय है। ऐसे में जलाशयों का घटता जलस्तर रबी और खरीफ के बीच उगाई जाने वाली फसलों पर असर डाल सकता है।

अशांत और परेशान पड़ोसी देशों के साथ मदद के लिए तैयार है भारत

श्रीलंका, पाक, बांग्लादेश और अफगानिस्तान आर्थिक संकट से जूझ रहे

नई दिल्ली (एजेंसी)।

भले ही पाकिस्तान आए दिन भारत के खिलाफ एक नई साजिश रचता हो इसके बाद भी भारत उसके संकट में साथ खड़ा दिखाई देता है। श्रीलंका, पाकिस्तान, बांग्लादेश और अफगानिस्तान गहरे राजनीतिक और आर्थिक संकट का सामना कर रहे हैं। इनके बीच भारत की स्थिर और सुरक्षित स्थिति एक बार फिर साबित करती है कि देश में लोकतांत्रिक जड़े कितनी मजबूत हैं। जबकि इसके पड़ोसियों की बस एक ही कोशिश दिखती है कि चाहे नाममात्र की सही लेकिन लोकतांत्रिक व्यवस्था कायम रहे।

पाकिस्तान के सिंध प्रांत में जनाक्रोश देखने को मिल रहा है। यहां पिछले कई दिनों से प्रदर्शनों का सिलसिला जारी है। लोग सिंधु नदी पर बन रही है 6 नहर परियोजनाओं का विरोध कर रहे हैं। उनका आरोप है कि ये नहरें सिंध को उसके पानी से हमेशा के लिए वंचित कर देगी। इन सबसे बड़ा सवाल खड़ा हो गया है कि क्या देश अपनी अखंडता को सुरक्षित रख पाएगा। अफगानिस्तान के साथ इस्लामाबाद के रिश्ते सबसे खराब दौर से गुजर रहे हैं। पाक-अफगान बॉर्डर पर हालात तनावपूर्ण हैं। पाकिस्तान की हालत शायद सबसे खराब है। देश की अर्थव्यस्था लड़खड़ा रही है वहीं बलूचिस्तान प्रांत में अलगाववादी आवाजें जोर पकड़ रही हैं। बलूच लिबरेशन आर्मी (बीएलए) जैसे चरमपंथी संगठन सीधे सरकार को चुनौती दे रहे हैं। देश के सबसे बड़े प्रांत में चीन ने बड़े पैमाने पर निवेश किया है अगर इस प्रांत में हिंसा बढ़ती है तो बीजिंग अपने कदम खींच सकता है जो इस्लामाबाद के लिए सबसे बड़ा झटका होगा। श्रीलंका को पिछले कुछ वर्षों में गंभीर आर्थिक संकट, भारी ऋण, भुगतान संतुलन का संकट, आवश्यक वस्तुओं की कमी, राजनीतिक अस्थिरता का सामना करना पड़ा है। देश अपने सबसे बुरे आर्थिक संकट से उबरने की कोशिश कर रहा है।

भारत में लॉन्च हुई नई डीफेंडर ऑक्टा

मुंबई । डीफेंडर ने भारत में अपनी अनस्टॉपेबल 4ङ्क4 फैमिली में सबसे मजबूत, सबसे सक्षम और सबसे लक्ज़री एसयूवी, नई डीफेंडर ऑक्टा का लॉन्च किया है। बेहतरीन परफोर्मेन्स देने वाली इस एडवेंचर आइकन को इस तरह से डिज़ाइन किया गया है कि इसके साथ आप बेजोड़ आत्मविश्वास के साथ किसी भी तरह के इलाके पर जीत हासिल कर सकते हैं। 4.4 लीटर ट्विन टर्बो माइल्ड-हाइब्रिड वी8 इंजन से पावर्ड ऑक्टा मॉडल अब तक की सबसे चरम और सबसे शक्तिशाली डीफेंडर है, जो 467 केडब्ल्यू और 750 एमएम1 तक के टोर्क के ँसाथ 4.0 सैकण्ड में 0-100 केएम/एच की स्पीड तक पहुंच जाती है। इसके चेसीज़ कम्पोनेन्ट्स को आधुनिक तकनीक से संशोधित किया गया है, जिसमें शामिल 6 डी डायनामिक्स सस्पेंशन सुनिश्चित करता है कि इसकी डायनामिक क्षमता नई उंचाईयों तक पहुंच जाए। नई डीफेंडर ऑक्टा का एक्सटीरियर पहले से अधिक बोल्ड और अधिक मजबूत है, जो इसके कैरेक्टर को बेहद खास बना देता है। राईड की उंचाई को बढ़ाया गया है, इसके स्टांस को चौड़ा किया गया है और व्हील आर्क को भी बढ़ाकर शानदार लुक दिया गया है। नए डिज़ाइन के बंपर बेहतर दृष्टिकोण और डिपार्चर एंगल देते हैं, जबकि मजबूत अंडरबॉडी सुरक्षा, ड्राइवर को मुश्किल इलाकों में ड्राइव करने का आत्मविश्वास देती है।

इनफिनिक्स ने नोट 50 एक्स 5जी प्लस पेश किया

नई दिल्ली । नए युग के स्मार्टफोन ब्रांड, इनफिनिक्स ने अत्याधुनिक नोट 50 एक्स 5जीप्लस पेश किया। यह स्मार्टफोन आधुनिक डिजिटल लाईफ स्टाईल में यूजर्स के लिए परफॉर्मेंस, डिजाईन और अनुभव के नए मानक स्थापित कर देगा। नोट 50 एक्स 5जीप्लस की सेल फ्लिपकार्ट पर 3 अप्रैल, 2025 से शुरू होगी, जिसमें पहले दिन यह 10,499 रुपये (ऑफर सहित) के विशेष मूल्य में मिलेगा। यह स्मार्टफोन तीन आकर्षक रंगों सी ब्रीज ग्रीन (वेगन लैदर), टाईटेनियम ग्रे और इंचौंटेड पर्पल (मैटेलिक फिनिश) में उपलब्ध होगा। यह स्मार्टफोन टेकप्रेमियों से लेकर दैनिक यूजर्स तक सभी के उपयोग के लिए बनाई गई है। इनफिनिक्स इंडिया के सीईओ, अनीश कपूर ने कहा, इनफिनिक्स में हम आधुनिक पीढ़ी के लिए निरंतर इनोवेशन करने और अपने दायरों को बढ़ाकर ऐसे उत्पाद बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं, जो आधुनिक, भविष्य के लिए तैयार एवं उपयोगी हों। हम सदैव परफॉर्मेंस पर केंद्रित रहते हैं। 2025 में हमने डिवाईस की परफॉर्मेंस को और ज्यादा बढ़ा दिया है।

500 सालों के लंबे संघर्ष के बाद अब कुछ माह के अंदर ही भगवान राम के मंदिर के शिखर का निर्माण पूरा होगा

राम मंदिर ट्रस्ट को मंदिर का काम जून 2025 तक पूरा होने की उम्मीद, द्वितीय तल का कार्य तीव्र गति से हो रहा है

अयोध्या (एजेंसी)।

अयोध्या में 500 सालों के लंबे संघर्ष के बाद अब कुछ माह के अंदर प्रभु राम के मंदिर के शिखर का निर्माण पूरा होगा। साल 2019 में सुप्रीम कोर्ट के द्वारा आए फैसले के बाद अयोध्या में तीव्र गति के साथ मंदिर का निर्माण शुरू हुआ। 22 जनवरी साल 2024 को प्रभु राम भी अपने मंदिर में विराजमान हुए। राम मंदिर में प्रभु राम के विराजमान होने के बाद पूरे देश दुनिया के भक्त अयोध्या पहुंचने लगे।

लेकिन हर राम भक्त के मन में यही सवाल होता है कि आखिर कब तक मंदिर बनकर तैयार होगा, तब उनका सपना अब जल्द ही पूरा होने वाला है। राम जन्मभूमि परिसर में मुख्य शिखर अथवा द्वितीय तल का कार्य तीव्र गति से हो रहा है। राम मंदिर का निर्माण भी 96 प्रतिशत से ज्यादा पूरा कर लिया गया है। मुख्य शिखर में 22 परत का कार्य पूरा हो चुका है। राम मंदिर के मुख्य शिखर में करीब 32000 घन फीट पत्थर को 29 परत में समायोजित किया गया। यानी कि राम मंदिर ट्रस्ट के मुताबिक जून तक शिखर का भी निर्माण पूरा होगा। वहीं द्वितीय तल पर सीढ़ी स्तंभ अथवा दीवारों पर अवशेष कार्य तेज गति से हो रहा है। इसके अलावा द्वितीय तल पर दरवाजे को भी लगाने का कार्य तीव्र गति से हो रहा है। राम मंदिर ट्रस्ट के सदस्य डॉक्टर अनिल मिश्रा ने बताया कि मंदिर का निर्माण तीव्र गति के साथ किया जा रहा है। मंदिर के अलावा सप्त मंदिर पर कोटे में स्थित मंदिर को भी बनाया जा रहा है। अपने तय समय सीमा के अंदर मंदिर के सारे कार्य पूरे हो, इस लेकर बैठक भी की जाती है। उम्मीद है कि मंदिर जून 2025 तक पूरा होगा।

मध्य स्वर्णिम ब्रीफ

हरभजन बोले, हिंदी कमेंट्री की गुणवत्ता को बेहतर बनाएंगे

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के दिग्गज स्पिनर रहे हरभजन सिंह आजकल कमेंट्री के क्षेत्र में सक्रिय है। हरभजन आईपीएल में कमेंट्री कर रहे हैं। इसी दौरान हरभजन ने हिंदी कमेंट्री की गुणवत्ता पर सवाल उठाने वाले एक प्रशंसक को भी जवाब दिया है। इससे पहले इस प्रशंसक ने सोशल मीडिया में कहा था कि पहले हिंदी कमेंट्री काफी अच्छी थी पर आजकल ऐसा नहीं रहा है। इसमें जानकारी कम और व्यंगात्मक टिप्पणियां अधिक होती हैं। इसी को लेकर हरभजन ने इस प्रशंसक को दिये जवाब में कहा कि इसमें सुधार किया जाएगा। इस पूर्व भारतीय स्पिनर ने सोशल मीडिया में लिखा, जानकारी के लिए धन्यवाद। हम इस सुझाव पर काम करेंगे। गौरतलब है कि आईपीएल में हरभजन सिंह के अलावा वीरेंद्र सहवाग, नवजोत सिंह सिद्धू, शिखर धवन, सुरेश रैना, रॉबिन उथप्पा के आलावा आकाश चोपड़ा सहित कई अन्य पूर्व क्रिकेटर हिंदी कमेंट्री पैनल में शामिल हैं।

प्रिंस यादव ने ट्रेविस हेड को किया बोल्ड, टी20 में ले चुके हैट्रिक

हैदराबाद (एजेंसी)। आईपीएल 2025 का रोमांच जारी है। 18वें सत्र का सातवां मुकाबला सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) और लखनऊ सुपर जाएंट्स (एलएसजी) के बीच खेला जा रहा है। इस मैच में लखनऊ के गेंदबाज प्रिंस यादव ने हैदराबाद के स्टार बल्लेबाज ट्रेविस हेड को बोल्ड किया और अपने आईपीएल करियर की शानदार शुरुआत की। प्रिंस ने इस सत्र में ही डेब्यू किया है। लखनऊ के कप्तान ऋषभ पंत ने युवा गेंदबाज को दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ मुकाबले में मौका दिया। पहले मैच में भले ही वह कुछ खास कमाल नहीं कर पाए, लेकिन अपने आईपीएल करियर के दूसरे मैच में प्रिंस ने हैदराबाद के ट्रेविस हेड को बोल्ड कर अपना लोहा मनवा लिया। उन्हें यह सफलता एसआरएच की पारी के आठवें ओवर की तीसरी गेंद पर मिला। 23 वर्षीय तेज गेंदबाज प्रिंस दिल्ली से ताल्लुक रखते हैं। दिल्ली प्रीमियर लीग 2024 में पांचवें सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं। उनके नाम डीपीएल में लगातार तीन विकेट लेने का रिकॉर्ड दर्ज है। वह ऐसा करने वाले इकलौते गेंदबाज हैं। पुरानी दिल्ली 6 के लिए खेलते हुए उन्होंने 10 मैचों में 13 विकेट अपने नाम किए। प्रिंस ने आईपीएल 2025 की मेगा नीलामी से पहले सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में उत्तर प्रदेश के खिलाफ अपने करियर का पहला टी20 मुकाबला खेला था। इसके अगले ही दिन लखनऊ सुपर जाएंट्स ने उन्हें 30 लाख रुपये के आधार मूल्य पर टीम में शामिल कर लिया। एसएमएटी 2024-25 के सत्र में प्रिंस ने 7.54 के इकोनॉमी रेट से 11 विकेट हासिल किए थे। इसके बाद वह 50 ओवरों की विजय हजारे ट्रॉफी में भी दिल्ली के लिए सर्वाधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज रहे। उन्होंने छह मैचों में 22.00 की औसत से 11 विकेट अपने नाम किए थे।

चेन्नई के खिलाफ मैच के लिए बेंगलुरु बदले टीम : वॉटसन

चेन्नई (एजेंसी)। आईपीएल 2025 का रोमांच फैंस के सिर चढ़कर बोल रहा है। शुक्रवार को पांच बार की चैंपियन चेन्नई सुपर किंग्स का सामना रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु से होगा। चेपॉक में खेले जाने वाले इस मैच को लेकर फैंस बेहद उत्साहित हैं, क्योंकि 2024 में आरसीबी से ही हारने के बाद सीएसके प्लेऑफ की रेस से बाहर हो गई थी। ऐसे में चेन्नई की टीम उस मैच का बदला लेने की पूरी कोशिश करेगी। इस मैच को लेकर अब ऑस्ट्रेलिया के पूर्व ऑलराउंडर शेन वॉटसन की प्रतिक्रिया भी सामने आई है। उन्होंने कहा कि इस मैच में आरसीबी की टीम को चेपक की पिच की जरूरत के मुताबिक अपने टीम संयोजन में बदलाव करना होगा। आरसीबी ने कोलकाता नाइट राइडर्स पर शानदार जीत दर्ज की थी, लेकिन वॉटसन का मानना है कि चेन्नई के खिलाफ उन्हें बड़ी चुनौती का सामना करना पड़ेगा। वॉटसन ने जियोस्टार पर कहा, आरसीबी के लिए चेपक में खेलना एक बड़ी चुनौती होगी। खासतौर पर सुपरकिंग्स के पास मौजूदा समय के कुछ बेहतरीन गेंदबाजी विकल्प हैं। सुपरकिंग्स की ताकत का मुकाबला करने के लिए आरसीबी को अपने टीम संयोजन में बदलाव करने की जरूरत होगी, लेकिन देखना होगा कि वह कोई गलती न कर बैठें। चेपॉक एक किला है।

शाहरुख से मिलने के लिए बैरिकेड पार करने की कोशिश करता दिखा शख्स

कोलकाता (एजेंसी)। आईपीएल 2025 में अब तक कई ऐसे मामले आ चुके हैं, जिसमें कोई फैन सुरक्षा घेरे को पार कर अपने पसंदीदा खिलाड़ी या सेलिब्रिटी से मिलने मैदान पर पहुंच गया हो। विराट कोहली से लेकर रियान पराग तक से मिलने के लिए फैन सुरक्षा बैरिकेड को पार कर मैदान में पहुंच गया। इससे खिलाड़ियों की सुरक्षा को लेकर सवाल खड़े हो रहे हैं। इसी कड़ी में एक और घटना सामने आई है। इस घटना में एक फैन केकेआर के मालिक शाहरुख खान से मिलने के लिए कोलकाता के ईडन गार्डेंस की फेंसिंग को पार करने की कोशिश करता दिखा। हालांकि, पुलिस ने समय रहते उसे पकड़ लिया और उसकी जमकर पिटाई की। इसका वीडियो भी सामने आया है। यह घटना आईपीएल 2025 के पहले मैच यानी 22 मार्च की बताई जा रही है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, उस दिन कोलकाता नाइट राइडर्स और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के बीच खेले गए मुकाबले के बाद यह घटना घटी। फैन फेंस पर चढ़कर उसे पार करने की कोशिश करता दिखा, लेकिन सुरक्षा अधिकारियों ने उसे पकड़ लिया और उस पर लात घूसे बरसा दिए। शाहरुख से मिलने के लिए पहुंचने की कोशिश करना इसलिए भी गंभीर विषय है क्योंकि हाल फिलहाल में अभिनेता सलमान खान को काफी धमकियां मिली हैं।

चेन्नई सुपर किंग्स व रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु में आज रोमांचक मुकाबले होने की उम्मीद

शाम 7.30 बजे से होगा मैच, मैच में दोनो ही टीमें जीत के इरादे से उतरेंगी

चेन्नई (एजेंसी)। आईपीएल में शुक्रवार को चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) का मुकाबला रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू (आरसीबी) से होगा। इस मैच में दोनो ही टीमें जीत के इरादे से उतरेंगी। इस मैच में सीएसके जीत की प्रबल दावेदार मानी जा रही है। इसका कारण है कि वह अपने घरेलू मैदान पर खेल रही है जिसका लाभ उसे मिलेगा। इसके अलावा टीम का प्रदर्शन अब तक अच्छा रहा है। उसने शुरुआती मैच में मुम्बई इंडियंस के खिलाफ अच्छी जीत दर्ज की थी। वहीं आरसीबी की टीम इस मैदान में अब तक केवल एक बार ही जीती है। वह भी 17 साल पहले साल 2008 में। इसके बाद से ही आरसीबी को यहां एक भी जीत नहीं मिली है। ऐसे में आरसीबी का लक्ष्य इस बार किसी भी हाल में जीतना रहेगा। साल 2008 सत्र में जब आसीबी को जीत मिली थी। उस टीम से अब केवल विराट कोहली ही एकमात्र खिलाड़ी हैं जो वर्तमान टीम में हैं। ऐस में आरसीबी

का लक्ष्य इस मैच को जीतना रहेगा हालांकि ये उसके लिए आसान नहीं होगा क्योंकि सीएसके की टीम के स्पिनरों का सामना करना उसे लिए आसान नहीं होगा। इस मैदान पर पिच स्पिनरों की सहायक रही है। सीएसके टीम के पास रविंद्र जडेजा आर अश्विन जैसे अनुभवी स्पिनर हैं। इसके अलावा अफगानिस्तान के बाएं हाथ के कलाई के स्पिनर नूर अहमद को भी टीम में उसने शामिल किया है। इन गेंदबाजों ने कुछ दिन पहले ही पांच बार की चैंपियन मुंबई इंडियंस के खिलाफ अच्छा प्रदर्शन किया था। इसको देखते हुए आरसीबी के लिए रन बनाना आसान नहीं होगा।

आरसीबी के बल्लेबाजों को सीएसके के स्पिनरों के खिलाफ पूरी तरह से आक्रामक होने के लिए काफी ध्यान से खेलना होगा। इस मामले में विराट को बल्लेबाजी की कमान संभालनी होगी। स्पिन का सामना करना हालांकि उनका मजबूत पक्ष नहीं रहा है लेकिन पिछले दो वर्षों में उन्होंने इस विभाग में काफी सुधार दिखाया है।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं

चेन्नई सुपर किंग्स : रुतुराज गायकवाड़ (कप्तान), महेंद्र धोनी, रविंद्र जडेजा, शिवम दुबे, मथीशा पथिराना, नूर अहमद, रविचंद्रन अश्विन, डेवोन कॉनवे, सैयद खलील अहमद, रचिन रविंद्र, राहुल त्रिपाठी, विजय शंकर, सैम कुरेन, शेख राशिद, अंशुल कंबोज, मुकेश चौधरी, दीपक हुड्डा, गुरजनप्रीत सिंह, नाथन एलिस, जेमी ओवरटन, कमलेश नागरकोटी, रामकृष्णन घोष, श्रेयस गोपाल, वंश बेदी और आंद्रे सिद्दार्थ।

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु : रजत पाटीदार (कप्तान), विराट कोहली, यश दयाल, जोश हेजलवुड, फिल सॉल्ट, जितेश शर्मा, लियाम लिविंगस्टोन, रसिख सलाम, सुयश शर्मा, कृणाल पांड्या, भुवनेश्वर कुमार, स्वप्निल सिंह, टिम डेविड, रोमारियो शेफर्ड, नुवान तुषारा, मनोज भंडागे, जैकब बेथेल, देवदत्त पडिक्कल, स्वस्तिक चिकारा, लुंगी एनगिडी, अभिनंदन सिंह और मोहित राठी।

इंग्लैंड दौरे पर भी रोहित शर्मा ही रहेंगे कप्तान

बीसीसीआई किसी प्रकार के बदलाव के पक्ष में नहीं है

मुम्बई (एजेंसी)। रोहित शर्मा का आगामी इंग्लैंड दौरें में भी भारतीय टीम का कप्तान बने रहना तय है। एक रिपोर्ट के अनुसार भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) इस दौरे के लिए कप्तानी में किसी प्रकार के बदलाव के पक्ष में नहीं है। भारतीय टीम साल 2007 के बाद पहली बार इंग्लैंड में टेस्ट सीरीज जीतने के इरादे से इस दौरे पर जाएगी। भारत और इंग्लैंड के बीच पांच टेस्ट मैचों की ये सीरीज 20 जून से हेडिंग्ले में शुरू होगी। इससे पहले न्यूजीलैंड के खिलाफ घरेलू सीरीज और ऑस्ट्रेलिया दौरे पर भारतीय टीम विफल रही थी। जिसके बाद से ही माना जा रहा था कि रोहित को कप्तानी से हटाया जा सकता है पर चैम्पियंस ट्रॉफी में भारतीय टीम को मिली जीत के बाद बोर्ड रोहित को अभी और अवसर देना चाहता है।

रोहित ने भी हाल ही में कहा था कि अभी उनका संन्यास का कोई इरादा नहीं है। चयन समिति के आईपीएल फाइनल से पहले इंग्लैंड दौरे के लिए भारतीय टीम घोषित करने की उम्मीद है। मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर वाली

समिति इसके साथ ही चार दिवसीय मैचों के लिए इंडिया ए टीम का भी चयन करेगी। ये मैच टेस्ट सीरीज से पहले खेले जाएंगे। इस टीम में राष्ट्रीय टीम के कुछ खिलाड़ी भी खेलेंगे। रोहित के खराब फार्म के कारण पिछले दिनों उन्हें टीम में जगह दिये पर भी सवाल उठे थे। उन्होंने सितंबर 2024 से जनवरी 2025 के बीच 10 टेस्ट मैचों में केवल 164 रन बनाए थे। ऑस्ट्रेलिया दौरे पर उनका प्रदर्शन बहुत खराब रहा था। उन्होंने 6.2 की औसत से सिर्फ 31 रन बनाए थे। यह किसी भी दौरे पर गए कप्तान का सबसे खराब प्रदर्शन था। जनवरी में रणजी ट्रॉफी में भी वह अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाए थे।

महिला हॉकी टीम लॉस एंजिल्स ओलंपिक की तैयारियों में लगी

दिग्गज ड्रैग फ्लिक ताइके ताइकेमा दे रहे टीम को परीक्षण

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय महिला हॉकी टीम 2028 लॉस एंजिल्स ओलंपिक के लिए अभी से तैयारियों में लगी है। हॉकी इंडिया ने टीम की तैयारियों के लिए नीदरलैंड के दिग्गज ड्रैग फ्लिक ताइके ताइकेमा से भी करार किया है। इसी के तहत ताइकेमा टीम की इस कमजोरी को भी टीम करने में लगे हैं। ताइकेमा ने पिछले महीने भुवनेश्वर में प्रो लीग से पहले सात दिवसीय शिविर में भी भारतीय खिलाड़ियों को प्रशिक्षण दिया था। भारत ने प्रो लीग के घरेलू चरण में इंग्लैंड, जर्मनी, नीदरलैंड और स्पेन के खिलाफ अच्छा प्रदर्शन किया था। ताइकेमा के मार्गदर्शन में शिविर का मुख्य उद्देश्य तकनीकी कौशल को निखारने

के साथ ड्रैग फ्लिक की सटीकता में सुधार करना था। भारतीय महिला टीम के मुख्य कोच हरेंद्र सिंह ने कहा कि शिविर खिलाड़ियों के लिए बहुत फायदेमंद रहा और ताइकेमा लॉस एंजिल्स खेलों तक अल्पकालिक आधार पर टीम के साथ काम करना जारी रखेंगे।

श्रेयस अय्यर ने शॉर्ट पिच गेंदों को बेहतर तरीके से खेलना सीखा : केन विलियमसन

आईपीएल में गुजरात टाइटंस के खिलाफ खेली 97 रनों की पारी के लिए भी श्रेयस को सराहा

नई दिल्ली (एजेंसी)। न्यूजीलैंड के अनुभवी बल्लेबाज केन विलियमसन ने भारतीय टीम के बल्लेबाज श्रेयस अय्यर की प्रशंसा करते हुए कहा है कि उसने अपने खेल में काफी सुधार किया है। विलियमसन ने आईपीएल में गुजरात टाइटंस के खिलाफ खेली 97 रनों की पारी के लिए भी श्रेयस को सराहा। साथ ही कहा कि मध्यक्रम के इस बल्लेबाज ने शॉर्ट पिच गेंदों को खेलने जैसी चुनौतियों से भी बेहतर तरीके निपटना सीख लिया है।

अय्यर ने गुजरात टाइटंस के खिलाफ 42 गेंदों पर नौ छक्कों और पांच चौके लगाये थे। विलियमसन ने कहा, 'श्रेयस के लिए सबसे अधिक लाभप्रद ये रहा कि उसने अपने खेल में लगातार सुधार किया है। एक समय पर उन्हें गेंदबाज शॉर्ट पिच गेंदों से अपने शिकार बना

लेते थे पर अब उसने अपनी ये कमजोरी दूर कर ली है। उसने इस बार शॉर्ट पिच गेंदों का बड़ी अच्छी तरह से सामना किया है। उन्होंने कहा, 'उसकी सबसे बड़ी विशेषता आगे के पांव में तेजी से वजन डालना है जिससे उन गेंदबाजों के लिए मुश्किल बढ़ जाती है जो उन्हें कभी शॉर्ट और फिर फुल लेंथ गेंद से परेशान करते थे। अब वह मैदान के हर क्षेत्र में शॉट लगा रहा है, जिससे वह एक संपूर्ण बल्लेबाज के तौर पर सामने आया है। इसी कारण ही उसने गुजरात के खिलाफ पहली गेंद से ही आक्रमण शुरु कर दिया था।

पीएसएल में करांची किंग्स की कप्तानी करते हुए नजर आयेंगे डेविड वॉर्नर

वॉर्नर पहली बार पाकिस्तान सुपर लीग में खेलते हुए नजर आएंगे

लाहौर (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व क्रिकेटर डेविड वॉर्नर अगले माह 11 अप्रैल से शुरु हो रहे पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) के 10 सत्र में करांची किंग्स की कप्तानी करते हुए नजर आयेंगे। कराची किंग्स ने वॉर्नर को अपना नया कप्तान बनाया है। वार्नर को शान मसूद की जगह कप्तान बनाया गया है। वॉर्नर पहली बार पाकिस्तान सुपर लीग में खेलते हुए नजर आएंगे। वॉर्नर को इससे पहले आईपीएल में किसी भी टीम ने अपने साथ नहीं जोड़ा था। ऐसे में उन्होने पीएसएल में खेलने पाक का रुख किया। वॉर्नर को इसमें कराची ने उन्हें अपने साथ जोड़ा। कराची किंग्स के मालिक

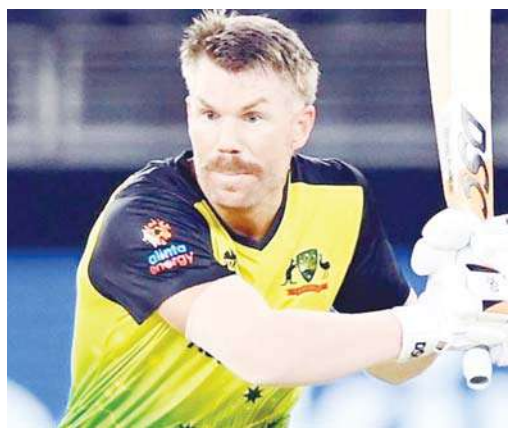

सलमान इकबाल ने वॉर्न को कप्तान सौंपने पर खुशी जताते हुए कहा, हम डेविड वॉर्नर का नए कप्तान के रूप में कराची किंग्स परिवार में स्वागत करते हैं। एक लीडर और मैच विजेता के रूप में उनका ट्रैक रिकॉर्ड शानदार रहा हैहै। हम पिछले सत्र में कप्तान रहे शान मसूद के योगदान की भी सराहना करते हैं। एक मजबूत नीवं रखने में उनके प्रयास अहम थे। हमें टीम ने एक प्रमुख खिलाड़ी के रूप में उनसे काफी उम्मीदें हैं। गौरतलब है कि वॉर्नर को टी20 क्रिकेट का खास अनुभव है। उन्होंने आईपीएल, बिग बैश लीग सहित कई लीगों में कप्तानी की है। वह टी20 क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ियों में शामिल हैं। उन्होंने 399 टी20 मैचों में 37.00 की औसत से 12913 रन बनाए हैं।

निडर होकर खेल रहे युवा भारतीय क्रिकेटरों से प्रभावित हैं स्टोइनिस

भारत के युवा क्रिकेटरों की जमकर प्रशंसा की

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईपीएल में पंजाब किंग्स की तरफ से खेल रहे ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर मार्कस स्टोइनिस ने भारत के युवा क्रिकेटरों की जमकर प्रशंसा की है। स्टोइनिस ने कहा कि जिस प्रकार से भारतीय युवा खिलाड़ी निडर होकर खेल रहे हैं वह सराहनीय है। स्टोइनिस के अनुसार इसी कारण भारतीय टीम को टी20 प्रारुप से रोहित शर्मा, विराट कोहली और रविंद्र जडेजा जैसे अनुभवी खिलाड़ियों के एकसाथ संन्यास लेने से भी कोई प्रभाव नहीं पड़ा। इनकी जिम्मेदारी बाद तिलक वर्मा , अभिषेक शर्मा और वाशिंगटन सुंदर जैसे खिलाड़ियों ने अच्छी तरह से संभाल ली है। वह पंजाब किंग्स के युवा बल्लेबाज प्रियांश आर्य की पारी से भी प्रभावित नजर आये। स्टोइनिस ने कहा, 'भारतीय क्रिकेट में काफी

गहराई है। वह हमेशा से रही है। और मेरा मानना है कि आईपीएल से उनके खिलाड़ियों को विश्व स्तर पर अपने कौशल का नमूना पेश करने का अवसर मिल रहा है। उन्होंने कहा, 'युवा खिलाड़ी आत्मविश्वास से भरे हैं क्योंकि उन्हें अपने करियर की में ही आईपीएल जैसे टूर्नामेंट में दबाव के हालातों से गुजरने का लाभ मिल जाता है।

इंग्लैंड लायंस के खिलाफ खेलेंगे आईपीएल से बाहर चल रहे कुछ अनुभवी क्रिकेटर

मई-जून में चार दिवसीय दो मुकाबले खेलने हैं

मुंबई (एजेंसी)। आईपीएल से बाहर चल रहे भारतीय क्रिकेट टीम के कुछ खिलाड़ी जून में इंग्लैंड के खिलाफ होने वाली सीरीज को देखते हुए अभ्यास के लिए इंग्लैंड लायंस के खिलाफ होने वाले मुकाबलों में खेल सकते हैं।

भारत ए टीम को इंग्लैंड लायंस के खिलाफ मई-जून में चार दिवसीय दो मुकाबले खेलने हैं। भारतीय टीम को आईपीएल के बाद इंग्लैंड दौरे में पांच मैचों की टेस्ट सीरीज खेलनी है। इस दौरे का पहला मैच 20 जून से हेडिंग्ले में शुरू होगा। भारतीय टीम सला 2007 के बाद से ही यहां पहली सीरीज जीतने उतरेगी। इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने कहा, 'पहला चार दिवसीय मैच 30 मई से कैंटरबरी के सेंट लॉरेंस के स्पिटफायर मैदान में खेला जाएगा। वहीं दूसरा मैच एक सप्ताह बाद छह जून से नॉर्थम्प्टन के काउंटी मैदान में होगा। भारतीय टीम के अधिकतर खिलाड़ी इस समय आईपीएल टीमों से खेल रहे हैं। जिसके नॉकआउट मैच 20, 21 और 23 मई को खेले जाएंगे जिसके बाद 25 मई को फाइनल होगा।

एशेज सीरीज के बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से हट जाएगा गाबा मैदान, प्रशंसकों को क्रिकेट मुकाबले देखने को नहीं मिलेंगे

इंग्लैंड के खिलाफ आगामी एशेज सीरीज के बाद यह मैदान अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से विदा ले लेगा

ब्रिस्बेन (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के ब्रिस्बेन स्टेडियम में अब प्रशंसकों को क्रिकेट मुकाबले देखने को नहीं मिलेंगे। इंग्लैंड के खिलाफ आगामी एशेज सीरीज के बाद यह मैदान अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से विदा ले लेगा। इस मैदान पर दशकों से क्रिकेट और ऑस्ट्रेलियाई फुटबॉल लीग (एएफएल) मुकाबले होते रहे हैं। इसको 2032 ओलंपिक और पैरालंपिक खेलों के बाद ध्वस्त कर दिया जाएगा। गाबा स्टेडियम को क्रिकेट और फुटबॉल का गढ़ माना जाता है पर अब क्वींसलैंड सरकार ने इस ऐतिहासिक मैदान की जगह विक्टोरिया पार्क में एक नया, अत्याधुनिक स्टेडियम बनाने की घोषणा की है। यह स्टेडियम करीब 63,000 दर्शकों की क्षमता

वाला होगा और भविष्य में बड़े अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट की मेजबानी के लिए उपयोग में लाया जाएगा। गाबा स्टेडियम को क्रिकेट की दुनिया में ऑस्ट्रेलिया का एक ऐसा मैदान माना जाता है जहां उसे हमेशा ही जीत मिलती रही है हालांकि साल 2021 में भारतीय क्रिकेट टीम ने इस मैदान पर जीतक मेजबान टीम का अजेय वाला रिकार्ड तोड़ दिया था। भारतीय टीम ने बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के दौरान ऑस्ट्रेलिया को साल 1988 के बाद पहली बार इस मैदान पर पराजित किया था। गाबा स्टेडियम लंबे समय से पुरानी संरचना और सीमित सुविधाओं के कारण निशाने पर बना हुआ था। इसे मैदान के पुनर्निर्माण की पहले योजना थी पर भारी भरकम खर्च को देखते हुए रद्द कर दिया गया। लोग इस स्टेडियम के भी भारी रकम खर्च करने के खिलाफ थे जिसे क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया दबाव में था। वहीं सरकार ने अब तय किया है कि गाबा की जगह एक नया अत्याधुनिक स्टेडियम बनाया जाएगा, जो आधुनिक खेल सुविधाओं से परिपूर्ण होगा और इससे क्वींसलैंड के खिलाड़ियों को बेहतर अवसर मिलेंगे।

मध्य स्वर्णिम ब्रीफ

भव्यता और सौहार्द्र के साथ संपन्न होगा ईद-उल-फित्र का पावन पर्व

भोपाल। ऑल इंडिया मुस्लिम त्योहार कमेटी के तत्वावधान में आगामी 31-03-25 या 01-04-25 को पवित्र त्योहार ईद-उल-फित्र का आयोजन पूरे उल्लास और धार्मिक श्रद्धा के साथ किया जाएगा। इस शुभ अवसर पर हजारों की संख्या में लोग ईदगाह में एकत्र होकर सामूहिक रूप से विशेष नमाज अदा करेंगे और परस्पर प्रेम व भाईचारे का संदेश देंगे। कमेटी की ओर से यह आग्रह किया गया है कि प्रशासन एवं नगर निगम आवश्यक सुविधाओं का विशेष ध्यान रखें, जिससे सभी लोग निर्बाध रूप से अपनी इबादत कर सकें। साफ-सफाई, जल आपूर्ति, विद्युत व्यवस्था एवं सुरक्षा की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए नगर प्रशासन का सहयोग अपेक्षित है। ऑल इंडिया मुस्लिम त्योहार कमेटी के चेयरमैन हाफिज अहमद शाहमीरी खुर्रम चिश्ती ने सभी भारत वासियों से अपील की है कि वे भाईचारे और सौहार्द्र की भावना को सुदृढ़ करें तथा इस पावन अवसर को प्रेम और शांति के साथ मनाएं।

स्कूलों में निःशुल्क पाठ्यपुस्तक वितरण की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए

भोपाल। प्रदेश में इस वर्ष शालाओं में शैक्षणिक सत्र एक अप्रैल 2025 से प्रारंभ किया जा रहा है। शैक्षणिक सत्र शुरू होते ही 'स्कूल चलें हम अभियान' की शुरूआत होगी। पाठ्यपुस्तक निगम ने इस वर्ष सत्र शुरू होते ही शासकीय स्कूलों में विद्यार्थियों को निशुल्क पाठ्यपुस्तकों की वितरण की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। यह जानकारी स्कूल शिक्षा मंत्री श्री उदय प्रताप सिंह की अध्यक्षता में मंत्रालय में बुधवार को हुई पाठ्यपुस्तक निगम की बैठक में दी गई। बैठक में सचिव स्कूल शिक्षा डॉ. संजय गोयल, आयुक्त लोक शिक्षण श्रीमती शिल्पा गुप्ता एवं विभागीय अधिकारी मौजूद थे। बैठक में बताया गया कि निगम का प्रयास है कि सरकारी स्कूलों के बच्चों को शिक्षण सत्र शुरू होते ही अप्रैल माह में निशुल्क पाठ्यपुस्तकें उपलब्ध हो जायें। कक्षा एक से कक्षा 12 के विद्यार्थियों के लिये करीब 5 करोड़ 60 लाख पुस्तकें, एक करोड़ 2 लाख फाउंडेशनल लिटरेसी एण्ड न्यूमरेसी (एफएलएन) अभ्यास पुस्तिकाएं और करीब 26 लाख ब्रिज कोर्स की पुस्तकें निशुल्क उपलब्ध कराई जा रही हैं।

उदय प्रताप सिंह ने महर्षि पतंजलि संस्थान के कैलेण्डर का किया विमोचन

भोपाल। स्कूल शिक्षा मंत्री उदय प्रताप सिंह ने बुधवार को मंत्रालय में महर्षि पतंजलि संस्कृत संस्थान मध्यप्रदेश द्वारा प्रकाशित वार्षिक कैलेण्डर का विमोचन किया। कैलेण्डर में इस वर्ष की थीम भारतीय कालगणना को रखा गया है। इसके अंतर्गत माहवार काल की अवधारणा, कालमायन की इकाइयाँ. हिन्दी तिथियों का वैज्ञानिक आधार, सप्ताह, माह और वर्ष की अवधारणा, देवताओं व असुरों के दिन-रात, युग, ब्रह्मा की आयु, संवत्सर, पञ्चाङ्ग तथा संकल्प मन्त्र को स्थान दिया गया है। यह जानकारी भारतीय कालगणना की समझ के लिये अत्यंत उपयोगी रहेगी। महर्षि पतंजलि संस्कृत संस्थान के निदेशक प्रभात राज तिवारी ने बताया कि अभी हमारे जितने केलेण्डर हैं, विक्रम संवत, ईसवी संवत, हिजरी संवत, कोई भी 2500 साल से पुराना नहीं है परंतु हमारा प्राचीन केलेण्डर भारतीय सभ्यता के अनुसार लाखों वर्ष पुराना है। उदाहरण के रूप में कलयुग के 5 हजार 125 वर्ष गुजर चुके हैं। इसके पूर्व सतयुग, द्वापर एवं त्रेता युग भी संपन्न हो चुके हैं। यह तथ्य दर्शाता है कि भारतीय सभ्यता अत्यंत प्राचीन है।

मल्टीपल बिजली कनेक्शनों का बिल भुगतान अब एक क्लिक पर उपलब्ध

कंपनी की "समेकित भुगतान प्रणाली" सुविधा का लाभ उठाएं

भोपाल। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा कॉर्पोरेट और शासकीय तथा अशासकीय क्षेत्र के उपभोक्ताओं को बिजली बिल का भुगतान करने के लिए समेकित भुगतान तंत्र (Consolidated Payment System) विकसित कर नई सुविधा उपलब्ध कराई है। यह प्रणाली मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के कार्यक्षेत्र के उन बिजली उपभोक्ताओं को भुगतान करने में मदद करेगी जैसे कि नगर निगम, मध्यप्रदेश एवं भारत सरकार के उपक्रम, सरकार तथा निजी क्षेत्र के बैंक तथा निजी क्षेत्र की बीमा कंपनियां, दूरसंचार कंपनियां जिनके विभिन्न क्षेत्रों में टॉवर लगे हुए हैं और ऐसे अन्य उपभोक्ता जिनके मल्टीपल बिजली कनेक्शन हैं, उन्हें यह समेकित भुगतान प्रणाली फायदा पहुँचाएगी। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के प्रबंध संचालक श्री क्षितिज सिंघल ने बताया है कि समेकित भुगतान प्रणाली से मल्टीपल कनेक्शनधारी उपभोक्ताओं को भुगतान करने में सहायता मिलेगी।

दो हजार बहनों के सामूहिक विवाह में शामिल होना अदभुत अनुभवः मुख्यमंत्री डॉ. यादव

मुख्यमंत्री ने झाबुआ में दो हजार जोड़ों को विवाह/निकाह में दिया आशीर्वाद

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि झाबुआ में एक साथ लगभग दो हजार जोड़ों के सामूहिक विवाह में शामिल होने का आनंद अदभुत और अविस्मरणीय है। उन्होंने नव-विवाहित जोड़ों को आशीर्वाद देते हुए सभी के मंगलमय और सुखद दांपत्य जीवन की कामना की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मनुष्य जीवन के 16 संस्कारों में से पाणिग्रहण संस्कार गृहस्थ जीवन में प्रवेश के लिए महत्वपूर्ण संस्कार है।

इसमें 7 फेरों से 7 वचनों को पूरा कर सात जन्मों तक बंधन में बंधते हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह/निकाह सम्मेलन में शामिल जोड़ों को विवाह और निकाह की बधाई देते हुए सभी के जीवन में खुशियों की कामना की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव झाबुआ में सामुहिक विवाह समारोह को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सम्मेलन में 11 जोड़ों को प्रतीकात्मक रूप से 49-49 हजार की राशि के चेक भी प्रदान किये। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने झाबुआ जिले के निवासियों को सौगात देते हुए कहा कि राणापुर क्षेत्र में पेयजल एवं सिंचाई की समस्या के निराकरण के लिए भांडाखेड़ा बैराज, नागन खेड़ी, गलती, छायण, झालरवा, बुदाशाला और कल्लीपुरा में बैराज बनाये जायेंगे। उन्होंने कहा कि देवी अहिल्या विश्वविद्यालय से संबद्ध झाबुआ में मेडिकल कॉलेज भी बनाया जायेगा। झाबुआ के विकास के लिये सभी कार्य किये जायेंगे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश के विकास में सभी वर्गों का विकास समाहित है। किसी भी वर्ग को विकास की दौड़ में पीछे नहीं रहने दिया जायेगा। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की मंशानुरूप सबका साथ लेकर सबका विकास किया जायेगा, जिसमें सबके प्रयास और सबका विश्वास शामिल रहेगा।

उन्होंने कहा कि किसान सम्मान निधि के माध्यम से किसानों के सशक्तिकरण के लिये राशि प्रदान की जा रही है। किसानों का गेहूँ 2600 रूपये प्रति क्विंटल की दर से उपार्जित किया जा रहा है। धान उत्पादक किसानों को प्रति हेक्टेयर 4 हजार रूपये प्रोत्साहन राशि के रूप में दिये जा रहे हैं। प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को स्कूटी और लेपटॉप प्रदाय किये जा रहे हैं। लाड़ली बहनों को प्रतिमाह मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना की राशि प्रदान की जा रही है।

प्रदेश में बेटियों को सरकारी नौकरियों में 35 प्रतिशत आरक्षण का लाभ दिया जा रहा है। प्रभारी मंत्री एवं कैबिनेट मंत्री जनजातीय कार्य, लोक परिसंपत्ति प्रबंधन, भोपाल गैस त्रासदी राहत एवं पुनर्वास विभाग डॉ. कुँवर विजय शाह ने कहा कि झाबुआ में आयोजित लगभग 2000 जोड़ों के सामूहिक विवाह में सम्मिलित होकर मन आनंदित हो गया हैं।

महिला एवं बाल विकास मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया ने कहा कि जिले के लिए सौभाग्य है कि इतना विशाल विवाह समारोह आयोजित हुआ और जिसमें स्वयं मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने आकर बहनों को आशीर्वाद प्रदान किया।

नवाचार के तहत इंदौर में उपभोक्ताओं के लिये राशन भी पोषण भी

उचित मूल्य दुकानों का उन्नयन कर बनाये गये 30 जन पोषण केन्द्र हुए शुरू

भोपाल। इंदौर जिले में उपभोक्ताओं के हित में और उचित मूल्य दुकानों को आर्थिक रूप से सुदृढ़ बनाने के लिए शासन-प्रशासन द्वारा नवाचार किया जा रहा है। कलेक्टर आशीष सिंह के निर्देशन में जिले में शासकीय उचित मूल्य दुकानों की सूरत और सीरत बदलने लगी है।

अब शासकीय उचित मूल्य दुकानों से उपभोक्ताओं को राशन के साथ ही गुणवत्तापूर्ण दुग्ध उत्पाद और अन्य पोषण सामग्रियाँ भी उचित मूल्य पर देने की व्यवस्था शुरू की गई हैं। इन दुकानों से जैविक उत्पाद भी उपलब्ध कराये जाने के लिए आज उचित मूल्य दुकान आदर्श महिला प्राथमिक उपभोक्ता भंडार बाणगंगा इंदौर पर मुख्य कार्यक्रम आयोजित कर जनपोषण केन्द्र का औपचारिक शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम में वीडियो कांफ्रेंस से केन्द्रीय संयुक्त सचिव खाद्य विभाग रविशंकर, ज्वाईंट डायरेक्टर एनएफएसए भारत सरकार जय पाटील, आयुक्त खाद्य कर्मवीर शर्मा वर्चुअली सम्मिलित हुए।

कंसल्टेंट अभिषेक कुमार, चंद्रपाल यादव , मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत सिद्धार्थ जैन, जिला आपूर्ति नियंत्रक एम.एल. मारु, पायलट प्रोजेक्ट के 30 दुकानों के डीलर, स्थानीय पार्षद श्रीमती संध्या जायसवाल, हितग्राही उपभोक्ता कार्यक्रम में सम्मिलित हुए।

मप्र में पत्रकारों पर बढ़ते हमले लोकतंत्र के लिए खतराः संगीता शर्मा

प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता बोलीं, सरकार प्रेस की आज़ादी को दबाने की कोशिश कर रही, भाजपा नेतृत्व ले संज्ञान

भोपाल। मध्यप्रदेश कांग्रेस की प्रदेश प्रवक्ता संगीता शर्मा ने राज्य में पत्रकारों पर हो रहे हमलों को लेकर भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोला है। अपने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर ट्वीट करते हुए उन्होंने लिखा है कि भोपाल में एक पत्रकार के साथ पुलिस की बर्बर कार्रवाई निंदनीय और शर्मनाक है। इस घटना ने प्रदेश में पत्रकारों की सुरक्षा और स्वतंत्रता पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

सुश्री शर्मा ने भाजपा मीडिया प्रभारी आशीष अग्रवाल की सराहना करते हुए कहा कि, सरकार की नीतियों से असहमत होकर अपनी ही पार्टी के खिलाफ खड़ा होना एक साहसिक कदम है, जो यह साबित करता है कि भाजपा सरकार प्रेस की स्वतंत्रता को दबाने में लगी है।

कांग्रेस प्रवक्ता सुश्री संगीता शर्मा ने भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा से सवाल किया, आप तो मध्यप्रदेश के दामाद हैं, लेकिन प्रदेश में पत्रकारों पर हो रहे सरकारी हमलों पर आपकी चुप्पी क्यों? क्या भाजपा सरकार सच का गला घोंटकर तानाशाही की राह पर चल रही है ? इसके साथ ही उन्होंने भाजपा प्रदेश अध्यक्ष वी.डी. शर्मा से भी अपील की कि वे उज्जैन में पत्रकारों और राजनीतिक कार्यकर्ताओं पर हो रहे अत्याचारों का संज्ञान लें। उन्होंने कहा कि उज्जैन में पत्रकारों और नेताओं पर सबसे ज्यादा अत्याचार हो रहे हैं, जो लोकतंत्र के लिए बेहद खतरनाक संकेत है।

प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता सुश्री शर्मा ने कहा कि कांग्रेस पत्रकारों के अधिकारों और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की रक्षा के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने भाजपा सरकार को चेतावनी देते हुए कहा कि यदि यह हमले बंद नहीं हुए तो कांग्रेस पार्टी सड़कों पर उतरकर इसका विरोध करेगी। उन्होंने कहा कि एक लोकतांत्रिक सरकार का कर्तव्य होता है कि वह चौथे स्तंभ की रक्षा करे, न कि उसे डराने-धमकाने की कोशिश करे। भाजपा सरकार को यह समझना होगा कि सच को दबाने से सरकारें नहीं बचतीं, बल्कि और तेजी से गिरती हैं।

ब्रह्माकुमारीज़ की पूर्व मुख्य प्रशासिका दादी जानकी जी की 5वीं पुण्यतिथि पर दी गई श्रद्धांजलि

भोपाल। नर्मदापुरम रोड स्थित ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान के ज्ञानमोती सभागार में पूर्व मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी जानकी जी की पांचवी पुण्य तिथि मनाई गई। ब्लेसिंग हाउस सेवाकेंद्र से बीके डॉ. रावेंद्र भाई ने कहा कि महिलाओं द्वारा संचालित विश्व की सबसे बड़ी आध्यात्मिक संस्था ब्रह्माकुमारीज की पूर्व मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी जानकी जी के द्वारा विश्व के 140 देशों में हजारों ब्रह्माकुमारीज़ सेवाकेन्द्र स्थापित किये गये। दादी जानकी ने मन, आत्मा और बाह्य स्वच्छता के लिए पूरे विश्व में अद्वितीय कार्य किया। भारत सरकार ने उन्हें स्वच्छ भारत मिशन का ब्रांड एंबेसडर नामित किया। दादीजी की अथक मेहनत, त्याग-तपस्या के चलते भारतीय पुरातन संस्कृति आध्यात्म और राजयोग मेडिटेशन का संदेश उन्होंने अकेले विश्व के 100 से अधिक देशों में पहुंचाया।

दादीजी के नाम विश्व की सबसे स्थिर मन की महिला का वर्ल्ड रिकार्ड भी है। अमेरिका के टेक्सास मेडिकल एवं साइंस इंस्टीट्यूट में वैज्ञानिकों द्वारा परीक्षण के बाद दादीजी को मोस्ट स्टेबल माइंड ऑफ द वर्ल्ड वूमन से नवाजा था। उन्होंने योग से अपने को मन इतना संयमित, पवित्र, शुद्ध और सकारात्मक बना लिया था कि वह जिस समय चाहें, जिस विचार या संकल्प पर और जितनी देर चाहें, स्थिर रह सकती थीं। दादीजी को लोग देखकर, सुनकर, मिलकर प्रेरित हुए हैं जो आज एक अच्छी जिंदगी के राही हैं।

रीवा को विकसित बनाते हुए जल समृद्ध बनाना हैः शुक्ल

जल संचय, जन भागीदारी, जन आन्दोलन अभियान में हुए शामिल

भोपाल। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा कि रीवा को विकसित बनाने के साथ जल समृद्ध बनाना है। वर्षा के जल को संरक्षित करने तथा प्राचीन जल स्त्रोतों में सुधार कार्य कर जल संरक्षण व संवर्धन के कार्य प्राथमिकता से किये जा रहे हैं ताकि आने वाले समय में पानी की कमी न हो। उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने ग्राम पंचायत सगरा में केन्द्रीय जल शक्ति विभाग के सहयोग से बोर के माध्यम से संग्रहित होने वाले भूजल को जमीन के भीतर संचयित किये जाने के कार्य का शुभारंभ किया।

ग्राम पंचायत सगरा में आयोजित कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री ने कहा कि केन्द्र सरकार के जल शक्ति विभाग के सहयोग से रीवा जिले में 100 बोरवेल के माध्यम से संग्रहित होने वाले जल को जमीन के अंदर संचित किये जाने का कार्य प्रारंभ हो रहा है।

इसके अतिरिक्त जल गंगा अभियान में जल संरक्षण व संवर्धन के कार्य आगामी 3 माह तक नियमित रूप से संचालित होंगे। यह प्रयास है कि वर्षा का जल बर्बाद न हो। जमीन के अंदर इसका संचयन हो तथा जल स्त्रोत भी पानीदार रहे ताकि जिले का भूजल स्तर कम न हो। उन्होंने जल संरक्षण कार्य में आमजनों की सहभागिता की भी अपेक्षा की। उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केन्द्रीय जल शक्ति मंत्री सीआर पाटिल द्वारा जहां एक ओर हर घर को शुद्ध पानी पहुंचाने का कार्य हो रहा है वहीं दूसरी ओर जल संचयन, संवर्धन का कार्य भी किया जा रहा है।

महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय को राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद (NAAC) द्वारा मिला "A" ग्रेड

भोपाल। उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं आयुष मंत्री इन्दर सिंह परमार ने प्रदेश के उज्जैन स्थित महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय को राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद (NAAC) द्वारा "A" ग्रेड प्रत्ययित होने की महत्वपूर्ण एवं गौरवपूर्ण उपलब्धि मिलने पर उच्च शिक्षा विभाग एवं विश्वविद्यालय परिवार को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं हैं। मंत्री परमार ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के यशस्वी नेतृत्व में राज्य सरकार, विद्यार्थियों को राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के परिप्रेक्ष्य में गुणवत्तापूर्ण एवं रोजगारमूलक उच्च शिक्षा प्रदान करने की दिशा में प्रतिबद्धता से कार्य कर रही है। उच्च शिक्षा के क्षेत्र में सतत् नवीन आयाम स्थापित हो रहे हैं। उच्च शिक्षण संस्थानों में विद्यार्थियों के समग्र विकास एवं प्रगति के साथ, शैक्षणिक एवं अकादमिक स्तर पर उत्तरोत्तर गुणवत्ता वृद्धि हो रही है। मंत्री परमार ने कहा कि विश्वविद्यालय का, उच्च शिक्षा के क्षेत्र में राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद द्वारा निर्धारित मानकों पर खरा उतरकर, सर्वोत्कृष्ट उपलब्धि अर्जित करना प्रशंसनीय एवं सराहनीय है। परमार ने कहा कि नैक द्वारा प्रत्ययन से वंचित प्रदेश के समस्त उच्च शिक्षण संस्थान, विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालय भी राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद के मानकों पर खरा उतरने के लिए प्रयास करें। ज्ञातव्य है कि राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद की टीम ने उज्जैन स्थित महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय का निरीक्षण कर विश्वविद्यालय में पाठ्यक्रम गुणवत्ता, शिक्षण-प्रशिक्षण एवं मूल्यांकन, शोध, नवाचार, आधारभूत ढांचा एवं संसाधन, विद्यार्थी सहयोग एवं प्रगति, गवर्नेंस एवं लीडरशिप मैनेजमेंट सहित विविध मानकों के आधार पर परखा था।

भोपाल सेंट्रल जेल में ईद पर खुली मुलाकात पर लगी रोक

विधायक आरिफ मसूद ने डीजी को लिखा पत्र

भोपाल। राजधानी भोपाल की सेंट्रल जेल में ईद पर खुली मुलाकात नहीं होगी। इस संबंध में जेल प्रशासन ने परिवर में नोटिस चस्पा किए है। जिसमें लिखा है कि इस बार ईद पर खुली मुलाकात नहीं होगी। सामान्य मुलाकात दी जाएगी। दरअसल, राखी,ईद, दीपावली जैसे त्यौहार पर कैदियों को उनके परिजनों से खुली मुलाकात करने की अनुमति दी जाती है।

यह पहली बार होगा कि ईद पर खुली मुलाकात नहीं हो सकेगी। इसको लेकर जेल प्रशासन का कहना है कि जेल परिसर में निर्माण कार्य चल रहे है, जिसके चलते इस बार ईद पर खुली मुलाकात संभव नहीं होगी। हालांकि उन्होंने कहा कि सामन्य मुलाकात जारी रहेगी।

वहीं, कैदियों के परिजनों की नाराजगी को लेकर विधायक आरिफ मसूद ने पुलिस अधीक्षक को पत्र लिखकर जेल प्रशासन के निर्णय पर आपत्ति जताई है। उन्होंने ईद के त्यौहार पर कैदियों को उनके परिजनों से खुली मुलाकात करने की अनुमति देने की मांग की है। विधायक ने लिखा कि जेल में सालों से त्यौहार पर खुली मुलाकात की परंपरा रही है और इस दौरान कोई अप्रिय घटना भी नहीं हुई है।

पंचायतों को स्वच्छ और स्वावलम्बी बनाना हमारी पहली प्राथमिकता : पटेल

पटेल की अध्यक्षता में सम्पन्न साधारण सभा की बैठक

भोपाल। पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल ने कहा है कि पंचायतों को स्वावलंबी बनाना सरकार की प्राथमिकता भी है और जिम्मेदारी भी मंत्री पटेल गुरूवार को नरसिंहपुर के सरदार बल्लभ भाई पटेल सभा कक्ष में जिला पंचायत की साधारण सभा की बैठक को संबोधित कर रहे थे। बैठक में वन नेशनल-वन इलेक्शन के प्रस्ताव को पारित किया गया। बैठक में जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती ज्योति नीलेश काकोड़िया, तेंदूखेड़ा विधायक विश्वनाथ सिंह पटेल, जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्रीमती अनीता राजेन्द्र ठाकुर, पूर्व राज्यमंत्री जालम सिंह पटेल, जनपद पंचायत अध्यक्ष व उपाध्यक्ष, महंत प्रीतमपुरी गोस्वामी, जिला पंचायत सदस्य, अन्य जनप्रतिनिधि, सीईओ जिला पंचायत दलीप कुमार और अन्य जिला अधिकारी मौजूद थे।

जल गंगा संवर्धन अभियान

मंत्री पटेल ने कहा कि प्रदेश के सभी जिलों में 30 मार्च से जल गंगा संवर्धन अभियान की शुरुआत की जा रही है। इस अभियान का उद्देश्य है कि जल स्रोतों का संरक्षण, पौधरोपण, जल संरचनाओं की सफाई, तालाबों की डिसिल्टिंग जैसे अन्य कार्य किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि हमारी पंचायतों को स्वच्छ और स्वावलम्बी बनाने के लिये यह प्रयास करना होगा कि हम किसी पर निर्भर नहीं रहें। इसके लिए हमें यह देखना होगा कि पेयजल के स्त्रोत स्वच्छ एवं साफ हो। गांव के गंदे पानी की निकासी पृथक से हो। नाली निर्माण इस तरह हो कि उसका पानी स्वच्छ जल को दूषित नहीं करें। हमें अपशिष्ट प्रबंधन की दिशा में गंभीरता से काम करें। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संतुलन के लिये भूमि चिन्हित कर फ़ेंसिंग की जाये, जिससे कि बारिश के पहले पौधा-रोपण के लिये सोच समझकर पौधों का चयन किया जाये।

सड़कों का होगा नवीनीकरण

मंत्री पटेल ने सड़कों की बेहतर कनेक्टिविटी के लिये इंटर डिस्ट्रिक्ट कनेक्टिविटी वाली सड़कों को पहचान करने और 5 वर्ष या उससे अधिक पुरानी सड़कों के नवीनीकरण की कार्य योजना बनाने के निर्देश दिये। उन्होंने जिले में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के प्रथम चरण के अंतर्गत आने वाली सड़कों का मूल्यांकन करने के निर्देश दिये। नेशनल हाइवे के समीप के गावों में सड़क मार्ग की कनेक्टिविटी है अथवा नहीं या जो सड़क मार्ग इससे छूट गए हैं, इनका सर्वे कर पांचवे फेज में शामिल करने के निर्देश भी बैठक में दिये।

योजनाओं की हर 4 माह में होगी समीक्षा

मंत्री पटेल ने बताया कि शासकीय योजनाओं के क्रियान्वयन की समीक्षा हर 4 माह में की जायेगी। जिला पंचायत और जनपद अध्यक्षों को वित्तीय मामलों की जानकारी समय-समय पर दी जाना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि अध्यक्ष, उपाध्यक्ष एवं अन्य पदाधिकारी भी जनपद पंचायतों की बैठक में अनिवार्य रूप से उपस्थित रहे।